mediaauditornews@gmail.com mediaauditor Epaperdainikmediaauditor.in mediaauditor वर्ष-29 अंक-58 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

रीवा

28 फरवरी 2025 शुक्रवार

दैनिक मीडिया ऑडीटर

दैनिक मीडियाऑडीटर

रीवा, सतना से एक साथ प्रकाशित

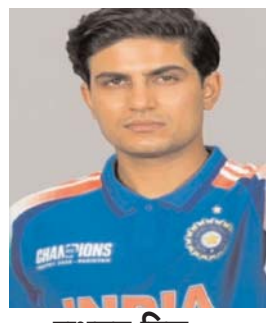

शुभमन गिल ...

@ पेज 7

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने की संगम घाट की सफाई

● डिप्टी सीएम समेत कई मंत्री रहे मौजूद, महाकुम्भ 2025 की हुई औपचारिक पूर्णाहुति

मुंबई (एजेंसी)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गुरुवार सुबह महाकुम्भ 2025 की औपचारिक पूर्णाहुति के लिए प्रयागराज पहुंचे। इस दौरान उन्होंने महाकुम्भ नगर के अरैल घाट पर सफाईकर्मियों के साथ मिलकर घाट की सफाई की और गंगा तट पर स्नानार्थियों द्वारा छोड़ी गए वस्त्र आदि को साफ करने में अपने मंत्रियों के साथ श्रमदान किया। जल में मौजूद छोड़े गए वस्त्रों को निकालकर महाकुम्भ के उपरांत पूरे मेला क्षेत्र की स्वच्छता के लिए अभियान का शुभारंभ किया। सफाई कार्य के बाद मुख्यमंत्री अपने मंत्रिमंडल के सहयोगियों के साथ फ्लोटिंग जेटी के जरिए संगम के लिए रवाना हुए। इस दौरान उन्होंने जेटी से साइबेरियन पक्षियों को दाना खिलाया। संगम पहुंचकर सीएम योगी ने मां गंगा, मां यमुना और अदृश्य रूप में मौजूद मां सरस्वती का विधिवत पूजन किया। वैदिक मंत्रोच्चार के बीच उन्होंने मंत्रिगणों के साथ मां गंगा का दुग्धाभिषेक कर विधि-विधान से मां की आरती उतारी और लोक कल्याण की कामना की। सीएम योगी ने संगम स्नान को आए श्रद्धालुओं का भी अभिवादन किया। इस अवसर पर डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य, डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक, कैबिनेट मंत्री सुरेश खन्ना, राकेश सचान, नंद गोपाल गुप्ता नंदी, अनिल राजभर, मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह, डीजीपी प्रशांत कुमार और प्रमुख सचिव गृह एवं सूचना संजय प्रसाद सहित कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री आज दिनभर महाकुम्भ नगर में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे। वे महाकुम्भ को ऐतिहासिक, दिव्य, भव्य, स्वच्छ, सुरक्षित और डिजिटल बनाने में योगदान देने वाले कर्मचारियों और संस्थाओं से मुलाकात करेंगे और उन्हें सम्मानित करेंगे। शाम को सीएम योगी पुलिसकर्मियों से भी संवाद करेंगे और सुरक्षित महाकुम्भ के लिए उनका आभार प्रकट करेंगे। इसके अलावा, कुम्भ की व्यवस्था में लगे अधिकारियों और मेला प्रशासन से जुड़े लोगों के साथ भी उनकी बैठक प्रस्तावित है।

संक्षिप्त समाचार

चीन का एलएसी गतिरोध पर बड़ा बयान, लद्दाख में नया प्रस्ताव लागू करने का ऐलान

बीजिंग (एजेंसी)। भारत और चीन के बीच लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा पर वर्षों से चल रहे गतिरोध को लेकर बड़ी खबर सामने आ रही है। चीन के रक्षा मंत्रालय ने बृहस्पतिवार को एलएसी गतिरोध पर बड़ा बयान जारी किया है।

चीन ने कहा कि उसकी और भारत की सेनाएं पूर्वी लद्दाख में गतिरोध को समाप्त करने के प्रस्तावों को ''व्यापक और प्रभावी तरीके'' से लागू कर रही हैं। मंत्रालय के प्रवक्ता वरिष्ठ कर्नल वु कियान ने यहां एक मीडिया ब्रीफिंग में, पूर्वी लद्दाख सेक्टर में स्थिति के सामान्य होने से जुड़े एक सवाल का जवाब देते हुए कहा, ''वर्तमान में, चीनी और भारतीय सेनाएं सीमा क्षेत्रों से संबंधित प्रस्तावों को व्यापक और प्रभावी तरीके से लागू कर रही हैं।'' उन्होंने कहा, ''हम सीमावर्ती क्षेत्रों में शांति और सौहार्द बनाए रखने के लिए भारतीय पक्ष के साथ मिलकर काम करने को तैयार हैं।'' भारत और चीन ने पिछले साल के अंत में देपसांग और डेमचोक से सैनिकों की वापसी के लिए एक समझौते को अंतिम रूप देने के बाद यह (सैनिकों की वापसी की) प्रक्रिया पूरी कर ली है। पूर्वी लद्दाख में स्थित टकराव वाले इन दो स्थानों से सैनिकों की वापसी के साथ, चार साल से अधिक समय से संबंधों में जारी गतिरोध समाप्त हो गया।

ट्रंप ने पुतिन से बढ़ाई दोस्ती, रूस-अमेरिका में हो गई डील

इस्तांबुल (एजेंसी)। रूस और अमेरिका के बीच रिश्तों में नजदीकियां लगातार बढ़ रही हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सत्ता में आने के बाद रूस-अमेरिका के संबंधों के बीच इसे नई शुरुआत और नए वर्ल्ड ऑर्डर के तौर पर देखा जा रहा है। वहीं अमेरिका और रूस के बीच में गहराते रिश्ते को चीन चिंता की नजर से देख रहा है। इस

बीच अमेरिका और रूस ने एक-दूसरे के राजनयिकों को निष्कासित करने के वर्षों बाद अपने-अपने दूतावासों का फिर से संचालन को सामान्य बनाने पर चर्चा करने के लिए बृहस्पतिवार को यहां वार्ता की है। इसे रूस-अमेरिका के संबंधों में सुधार के बड़े कदम के तौर पर देखा जा रहा है। विशेषज्ञों के अनुसार डोनाल्ड ट्रंप रूस से नजदीकी बढ़ाकर चीन को कमजोर करना चाहते हैं। यह अमेरिका का नई और परिस्थितिजन्य रणनीति का हिस्सा है। रूसी राष्ट्रपति भवन 'क्रेमलिन' के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने कहा कि इस्तांबुल में यह वार्ता अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ बातचीत तथा सऊदी अरब में शीर्ष रूसी और अमेरिकी राजनयिकों तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के बीच वार्ता के दौरान बनी सहमति के बाद हुई। पिछले सप्ताह रियाद में हुई अमेरिका-रूस वार्ता के जरिये ट्रंप के नेतृत्व में वाशिंगटन की विदेश नीति में एक महत्वपूर्ण बदलाव और यूक्रेन में युद्ध को लेकर रूस को अलग-थलग करने के अमेरिकी नेतृत्व वाले प्रयासों से स्पष्ट रूप से अलग होने का संकेत दिया गया।

देश के कई हिस्से में बदला मौसम, बारिश और बर्फबारी का अलर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के कई हिस्से में मौसम का मिजाज बदला हुआ है। दिल्ली-एनसीआर में जहां आज सुबह से बादल छाए हुए हैं और बारिश की संभावना बनी हुई है, तो वहीं, हिमाचल प्रदेश के ऊंचे इलाकों में हल्के से मध्यम स्तर का हिमपात जारी है, जबकि निचले और मध्य पहाड़ी इलाकों के कई हिस्सों में रुक-रुक कर बारिश हो रही है। मौसम विभाग ने 27 फरवरी को यह जानकारी दी और मौसम को लेकर गुरुवार और शुक्रवार के लिए विशेष चेतावनी जारी की है। मौसम विभाग ने अनुमान जताया है कि गुरुवार और शुक्रवार को मंडी, कांगड़ा, कुल्लू और चंबा जिलों में भारी से बहुत भारी बारिश और हिमपात हो सकता है।

इसके मद्देनजर विभाग ने इन जिलों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। इसी दौरान लाहौल-स्पीति में भारी हिमपात होने और शिमला जिले में भारी बारिश व हिमपात का अनुमान जताते हुए येलो अलर्ट जारी किया गया है। इसके अलावा, ऊना और हमीरपुर जिलों में भी भारी बारिश की संभावना जताई गई है। वहीं, लाहौल-स्पीति जिले के ताबो में 26 फरवरी की रात को न्यूनतम तापमान सबसे कम दर्ज किया गया, जो शून्य से 4.5 डिग्री सेल्सियस नीचे रहा। मौसम विभाग ने यह भी बताया कि हिमाचल प्रदेश में सर्दी के मौसम के दौरान 1 जनवरी से 27 फरवरी तक कुल 70.4 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई है। बता दें कि मौसम विभाग ने देश के 15 राज्यों में गुरुवार को बारिश का अलर्ट जारी किया है, जिनमें दिल्ली, हरियाणा, चंडीगढ़, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, पश्चिम बंगाल, केरल, तमिलनाडु, पुडुचेरी, मेघायल और असम है। वहीं, हिमाचल, जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में बारिश के साथ बर्फबारी को लेकर भी अलर्ट है।

सीएम रेखा गुप्ता ने नाम का रखा प्रस्ताव

दिल्ली विधानसभा के डिप्टी स्पीकर चुने गए मोहन सिंह बिष्ट

नई दिल्ल (एजेंसी)। दिल्ली की मुस्तफाबाद विधानसभा सीट से विधायक मोहन सिंह बिष्ट को डिप्टी स्पीकर चुना गया है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मोहन सिंह बिष्ट को डिप्टी स्पीकर बनाने का प्रस्ताव रखा था। मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने प्रस्ताव को समर्थन दिया था। वहीं, दिल्ली विधानसभा में वरिष्ठ नेता विजेंद्र गुप्ता स्पीकर हैं।

मोहन सिंह बिष्ट दिल्ली की सियासत में अनुभवी नेता माने जाते हैं। वह करावल नगर विधानसभा सीट से कई बार विधायक रह चुके हैं। हालांकि, इस बार वो मुस्तफाबाद सीट से चुनाव जीतकर विधानसभा पहुंचे। उन्होंने आम आदमी पार्टी के आदिल अहमद खान को 17 हजार से अधिक वोट से शिकस्त दी थी। करावल नगर सीट से मोहन सिंह बिष्ट ने पहली बार 1998 में चुनाव जीता था और 2015 तक इस सीट से विधायक रहे। 2015 के चुनाव में उन्हें कपिल मिश्रा के हाथों शिकस्त मिली थी। तब कपिल मिश्रा %आप% के टिकट पर चुनाव लड़े थे। बाद में वो बीजेपी में शामिल हो गए। इसके बाद मोहन बिष्ट ने एक बार फिर 2020 में करावल नगर सीट से जीत दर्ज की, जबकि 2025 के चुनाव में उन्हें मुस्तफाबाद से टिकट मिला और यहां से चुनाव जीते। बीजेपी ने इस बार कपिल मिश्रा को करावल नगर से उम्मीदवार बनाया। उन्होंने यहां बड़े अंतर से जीत दर्ज की और रेखा गुप्ता की सरकार में मंत्री बने।

बता दें कि 2025 के दिल्ली विधानसभा चुनाव में बीजेपी ने 70 में से 48 सीटों पर जीत दर्ज की है, जबकि आम आदमी पार्टी (आप) को 22 सीटें मिलीं। राष्ट्रीय राजधानी की सत्ता में बीजेपी 27 सालों के बाद वापसी की है।

'मुसलमानों को बेइज्जत और बर्बाद करने की साजिश'

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के अहिल्यानगर जिले के पाथर्डी तालुका में ग्रामीणों ने मढ़ी कानिफनाथ महाराज की तीर्थयात्रा में मुस्लिम व्यापारियों पर प्रतिबंध लगाने का प्रस्ताव पारित किया है। ग्रमीणों के

इस फैसले पर समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता और विधायक अबू आसिम आजमी ने अफसोस जाहिर किया है। उन्होंने कहा, मुझे बड़े ही दुख के साथ कहना पड़ रहा है कि अब मैं रोज सुबह देखता हूं कि मुसलमानों को बेइज्जत, बर्बाद और तबाह करने की है और ऐसी साजिशें होती रहती हैं। उन्होंने इन सब चीजों के लिए सरकार को दोषी ठहराया है। अबू आजमी ने कहा, अहमदनगर के मढी गांव में कानिफनाथ महाराज की यात्रा में सालों से दुकान लगा रहे मुसलमानों को ग्रामसभा ने अब दुकान लगाने से मना कर दिया है। बांग्लादेश में हिन्दुओं पर होने वाला जुल्म दिखाई देता है, लेकिन क्या देश के प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री को मुसलमानों के साथ हो रही नाइंसाफी दिखाई नहीं देती? समाज के 20 फीसदी लोगों के साथ अगर यह हो रहा है तो फिर बिल्कुल सही नहीं हो रहा। आप उन्हें आरक्षण नहीं देते, उन्हें रोजगार नहीं देते, तो वे कहां जाएंगे।

परीक्षा देकर लौटी 10वीं की छात्रा, हॉस्टल में बच्चे को दिया जन्म

कांग्रेस नेता बोले- इससे शर्मनाक कुछ नहीं हो सकता

भुवनेश्वर (एजेंसी)। ओडिशा के मलकानगिरी में 10वीं कक्षा की छात्रा के मां बनने पर बवाल मचा हुआ है। छात्रा 10वीं की परीक्षा देकर हॉस्टल लौटी थी और समय से पहले बच्चे को जन्म दिया। इस मामले में पुलिस ने बुधवार को 22 वर्षीय एक युवक को गिरफ्तार किया है। आरोप है कि इसी युवक ने सरकारी आवासीय विद्यालय की 10वीं कक्षा की छात्रा से बलात्कार कर उसे गर्भवती किया। युवक ने अपने ऊपर लगे आरोपों को स्वीकार कर लिया है।

पुलिस के अनुसार, सोमवार को 10वीं की बोर्ड परीक्षा से लौटने के बाद लड़की ने अपने छात्रावास में समय से पहले बच्चे को जन्म दिया, जिसके बाद मां और उसके नवजात शिशु दोनों को मलकानगिरी जिला मुख्यालय अस्पताल में भर्ती कराया गया। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि लड़की का पड़ोसी युवक को यौन अपराधों से बच्चों के संरक्षण अधिनियम की धारा 6 (गंभीर यौन उत्पीड़न) और भारतीय न्याय संहिता की धारा 64 (बलात्कार) और 65 (1) (16 साल से कम उम्र की लड़की से बलात्कार) के तहत गिरफ्तार किया गया है।

अधिकारी ने बताया कि आरोपी पुलिस थाने आया और उसने लड़की के साथ संबंध बनाने की बात स्वीकार की। अधिकारियों ने बताया कि मामले को गंभीरता से लेते हुए ओडिशा सरकार ने प्रधानाध्यापक के साथ-साथ एक सहायक नर्स और दाई को निलंबित कर दिया है और छात्रावास की मेट्रन को भी हटा दिया है। यह स्कूल एसटी और एससी विकास, अल्पसंख्यक और पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग द्वारा चलाया जाता है। लड़की के माता-पिता ने मंगलवार को स्कूल अधिकारियों से पूछा कि प्रसव पीड़ा शुरू होने तक गर्भावस्था को कैसे छिपाया गया।

ओडिशा प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष भक्त चरण दास ने कहा, ÷आदिवासी समुदाय से आने वाली 10वीं की छात्रा छात्रावास में रहती है, वह परीक्षा देने जाती है और एक बच्चे को जन्म देती है। यह राज्य और प्रशासन के लिए शर्मनाक बात है।

'हिंदी तो मुखौटा है, संस्कृत असली चेहरा'

भाषा विवाद पर क्या बोले तमिलनाडु के मुख्यमंत्री

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने एक बार फिर भाषा विवाद पर अपनी राय रखी है और केंद्र सरकार पर दक्षिण भारतीय राज्यों में हिंदी थोपने का आरोप लगाया है। गुरुवार को उन्होंने एक बार फिर कहा कि राज्य भाषा को थोपने की अनुमति नहीं देगा। केंद्र द्वारा कथित हिंदी थोपे जाने के खिलाफ आवाज उठाते हुए उन्होंने तमिल और इसकी संस्कृति की रक्षा करने की कसम खाई। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं को लिखे पत्र में कहा, हिंदी थोपे जाने का विरोध करेंगे। हिंदी मुखौटा है, संस्कृत छिपा हुआ चेहरा है।

सत्तारूढ़ डीएमके राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) के हिस्से के रूप में 3-भाषा फॉर्मूले के माध्यम से केंद्र द्वारा हिंदी थोपे जाने का आरोप लगा रही है, हालांकि केंद्र सरकार ने इस आरोप का खंडन किया है। पत्र में स्टालिन ने दावा किया कि बिहार, उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश में बोली जाने वाली कई उत्तर भारतीय भाषाएं जैसे मैथिली, ब्रजभाषा, बुंदेलखंडी और अवधी आधिपत्यशाली हिंदी द्वारा नष्ट कर दी गई हैं। आधिपत्यशाली हिंदी-संस्कृत भाषाओं के आक्रमण से 25 से अधिक उत्तर भारतीय मूल भाषाएं नष्ट हो गई हैं। सत्तारूढ़ द्रमुक प्रमुख ने कहा कि सदियों पुराने द्रविड़ आंदोलन ने जागरूकता पैदा करने और विभिन्न आंदोलनों के कारण तमिल और उसकी संस्कृति की रक्षा की।÷

स्टालिन ने कहा कि तमिलनाडु एनईपी का विरोध कर रहा है क्योंकि केंद्र शिक्षा नीति के माध्यम से हिंदी और संस्कृत को थोपने की कोशिश कर रहा है। भाजपा के इस तर्क का विरोध करते हुए कि एनईपी के अनुसार तीसरी भाषा विदेशी भी हो सकती है, स्टालिन ने दावा किया कि 3-भाषा नीति अनुसूची के अनुसार, ÷कई राज्यों में केवल संस्कृत को बढ़ावा दिया जा रहा है।÷ उन्होंने दावा किया कि भाजपा शासित राजस्थान उर्दू प्रशिक्षकों के बजाय संस्कृत शिक्षकों की नियुक्ति कर रहा है। उन्होंने कहा, ÷यदि तमिलनाडु त्रिभाषी नीति को स्वीकार करता है, तो मातृभाषा को नजरअंदाज कर दिया जाएगा और भविष्य में संस्कृतीकरण होगा। तमिलनाडु सीएम ने दावा किया कि एनईपी प्रावधानों में कहा गया है कि संस्कृत के अलावा अन्य भारतीय भाषाओं को स्कूलों में पढ़ाया जाएगा और तमिल जैसी अन्य भाषाओं को ऑनलाइन पढ़ाया जा सकता है। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया, ÷इससे यह स्पष्ट होता है कि केंद्र ने तमिल जैसी भाषाओं को खत्म करने और संस्कृत को थोपने की योजना बनाई है।

गोवा में अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों की संख्या में आई कमी

भाजपा विधायक बोले- इसके लिए इडली-सांभर जिम्मेदार

पणजी (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायक माइकल लोबो ने बृहस्पतिवार को दावा किया कि समुद्र तट पर इडली-सांभर की बिक्री के कारण गोवा में अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों की संख्या में ''कमी'' आ रही है। उत्तरी गोवा के कलंगुट में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए लोबो ने कहा कि यदि गोवा में कम विदेशी आ रहे हैं तो इसके लिए अकेले सरकार को दोषी नहीं ठहराया जा सकता, क्योंकि सभी हितधारक समान रूप से जिम्मेदार हैं। लोबो ने इस बात पर अफसोस जताया कि गोवावासियों ने समुद्र तट पर स्थित अपनी झोंपड़ियों को अन्य स्थानों के व्यापारियों को किराये पर दे दिया है।

उन्होंने कहा, ''बेंगलुरु के कुछ लोग झोंपड़ियों में 'वड़ा पाव' परोस रहे हैं, कुछ 'इडली-सांभर' बेच रहे हैं। (इसलिए) पिछले दो साल से राज्य में अंतरराष्ट्रीय पर्यटन में गिरावट आ रही है।'' हालांकि, विधायक ने यह नहीं बताया कि लोकप्रिय दक्षिण भारतीय व्यंजन उनके राज्य में पर्यटन को किस प्रकार प्रभावित कर रहा है। लोबो ने कहा, ''पर्यटकों की संख्या में गिरावट के कारण शोर-शराबा मचा हुआ है। तटीय क्षेत्र में, चाहे वह उत्तर हो या दक्षिण, विदेशी पर्यटकों के आगमन में भारी गिरावट आई है। इसके लिए कई कारक जिम्मेदार हैं।'' उन्होंने कहा कि हितधारकों के रूप में प्रत्येक व्यक्ति को इसकी जिम्मेदारी लेनी चाहिए।

लोबो ने कहा कि हर साल कुछ विदेशी गोवा आते हैं, लेकिन विदेश से आने वाले युवा पर्यटक राज्य से दूर जा रहे हैं। उन्होंने कहा, ''पर्यटन विभाग और अन्य हितधारकों को एक संयुक्त बैठक आयोजित करनी चाहिए और उन कारणों का अध्ययन करना चाहिए कि विदेशी पर्यटक गोवा आने के लिए तैयार क्यों नहीं हैं।'' लोबो ने कहा कि युद्ध के कारण रूसी और यूक्रेनी पर्यटकों ने गोवा आना बंद कर दिया है। उन्होंने कहा, ''पूर्व सोवियत संघ के देशों से पर्यटकों ने गोवा आना बंद कर दिया है।'' विधायक ने कहा कि राज्य को पर्यटन से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों को सुलझाना चाहिए। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा, ''अगर हम कोई व्यवस्था नहीं बनाएंगे तो पर्यटन क्षेत्र में बुरे दिन देखने को मिलेंगे।''

फर्जी पुलिस बनकर लोगों से ऐंठते से पैसे, हनी ट्रैप रैकेट का पर्दाफाश

नई दिल्ली (एजेंसी)। रोहिणी इलाके में कथित तौर पर फर्जी पुलिस बनकर लोगों से रुपये ऐंठने वाले 'हनी ट्रैप रैकेट' के तीन सदस्यों को दिल्ली पुलिस ने गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक, आरोपियों की पहचान हरियाणा के बहादुरगढ़ निवासी नीरज (36), आशीष (35) और योगेश उर्फ ढिल्लू (40) के रूप में हुई है। रोहिणी के पुलिस उपायुक्त अमित गोयल ने कहा, ''पुलिस ने बुधवार को विजय विहार स्थित दिल्ली जल बोर्ड कार्यालय के पास दो स्कूटरों को रोका, जिस पर सवार आरोपियों में से एक ने उपनिरीक्षक की वर्दी पहनी हुई थी, जबकि दूसरे के पास एक बैग था जिसमें अतिरिक्त वर्दी थी।'' अधिकारी के अनुसार, पूछताछ किए जाने पर संदिग्धों ने शुरू में खुद को दिल्ली पुलिस का अधिकारी बताया और फर्जी पहचान पत्र भी दिखाए। उन्होंने बताया कि हालांकि उनके बयानों में विसंगतियां पाए जाने पर पुलिस ने जांच के लिए उन्हें हिरासत में ले लिया और पूछताछ के दौरान पहले तो उन्होंने पुलिस को गुमराह करने की कोशिश की, लेकिन बाद में उन्होंने जबरन वसूली के कई मामलों में अपनी संलिप्तता कबूल कर ली। पुलिस उपायुक्त ने कहा, आरोपी खुद को छापेमारी करने वाले पुलिस अधिकारी बताकर पीड़ितों को निशाना बनाते थे।

मुख्यमंत्री दमोह के नोहटा में श्री नोहलेश्वर महोत्सव में उज्जैन से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से हुए सम्मिलित

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव दमोह के नोहटा में नोहलेश्वर महोत्सव में श्री महाशिवरात्रि महापर्व पर उज्जैन से देर रात 11ः15 बजे वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से सम्मिलित हुए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भगवान शिव और शक्ति के महापर्व महाशिवरात्रि की सभी को हार्दिक शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि आदि और अंत महादेव है।सुंदर और सत्य महादेव है। सृजन और संहार महादेव है। सनातन के आधार महादेव है और हमारे महादेव की शक्ति हैं आदिशक्ति जगदंबा माता पार्वती। मैं गौरीशंकर के चरणों में शीश झुकाता हूं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मैं भगवान श्री महाकाल महाराज की उज्जयिनी से नोहटा में विराजे भगवान श्री नोहलेश्वर महादेव को मैं प्रणाम करता हूँ। ऐसी कृपा हुई भगवान भोलेनाथ की मुझ पर कि आज श्री नोहलेश्वर महाराज ने भी मुझे अपनी शरण में बुलाया और बाबा महाकाल ने भी। भगवान श्री शिव की कृपा से मध्यप्रदेश में ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट का सफल आयोजन हुआ है। आपके आशीर्वाद से हम मध्यप्रदेश की प्रगति का नया अध्याय लिख रहे हैं। विरासत को सहेज कर विकास का रथ दौड़ा रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने कहा कि बहुत समय से सभी की इच्छा थी कि यहां महाशिवरात्रि महापर्व पर महोत्सव का आयोजन हो। बेहद प्रसन्नता की बात है कि इस बार 10 दिन का महोत्सव आयोजित हो रहा है। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में दमोह से धर्मस्व ,पर्यटन एवं संस्कृति राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री धर्मेंद्र सिंह लोधी,दमोह सांसद श्री राहुल सिंह लोधी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री ने अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद और भारत रत्न नानाजी देशमुख को दी श्रद्धांजलि

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद और राष्ट्र ऋषि भारत रत्न श्री नानाजी देशमुख की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि दी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने एक्स पर इन महान विभूतियों के प्रति अपनी श्रद्धा व्यक्त करते हुए कहा कि इनका जीवन हर देशभक्त के लिए प्रेरणा का स्रोत है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मातृभूमि की स्वतंत्रता के लिए समर्पित चंद्रशेखर आजाद का जीवन ऊर्जा, संकल्प और सेवा का अप्रतिम अध्याय है। मैं उन्हें बारम्बार नमन करता हूँ। उन्होंने कहा कि आजाद का बलिदान देश के युवाओं को सदैव राष्ट्रभक्ति की प्रेरणा देता रहेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भारतीय जनसंघ के संस्थापक सदस्य और समाज सुधारक राष्ट्र ऋषि भारत रत्न श्री नानाजी देशमुख को भी श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि शिक्षा, गरीब कल्याण एवं सर्वांगीण विकास के प्रति नानाजी देशमुख जी के विचार और कृतित्व राष्ट्र निर्माण के आधार हैं और हमेशा हमारा मार्गदर्शन करते रहेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि स्व. नानाजी देशमुख ने ग्रामीण विकास और शिक्षा के क्षेत्र में जो योगदान दिया, वह आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणादायक रहेगा। उन्होंने ग्रामीण भारत के उत्थान के लिए जीवन पर्यन्त काम किया और समाजसेवा को ही अपना ध्येय बनाया।

जीआईएस से उभरी भविष्य की तस्वीर

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। भोपाल में हुई ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-2025 में फ्यूचर फ्रंटियर ः स्टार्ट-अप पिचिंग सेशन नवोदित उद्यमियों, निवेशकों और उद्योग जगत के दिग्गजों के लिए एक गेम-चेंजर मंच साबित हुआ। इससे भविष्य की एक नई तस्वीर उभरी है। स्टार्ट-अप पिचिंग सेशन ने नवाचार और व्यापारिक विकास को प्रोत्साहित करने वाले माहौल को मजबूत किया। कुल 180 स्टार्ट-अप ने पंजीकरण कराया जो मध्यप्रदेश के उभरते स्टार्टअप इकोसिस्टम की जीवंतता और आर्थिक परिवर्तन की क्षमता को दर्शाता है। इनमें से 25 उच्च-संभावित स्टार्ट-अप को अपने वेंचर प्रस्तुत करने के लिए चुना गया, जहां उन्हें मूल्यवान मार्गदर्शन और निवेश अवसर प्राप्त हुए। स्टार्ट-अप पिचिंग सेशन में प्रतिष्ठित निवेशकों, उद्योग विशेषज्ञों और इनक्यूबेटर्स ने भाग लिया।इस सत्र में श्री रोनाल्डो फर्नांडिस (सीईओ, एआईसी-आरएनटीयू फाउंडेशन), श्री अपूर्व गैवक (निदेशक, एसजीआईटीएस इनक्यूबेशन फोरम), श्री फिरोज खान सूरी (सीईओ, आईआईसीई, आईआईएसईआर-भोपाल), श्री अजय जैन (मैनेजिंग पार्टनर, सिल्वर नीडल वेंचर्स), श्री राजेश सहगल (मैनेजिंग डायरेक्टर, इक्वैनिमिटी इन्वेस्टमेंट्स), सुश्री बीना त्रिवेदी (पार्टनर, आईटीआई ग्रोथ अपॉर्च्युनिटीज फंड्स), श्री अंशुमान शर्मा (जनरल मैनेजर, वीएएसपीएल इनिशिएटिव्स प्रा. लि.), सुश्री अमृता शिंगवेकर (संस्थापक, ईज़ीसीड), श्री आयुष दुबे (हेड ङ्क इनक्यूबेशन और पार्टनरशिप्स, वेंचर कैटालिस्ट्स प्रा. लि.), श्री मयुरेश राऊत (सह-संस्थापक एवं मैनेजिंग पार्टनर, सीफंड) शामिल हुए। इन विशेषज्ञों ने स्टार्ट-अप के व्यावसायिक मॉडल, बाजार क्षमता और निवेश योग्यता का आकलन किया और उन्हें मार्गदर्शन एवं परामर्श प्रदान किया। स्टार्ट-अप पिचिंग सेशन में निवेशकों और इनक्यूबेटर्स ने अत्यधिक रुचि दिखाई, इंटरेस्ट प्राप्त हुए। आईआईसीई ने 4 स्टार्ट-अप में रुचि दिखाई, एसजीएसआईटीएस ने 3 स्टार्ट-अप में, सिल्वर नीडल वेंचर्स ने 3 स्टार्ट-अप में, आईटीआई ग्रोथ ने 3 स्टार्ट-अप में, ईज़ीसीड ने 7 स्टार्ट-अप में, सीफंड ने 3 स्टार्ट-अप में, वेंचर कैटालिस्ट्स ने 10 स्टार्ट-अप में, वीएएसपीएल इनिशिएटिव्स ने 4 स्टार्ट-अप में, एआईस-आरएनटीयू ने 5 स्टार्ट-अप में तथा इक्वैनिमिटी इन्वेस्टमेंट्स ने 5 स्टार्ट-अप में अपनी रुचि दिखाई। ईओआई प्राप्त करने वाले स्टार्ट-अप ब्रेन वेव्स टेक प्रा. लि., एसजेटेक सॉल्यूशंस प्रा. लि., जमना हेल्थटेक प्रा. लि., 34 आइडियाज थिंकलैब प्रा. लि., ग्रंथज्योति प्रा. लि., पिनाक इन्फोसेक प्रा. लि., इलेक्ट्रिका एनर्जी प्रा. लि., रोडग्रिड इंडिया प्रा. लि., प्रामा एंजिटेक, खेओनी वेंचर्स प्रा. लि., व्योम बायोटेक प्रा. लि., क्रेसेन्ज़ा एंटरप्राइज़ प्रा. लि., कांता पब्लिकेशन एलएलपी, आदि सिद्धांश इंडस्ट्रीज प्रा. लि., स्नेह केयर क्लब प्रा. लि., अनंतश्री व्हीकल्स प्रा. लि., ओस्टियोक्योर हेल्थकेयर प्रा. लि., ऑक्टोमेन टेक्नोलॉजी प्रा. लि. और महाकाल.कॉम (महाकाल एस्ट्रोटेक (ओपीसी) प्रा. लि शामिल है।

शिवराज बोले-कई बार वोट लाऊ फैसले करने पड़ते हैं

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान भोपाल के निजी कॉलेज में आयोजित एक देश-एक चुनाव के संवाद कार्यक्रम में शामिल हुए। इस कार्यक्रम में शिवराज सिंह चौहान ने कहा- बार-बार चुनावों के कारण कई फैसले प्रभावित होते हैं। गवर्नेंस प्रभावित होती है, विकास रुक जाता है पैसे की बर्बादी होती है। कार्यक्रम में सांसद आलोक शर्मा, बीजेपी के प्रदेश महामंत्री और विधायक भगवानदास सबनानी, युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष वैभव पवार सहित स्टूडेंट्स मौजूद थे।

शिवराज ने कहा, अपने देश में और कुछ हो या न हो लेकिन सारे राजनैतिक दल पांचों साल, 12 महीने, हर सप्ताह, 24 घंटे एक ही तैयारी करते हैं वो है अगला चुनाव। उसी तैयारी में लगे रहते हैं। अब एक साल ही देख लो पिछले साल नवंबर-दिसंबर में मप्र, छत्तीसगढ़, राजस्थान के विधानसभा चुनाव हुए। विधानसभा चुनाव की थकान उतरी नहीं थी कि चार महीने बाद ही लोकसभा घोषित हो गया।

विधानसभा चुनाव में 6 महीने तो कुछ हुआ ही नहीं था। आचार संहिता, कोड ऑफ कंडक्ट के कारण विकास के काम ठप थे। वो चुनाव संपन्न हुए और चार महीने बाद फिर लोकसभा के चुनाव आ गए। फिर चार-छह महीने नहीं गुजरे फिर हरियाणा, जम्मू कश्मीर, झारखंड, महाराष्ट्र के चुनाव आ गए और नेता फिर चुनाव में भिड़ गए।

शिवराज ने कहा, अभी एक चुनाव निपटा नहीं कि दिल्ली का दंगल शुरू हो गया। दिल्ली के चुनाव खत्म नहीं हुए कि हम लोगों ने बिहार के लिए कमर कस ली। चलो बिहार। और कोई काम हो न हो, चौबीसों घंटे चुनाव की तैयारी। ये हमेशा होने वाले चुनाव देश की प्रगति और विकास में कितने बाधक हैं।

एक तो सभी की एनर्जी लगती है, जिसमें प्रधानमंत्री भी चुनाव की तैयारी में लगते हैं। एक भी विधानसभा चुनाव अगर हार गए तो मीडिया कहती है, पैरों के नीचे से जमीन खिसक गई है। गए काम से। सबको लगता है कि कमर कस के चुनाव जीतना है। गवर्नेंस पर ध्यान नहीं रह पाता।

शिवराज ने कहा, चुनाव में पीएम, सीएम सब लगे रहे। केन्द्रीय मंत्री मुझे बनाया गया कृषि और ग्रामीण विकास का और कहा गया झारखंड के चुनाव में जाओ । तीन महीने वहीं पड़े रहे। कृषि की तरफ ध्यान ही नहीं रहा। फोकस चुनाव पर हो गया। मेरे जैसे कितने लोग लगे रहे। ये केवल एक पार्टी में नहीं सभी पार्टियों के मंत्री, मुख्यमंत्री, विधायक सांसद लगे रहते हैं। अभी कहा अब सब बिहार जाओ, चार महीने सब छोड़ो। आप गंभीरता से सोचकर देखिए। बार-बार चुनाव से गवर्नेंस पर ध्यान नहीं रहता। पैसा अलग खर्च होता है। शिवराज ने कहा- अलग-अलग चुनाव क्यों होने चाहिए? हर चार-छह महीने में चुनाव हो रहे हैं। गवर्नेंस प्रभावित होती है। धन का अपव्यय होता है। असल में तो औपचारिक खर्चा दिखता है, पीछे से और कितना खर्चा होता है। चुनाव आयोग ने इस चुनाव में गाडियों से पैसे पकड़े थे। अकेले पैसा नहीं कई और चीजें पकड़ी जाती हैं। एक तरफ धन का अपव्यय होता है दूसरी तरफ सरकारें लॉन्ग टर्म प्लानिंग नहीं करतीं।

एक बार चुनाव कराने में साढ़े चार लाख करोड़ का खर्च आता है। शिक्षा और स्वास्थ्य पर यह खर्च हो तो कितना फायदा होगा।

केन्द्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा- प्रधानमंत्री मोदी ने कई बड़े और कड़े फैसले लिए हैं। लेकिन, कई बार चुनाव के डर में कई ऐसे फैसले नहीं हो पाते कि वोट बिगड़ गया और नुकसान हो गया तो वोट बचाओ। ऐसे कई फैसले प्रभावित होते है जो बच्चों के भविष्य को बेहतर बना सकते हैं प्रदेश का विकास कर सकते हैं।

देश को आगे बढ़ा सकते हैं। वोट के डर में फैसले प्रभावित होते हैं।

भोपाल में जैविक हस्तशिल्प मेला अनंत महोत्सव का आयोजन

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। भोपाल के गौहर महल में जैविक किसान एवं स्थानीय हस्तशिल्प बाजार अनंत मंडी के वार्षिक उत्सव का आयोजन किया गया है। अनंत महोत्सव का आयोजन तीन दिन तक है। इसकी शुरुआत 28 फरवरी दोपहर 12 बजे से रात 10 बजे तक होगी जो 2 मार्च तक चलेगी। गायक कविश सेठ इस कार्यक्रम में अपनी प्रस्तुती देंगे। अनंत मंडी वॉलिंटियर सौम्या जैन ने बताया कि अनंत मंडी एक जैविक किसान मंडी और एक हस्तशिल्प मंडी है। इसमें ऑर्गेनिक फार्मर्स, कम्युनिटी को बढ़ावा देना, हेल्थ और लाइफस्टाइल को प्रमोट किया जाता है।

अनंत महोत्सव कस्टमर को ऑर्गेनिक फार्मर्स और लोकल स्मॉल बिजनेस ऑनर से जोड़ने का एक प्लेटफार्म है। इस बार 60 से ज्यादा स्टॉल लगेंगे, जिसमें जैविक किसान सब्जियां, फल, अनाज, कच्ची घानी तेल, मसाले, महाराष्ट्र के अंबाड़ी से बने उत्पाद एवं अन्य जैविक उत्पाद भी उपलब्ध रहेंगे। हस्तशिल्प में हस्तनिर्मित आभूषण, सजावट के सामान, डायरियां, मेक्रम बैग, जरी-जरदोजी के बटुए एवं अन्य उत्पाद, रसायन मुक्त स्किन केयर, बुक स्टॉल भी आकर्षण का केंद्र रहेंगे। 28 फरवरी से 2 मार्च तक तीन दिन चलने वाले इस कार्यक्रम में पैनल डिस्कशन और कल्चरल परफॉर्मेंस भी होंगी। वहीं पॉटरी, मैक्रैम, हैंड ब्लॉक प्रिंटिंग, लिप्पन आर्ट, इको गुलाल, हस्तनिर्मित स्किन केयर, सब्जी बाग जैसे विषयों पर कार्यशालाएं होंगी।

हेल्थी लाइफस्टाइल फॉर यूथ, अहिंसक स्थानीय अर्थव्यवस्था जैसे विषयों पर एक्सपर्ट्स अपने विचार साझा करेंगे। वहीं ऑर्गेनिक फूड फेस्टिवल आकर्षण का केंद्र होगा, जिसमें कच्छ की दाबेली, मिलेट डोसा, दाल पकवान, फलाफेल हम्मस, ज्वार लिट्टी चौका, कोदो कटलेट, रागी शुगरफ्री केक जैसे स्वादिष्ट व्यंजन होंगे।

दिव्यांगजनों के लिये 7 और 8 मार्च को आयोजित होगी सुगम्य यात्रा

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। दिव्यांगजनों को सार्वजनिक स्थानों, शासकीय कार्यालयों, मॉल और सिनेमाघरों में उनकी सुविधानुसार किस तरह का सुगम्य वातावरण होना चाहिए। प्रदेश के प्रत्येक जिले में 7 और 8 मार्च 2025 को जिला कलेक्टर्स के सहयोग से दिव्यांगजन की सुगम्य यात्रा का आयोजन किया जायेगा। प्रत्येक जिले में चुनिंदा दिव्यांगजन को शासन व्यवस्था के अनुसार वाहन उपलब्ध कराकर सार्वजनिक स्थलों का भ्रमण कराया जाएगा। प्रमुख सचिव, सामाजिक न्याय एवं आयुक्त निःशक्तजन श्रीमती सोनाली वायंगणकर ने बताया कि सरकार के सामाजिक न्याय अधिकारिता मंत्रालय के निर्देशानुसार दिव्यांगजनों को सुगम्य वातावरण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से प्रत्येक जिले में सुगम्य यात्रा निकाली जाएगी। इसमें दिव्यांगजन को सरकारी भवनों, कलेक्ट्रेट, तहसील, नगर पालिका, नगर निगम सहित अन्य शासकीय कार्यालयों, सिनेमा घरों, आम पर्यटन स्थलों, पुस्तकालयों, बाजारों सहित अन्य महत्वपूर्ण सार्वजनिक स्थलों पर दिव्यांगजन उपलब्ध साधन सुविधाओं की जमीन हकीकत को देखेंगे। स्थानों के भ्रमण के बाद दिव्यांगजनों द्वारा दी गई सलाह, सूचनाओं का संकलन किया जायेगा, जिनका उपयोग भारत सरकार द्वारा भविष्य में बनाई जाने वाली शहरी विकास नीतियों, डिजाइनिंग एवं विकासात्मक रणनीतियों में शामिल किया जायेगा, जो भविष्य में इस वर्ग के लिये अनुकूल वातावरण निर्माण में सहायक होगी। यात्रा के फोटो यस टू एक्सेस ऐप पर अपलोड कर सकेंगे।

जीआईएस में मिलेट्स रेस्टोरेंट खोलने का प्रस्ताव

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। भोपाल के इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय में हुई दो दिवसीय ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में देश-विदेश के उद्योगपतियों ने सरकार के तमाम विभागों के साथ एमओयू किए। वहीं, दूसरी तरफ जीआईएस में शामिल होने आए डेलीगेट्स ने आयुष विभाग द्वारा लगाए गए स्टॉल पर मिलेट्स से बने आयुर्वेद आहार का स्वाद लिया। इस स्टॉल पर आए डेलीगेट्स ने भोपाल, इंदौर जैसे बड़े शहरों में मिलेट्स रेस्टोरेंट खोलने का सुझाव दिया है। आयुष विभाग के अधिकारियों ने बताया कि जीआईएस में लगे स्टॉल पर बड़ी संख्या में देशी-विदेशी मेहमान पहुंचे। मेहमानों ने मिलेट्स से बना केक, कुकीज, खीर, कोदो की खिचड़ी जैसे आयटम टेस्ट किए। लोगों ने ये सुझाव दिया

है कि भोपाल में लोगों को मोटापे और बीमारियों से बचाने वाले मोटे अनाज से बनी डिशेज का आनंद लेने के लिए वेल्दी रेस्ट्रो शुरू किया जाए। भोपाल के पंडित खुशीलाल शर्मा आयुर्वेदिक कॉलेज के आसपास ये रेस्टोरेंट शुरू करने के लिए विभागीय अफसरों से चर्चा की जाएगी। भोपाल के पंडित खुशीलाल शर्मा आयुर्वेदिक कॉलेज के स्वस्थ व्रत विभाग की प्रोफेसर डॉ.चारु बंसल ने बताया - आज के समय में जो लाइफ स्टाइल डिजीज हो रहे हैं, जैसे भारत में हर पांचवां व्यक्ति डायबिटीज से पीड़ित है। हार्ट डिजीज नंबर वन कॉज ऑफ डेथ है।

ओबेसिटी सबसे ज्यादा रिस्क फैक्टर है। इंडिया में ये एक एपिडेमिक की तरह हो रहा है। हमारा आहार बहुत महत्वपूर्ण है, जौ हमारे यहां क्लासिक्स में बताया गया है कि इसे डाइट में शामिल होना ही चाहिए। उसकी अलग-अलग रेसिपीज हैं कि उसे कैसे बनाकर खा सकते हैं।

डॉ चारू बंसल ने कहा- जीआईएस में स्टॉल पर हमने प्रोसो, ब्रियान मिलेट, जौ, कोदो, रागी की सहायता से डिशेज बनाई हैं। क्योंकि मिलेट्स का नाम सुनते ही लोग सोचते हैं इसे कैसे बनाएंगे और खाने में कैसा होगा? इसी मिथक को हमने तोड़ा है। लोगों ने मिलेट्स से बने डिशेज खाए और कहा कि इतने टेस्टी फूड अलग-अलग रूप से बन सकते हैं। हम इसे आसानी से बना सकते हैं।

जैसे हम घर में चावल बनाते हैं, मिलेट्स में थोड़ा ज्यादा समय तक भिगोकर रखना है। तीन से चार घंटे कम से कम उसे पानी में सोक करके रखें और फिर उसे आसानी से कढ़ाही, कुकर में बना सकते हैं।

प्रदेश के शहरी क्षेत्रों में जरूरतमंदों को रियायती दर पर मिलेगी भोजन की सुविधा

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। प्रदेश के नगरीय क्षेत्रों में व्यवसाय और श्रम कार्य के लिये ग्रामीण क्षेत्रों से आने वाले गरीब परिवारों को नगरीय एवं आवास विभाग द्वारा रियायती दर मात्र 5 रुपये में थाली उपलब्ध करायी जा रही है। प्रदेश में संचालित दीनदयाल रसोई योजना का 3 चरणों में विस्तार किया गया है। योजना में अब तक 4 करोड़ से अधिक भोजन थाली जरूरतमंदों को उपलब्ध कराई जा चुकी है।

वर्तमान में 124 नगरीय निकायों में 191 रसोई केन्द्र संचालित हो रहे हैं। इनमें 166 स्थायी और 25 चलित रसोई केन्द्रों से शहरी जरूरतमंदों को भोजन थाली उपलब्ध कराई जा रही है। प्रदेश के 16 नगर निगमों में 58 स्थायी रसोई केन्द्र, 99 नगरपालिका परिषद में 99 स्थायी रसोई केन्द्र और 9 नगर परिषदों में 9 स्थायी रसोई केन्द्र संचालित हो रहे हैं। प्रदेश में संचालित 25 चलित रसोई केन्द्र में से 16 नगर निगमों में 23 चलित रसोई केन्द्र और 2 नगरपालिका परिषद में 2 चलित रसोई केन्द्र संचालित हो रहे हैं। नगरीय निकायों में चलित रसोई केन्द्र की सुविधा इसलिये प्रारंभ की गई है कि जरूरतमंदों को उनके श्रम स्थान पर पहुंचकर ही भोजन थाली उपलब्ध कराई जा सके।

नगरीय विकास एवं आवास विभाग द्वारा रसोई योजना संचालित करने वाली संस्था को विभाग द्वारा प्रति थाली 10 रुपये अनुदान राशि उपलब्ध करायी जा रही है। रसोई योजना का संचालन प्रतिदिन प्रातः 10 बजे से दोपहर 3 बजे तक रसोई केन्द्र में स्वच्छता के साथ किये जाने की व्यवस्था की गयी है। व्यवस्था की निगरानी की जिम्मेदारी नगरीय निकायों के अमले को सौंपी गयी है। शहरी क्षेत्र में 25 चलित रसोई केन्द्रों के लिये सुसज्जित वाहन विभाग द्वारा नगरीय निकायों को दिये गये हैं।

शराब दुकानों के लिए लॉटरी का आखिरी दिन

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। भोपाल में 16 समूहों की कुल 38 शराब दुकानों के नए ठेकों के लिए लॉटरी का आज आखिरी दिन है। दोपहर तक लॉटरी के आवेदन जमा होंगे। इसके बाद लॉटरी की प्रक्रिया शुरू होगी। सरकार ने इन दुकानों से 466 करोड़ रेवेन्यू (रिजर्व प्राइस) का टारगेट रखा है, जो मौजूदा वित्तीय वर्ष के ठेकों से 20त्न ज्यादा है। लॉटरी और नवीनीकरण के बाद शेष दुकानों के लिए टेंडर प्रक्रिया शुक्रवार से शुरू होगी। भोपाल जिले में 35 समूहों की 87 शराब दुकानें हैं। पहले चरण में 19 समूहों की 49 दुकानों का नवीनीकरण हो चुका है। मौजूदा दर से 20त्न ज्यादा पर नवीनीकरण कराने से 607 करोड़ का राजस्व मिला है। सरकार ने सभी 87 दुकानों से 1 हजार 73 करोड़ राजस्व का लक्ष्य रखा है। वित्तीय वर्ष 2024-25 में जिले की शराब

दुकानों के ठेके 894.77 करोड़ में गए थे। आबकारी कंट्रोलर एचएस गोयल ने बताया, नवीनीकरण के बाद शेष 16 समूहों की 38 शराब दुकानों के ठेके के लिए लॉटरी प्रक्रिया होगी। इसके तत्काल बाद लॉटरी खोली जाएगी। शेष दुकानों के लिए शुक्रवार से टेंडर की प्रक्रिया प्रस्तावित है। नवीनीकरण और लॉटरी प्रक्रिया में कुल रिजर्व प्राइस में से 80 प्रतिशत के ठेके जाना अनिवार्य है।

नवीनीकरण में कुल रिजर्व प्राइस 1073 करोड़ में से 607 करोड़ (56.57 प्रतिशत) के ठेके जा चुके हैं।

अब 466 करोड़ के राजस्व (43.43 प्रतिशत) के ठेकों के लिए गुरुवार को लॉटरी होगी। इसमें 251.40 करोड़ के ठेके जाना अनिवार्य है। लॉटरी और नवीनीकरण की प्रक्रिया मिलाकर 858 करोड़ (607+ 251.40) के ठेके हो जाते हैं तो बचे हुए 20 प्रतिशत राजस्व के लिए शेष दुकानों के ठेकों की टेंडर प्रकिया शुक्रवार से शुरू होगी। यदि लॉटरी प्रक्रिया में 251.40 करोड़ की दुकानें नहीं बिकती हैं तो नवीनीकरण और लॉटरी की पूरी प्रक्रिया निरस्त कर दी जाएगी और सभी दुकानों के ठेकों के लिए टेंडर जारी होंगे।

मौजूदा वित्तीय वर्ष 2024-25 में जिले के 35 समूहों की 87 शराब दुकानों की नीलामी से आबकारी विभाग को 894.77 करोड़ रुपए का राजस्व मिला था, जबकि सरकार ने इन दुकानों की रिजर्व प्राइस 916.93 करोड़ निर्धारित की थी।

जो राजस्व मिला था, वह रिजर्व प्राइस से 2.42 प्रतिशत कम था। हालांकि वित्तीय वर्ष 2023-24 की तुलना में यह राजस्व 12.22 प्रतिशत ज्यादा था।

एक महीने में 250 किलो शहद का उत्पादन, तुलसी, अजवायन, सरसों समेत 10 फ्लेवर में तैयार होता है प्रीमियम क्वालिटी का शहद

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मध्यप्रदेश में तोसन कुमार, श्रुति धाकड़ और जबलपुर के पंकज पटेल ने 5 लाख रुपए खर्च करके 2 साल पहले शहद का स्टार्टअप शुरू किया। वे एक-दो नहीं, पूरे 10 फ्लेवर में शहद बनाते हैं। यह पूरी तरह नेचुरल होता है। उन्होंने भोपाल में हुई ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट (त्नङ्कस्) में प्रजेंटेशन भी दिखाया। अब दुबई में शहद का एक्सपोर्ट करेंगे। खास बात ये है कि मधुमक्खी पालन के लिए वे किराये पर जमीन लेते हैं। 24 साल के तोसन आईआईटी में मास्टर डिग्री कर रहे हैं जबकि 25 साल की श्रुति एमएसडब्ल्यू कर चुकी हैं। दोनों ही भोपाल से हैं और बुआ-मामा के बेटा-बेटी हैं। वहीं, 38 साल के पंकज जबलपुर के पास गोटेगांव के रहने वाले हैं। तीनों ही आपस में रिश्तेदार हैं। करीब दो साल पहले उन्हें शहद के बिजनेस का आइडिया आया। इसके बाद उन्होंने कंपनी बनाई और अलग-अलग फ्लेवर का शहद बनाकर सप्लाई कर रहे हैं। श्रुति ने बताया- एक महीने में करीब 250 किलो शहद का उत्पादन हो रहा है। तुलसी, अजवायन, सरसों, मल्टी फ्लोरा, धनिया जैसे 10 फ्लेवर हैं। तोसन ने बताया- हम वैज्ञानिक तरीके से मधुमक्खी पालन करते हैं। फसल के हिसाब से बी बॉक्स लगाते हैं। बी बॉक्स मधुमक्खी पालन के लिए इस्तेमाल होने वाला बॉक्स होता है। दो साल पहले 200 बी बॉक्स लेकर आए थे और ग्वालियर से शुरुआत की थी। छत्ते से शहद के अलावा वैक्स और जैली भी निकलती है लेकिन किसान निकाल नहीं पाते हैं क्योंकि ट्रेनिंग और मार्केट नहीं है। हमने पहले ट्रेनिंग ली और पूरी तकनीक जानी। मैं आईआईटी मुंबई में पढ़ाई कर रहा हूं। यहां पर रिसर्च भी करते हैं इसलिए हनी का बिजनेस शुरू किया है। फिलहाल प्रीमियम क्वालिटी का हनी निकाल रहे हैं। हालांकि, अभी ज्यादा मुनाफा नहीं कमाया है। जमीन के रेंट, मजदूरी और सप्लाई सिस्टम में ज्यादा खर्च हो रहा है। श्रुति ने बताया- बिजनेस की शुरुआत के बाद खुद की कंपनी बनाई ताकि ऑनलाइन बिक्री भी की जा सके। कंपनी को नाम दिया श्रुपनील। इसी ब्रांड से अब ऑनलाइन सप्लाई कर रहे हैं। टीम में पूजा पटेल, नरेंद्र धाकड़, राहुल पटेल, नीलू धाकड़ भी शामिल हैं। फिलहाल, मुरैना में 3 एकड़ जमीन पर मधुमक्खी पालन कर रहे हैं। यहां पर सरसों की अच्छी फसल रही है। अब यह बिजनेस गुना में शिफ्ट करेंगे। टीम के फाउंडर और मेंबर हर रोज मॉनिटरिंग करते हैं। भोपाल में ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के दौरान 25 फरवरी को श्रुति और टीम ने मध्यप्रदेश सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विभाग (स्वस्थ) को प्रजेंटेशन भी दिया। श्रुति ने बताया- पूरा फोकस एक्सपोर्ट पर है। अधिकारियों से डॉक्युमेंट्स, शहद की क्वालिटी आदि को लेकर चर्चा की है। उम्मीद है कि सरकार बड़ा प्लेटफार्म देगी और एक्सपोर्ट में मदद करेगी। शहद बनने की प्रोसेस कई स्टेज में होती है। मधुमक्खियां सबसे पहले फूलों से नेक्टर यानी रस इकट्ठा करती हैं। एक मधुमक्खी कम से कम 150 पौधों से नेक्टर कलेक्ट करती है। इसके बाद उसे अपने पेट में स्टोर करती है। इसे हनी स्टमक कहते हैं। जब स्टमक भर जाता है तो मधुमक्खी उसे बॉक्स में आकर उगल देती है। अब इस नेक्टर को दूसरी मधुमक्खी यानी वर्कर बी अपने स्टमक में स्टोर करती है और उसे कई मॉलिक्यूल्स में ब्रेक करती है।

12 साल छोटे प्रेमी ने की विधवा की हत्या

कोरबा के एसईसीएल कॉलोनी में बच्चों के साथ रहती थी, 2 साल से था अवैध संबंध

मीडिया ऑडीटर, कोरबा (एजेंसी)। कोरबा में विधवा महिला की कुल्हाड़ी मारकर हत्या कर दी गई हैं। मृतका सीमा पटेल (42 साल) ओमपुर स्थित स्वष्टरुके विभागीय कॉलोनी में रहती थी। 12 साल छोटे प्रेमी को इस मामले में आरोपी बनाया गया है। बुधवार रात खून से लथपथ हालत में महिला के बच्चे उसे अस्पताल लेकर पहुंचे थे।

मामला रजगामार चौकी का है। पति की मौत हो के बाद सीमा का अफेयर 2 साल से एक युवक गुमा उरांव (29 साल) के साथ चल रहा था। खाना खाने के बाद दोनों के बीच किसी बात पर विवाद हुआ और गुमा ने उसकी हत्या कर दी।

दोनों के बीच अवैध संबंध: जानकारी के मुताबिक, महिला स्वष्टरुकॉलोनी के मकान नंबर एम-763 में रहती थी और आरोपी गुमा प्रगति नगर का रहने वाला था। पति की मृत्यु के बाद से गुमा का सीमा के घर पर आना-जाना था और दोनों के बीच अवैध संबंध थे।

कब्जे के मकान में रहती थी महिला: पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, सीमा के पति की मौत 2 साल पहले किसी बीमारी से हुई थी। उसका पति प्राइवेट जॉब में काम करता था। दोनों ने एसईसीएल कॉलोनी के मकान में कब्जा जमा रखा था। पति की मौत के बाद भी महिला अपने बच्चों के साथ उसी घर में रहती थी।

घटना के बाद अस्पताल लेकर गए बच्चे: सीमा पटेल के दो बच्चे 18 साल की बेटी और 16 साल का लड़का है। उनके बच्चों को भी अपनी मां के अवैध संबंध के बारे में पता था। घटना की रात तीनों अलग-अलग कमरे में सोए हुए थे। बेटी को जानकारी थी कि गुमा उरांव घर आया हुआ है। बेटी को एहसास हुआ तो रात ढाई बजे मां के कमरे में गई जहां वह खून से लतपथ हालत में पड़ी मिली। दोनों बच्चे उसे हॉस्पिटल लेकर गए लेकिन तब तक उसकी मौत हो गई थी।

आरोपी गिरफ्तार, जांच में जुटी पुलिस: सीएसईपी भूषण एक्का ने बताया कि, वारदात के बाद आरोपी फरार चल रहा था जिसे गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस टीम ने मामले की जांच शुरू कर दी। जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

अनुविभागीय दण्डाधिकारी की अध्यक्षता में नगर निगम के कमिश्नर कक्ष में नगर निगम, एसईसीएल व पीडब्ल्यूडी के अधिकारियों के साथ हुई संयुक्त बैठक

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। छत्तीसगढ़ सरकार के उपमुख्यमंत्री नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री अरुण साव के निर्देशानुसार नगर पालिक निगम चिरमिरी के महापौर रामनरेश राय के मार्गदर्शन में बीते दिनों नगर पालिक निगम के कमिश्नर कक्ष में अनुविभागीय दण्डाधिकारी राजस्व बिजेंद्र सिंह सारथी की अध्यक्षता में आयुक्त नगर निगम चिरमिरी रामप्रसाद आचला की उपस्थिति में नगर निगम, एसईसीएल व पीडब्ल्यूडी के अधिकारियों के साथ संयुक्त बैठक रखी गई।

उक्त बैठक में चिरमिरी में पेयजल आपूर्ति सहित कई बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा हुई, जिसमें सर्वप्रथम आने वाले गर्मी के मौसम को देखते हुए शहर में जल की आपूर्ति पर एसईसीएल के अफसरों के साथ मंथन हुआ। जिसमें आगामी 20 मार्च से 30 जून तक भीषण गर्मी को देखते हुए एसईसीएल से पानी टैंकर प्रदाय कराये जाने हेतु मांग किया गया, जिसमें एसईसीएल प्रबंधक द्वारा 16 नग पेयजल आपूर्ति हेतु टैंकर प्रदाय कराये जाने की सहमति दी, इसी प्रकार बरतुंगा, गेल्हापानी, डोमनहिल, कोरिया कॉलरी, बड़ाबाजार सहित हल्दीबाड़ी में 03 फेस लाईट उपलब्ध कराये जाने हेतु एसईसीएल से मांग किया गया, जिसमें प्रबंधक के द्वारा पूर्ण सहमति प्रदान की गई, उक्त लाईट के लग जाने से बेलिंग व फटका मशीन शहर में चालू हो सकेगा जिससे डोर टू डोर कचरा कलेक्शन को व्यवस्थित किया जा सकेगा।

इसी प्रकार स्वच्छता सर्वेक्षण ओडीएफ प्लस-प्लस 2024 को ध्यान में रखते हुए एसईसीएल प्रबंधक ने भी वॉल रायटिंग एसईसीएल के आवासीय कॉलोनियों में कराये जाने हेतु सहयोग प्रदान करने पर सहमति प्रदान की, वहीं गंदे नाले एवं घरों से निकला हुआ पानी को फिल्टर करने एस.टी.पी. के निर्माण के जमीन उपलब्ध कराने हेतु डिमांड पत्र भेजकर सहमति प्रदान करने की बात एसईसीएल प्रबंधक ने की। इसी प्रकार एसईसीएल के पोड़ी, कोरिया कॉलरी, डोमनहिल सहित अन्य स्थानों में एसईसीएल द्वारा साफ-सफाई हेतु निविदा जारी कर शेष स्थानों में सफाई कार्य जल्द कराये जाने हेतु सहमति प्रदान करने की बात कहीं।

बैठक के दौरान नगर पालिक निगम के सहायक अभियंता विजय बधावन, स्वच्छता अधिकारी उमेश तिवारी, जिला समन्वयक (पीआईयु) प्रवीण सिंह, संत कुमार राणा, एसईसीएल के डिप्टी जीएम, इंजीनियर संजय सिंह व अन्य अधिकारीगण मौजूद रहे।

चिरमिरी नगर निगम में स्वच्छता सर्वेक्षण 2024 फीडबैक के लिए स्वच्छता अधिकारी ने स्वच्छता सुपरवाईजरों की ली बैठक

एमसीबी/27 फरवरी 2025/ छत्तीसगढ़ सरकार के उपमुख्यमंत्री नगरीय प्रशासन व विकास मंत्री अरूण साव के निर्देशानुसार, नगर पालिक निगम के महापौर राम नरेश राय व आयुक्त रामप्रसाद आचला के मार्गदर्शन में मंगलवार को नगर पालिक निगम चिरमिरी के सभागार में स्वच्छता अधिकारी उमेश तिवारी ने स्वच्छता सुपरवाईजरों के साथ स्वच्छता सर्वेक्षण 2024 ओडीएफ प्लस-प्लस के तहत नगर के नागरिकों का फिडबैक अधिक से अधिक कराये जाने हेतु एक बैठक ली गई।स्वच्छता अधिकारी के द्वारा स्वच्छता सर्वेक्षण के संबंध में जानकारी देते हुए बताया गया कि स्वच्छता सर्वेक्षण फिडबैक सभी नागरिको का कराया जाना आवश्यक होगा। इसके लिए सभी स्वच्छता सुपरवाईजरो को फिडबैक के साथ स्वच्छता डोर टू डोर, तालाब, नाले की साफ-सफाई, सभी सुपरवाईजरों के द्वारा लॉकबुक समय सीमा के भीतर पूरा करके देने, आवश्यक दस्तावेज एवं पब्लिक से फिडबैक अधिक से अधिक लेने हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिये।

पत्नी को तलाक देकर जीजा ने साली से की शादी

ट्रिपल तलाक पीड़िता बोली-छोटी बहन को भगाकर ले गया, मुझे ससुरालवालों ने घर से निकाला

मीडिया ऑडीटर, धमतरी (एजेंसी)। "मेरी शादी को 20 साल हो गए हैं, लेकिन मेरे पति ने तलाक...तलाक...तलाक बोलकर अपनी साली से निकाह कर लिया। 3-4 साल से उनका अफेयर चल रहा था। उनको मैंने बहुत समझाया, लेकिन वह नहीं माने। मेरी बहन को भगाकर ले गए और शादी कर घर लौटे। अब मुझसे मारपीट करते हैं।"

ये बातें धमतरी जिले के कुरूद की रहने वाली आरिफा खातून ने बताई है। आरिफा खातून अपने भाई के साथ कोतवाली थाने पहुंची थी। यहां आरिफा ने अपने पति अशरफ अली और सास-ससुर के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है।

ये है पूरा मामला: दरअसल, आरिफा खातून के पति अशरफ ने जनवरी 2025 में अपनी साली आइशा खातून से लव मैरिज कर ली। इससे आरिफा खातून के पति अशरफ के बीच विवाद होने लगा। इनके विवाद को लेकर कई बार सामाजिक बैठकें हुईं, लेकिन समस्या का समाधान नहीं निकल पाया।

पीड़िता ने थाने में बताया कि तीन तलाक देकर पति ने छोड़ा है। उसने समाज में बैठक बुलाकर न्याय की मांग को तो अशरफ ने कई बार उसे धमकी दी। अशरफ का कहना था कि समाज में बैठक बुलाकर मामले को तूल न दिया जाए।

तीन तलाक बोलकर छोड़ दिया मेरे को: आरिफा खातून ने बताया कि 6 फरवरी, 15 और 16 तारीख को तीन तलाक बोलकर मुझे छोड़ दिया। समाज और संगठन की बात भी पति ने नहीं मानी। अब मैं अपने भाई के साथ थाने पहुंची हूं। दोनों के खिलाफ प्रताड़ना और तीन तलाक के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई हूं। मुझे इंसाफ चाहिए।

पुलिस ने अशरफ अली के खिलाफ मुस्लिम महिला विवाह संरक्षण अधिनियम 2019 की धारा 4 के तहत अपराध कायम किया है। कोतवाली पुलिस ने एफआईआर के बाद मामला कुरूद थाने को ट्रांसफर कर दिया है।

आइशा खातून ने अपनी बड़ी बहन के खिलाफ दर्ज कराई एफआईआर वहीं आइशा खातून ने अपनी बड़ी बहन आरिफा खातून के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है। आइशा खातून ने कहा कि आरिफा खातून ने जान से मारने की धमकी दी हैं। झूमाझटकी कर मारपीट की हैं। मारपीट से चोट आई है। पुलिस ने धारा 296, 115 (2), 351(2),3(5) बीएस के तहत केस दर्ज किया है।

पुलिस मामले की जांच कर रही: वहीं मामले में कुरुद थाने के एएसआई सुरेश नंद ने बताया कि महिला की शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर लिया गया है। दोनों पक्षों ने एक दूसरे के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है। मामले की जांच की जा रही है। जांच के बाद ही कार्रवाई होगी।

त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव 2025 की गणना पर्ची में त्रुटि सुधार को लेकर स्पष्टीकरण जारी

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जिला निर्वाचन अधिकारी के निर्देशानुसार त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव 2025 में टुकेश्वर पटेल, शिक्षक (मा.शा.सेजेस चिरमिरी) पीठासीन अधिकारी, सुनील कुमार यादव, शिक्षक (मा.शा. डोमनहिल) मतदान अधिकारी क्रमांक 01, अजय यादव, शिक्षक (मा.शा. गेल्हापानी) मतदान अधिकारी क्रमांक 02 तथा अरविंद्र कुमार सिंह, आर.एच.ओ. (पुरुष), चिकित्सा अधिकारी (खड़गवां) मतदान अधिकारी क्रमांक 03 के रूप में नियुक्त थे। इनकी ड्यूटी मतदान केंद्र क्रमांक 137, प्राथमिक शाला ओहनिया में लगाई गई थी।

इन अधिकारियों द्वारा तैयार मतगणना पर्ची (परिशिष्ट 28) में त्रुटिवश प्रत्याशी जगत बहादुर सिंह द्वारा प्राप्त 17 मत जयकरण सिंह के स्थान पर अंकित हो गए, जबकि जयकरण सिंह द्वारा प्राप्त 62 मत जगत बहादुर सिंह के नाम दर्ज हो गए। अभ्यर्थियों को यह गणना पर्ची दी जा चुकी थी, जिनके द्वारा इसे रफ टाइप की पर्ची बताया गया। अभ्यर्थियों ने कहा कि यह पर्ची स्वीकार है और केवल संबंधित स्थान पर से चिन्हांकित कर दिया जाए। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि उन्हें अन्य केंद्रों से भी गणना पर्ची लेनी है। मतदान दलों द्वारा इस संबंध में प्रतिवेदन तैयार कर रिटर्निंग अधिकारी (पंचायत), भरतपुर को जमा किया गया।

साप्ताहिक समय सीमा की बैठक सम्पन्न

कलेक्टर ने विकास कार्यों में तेजी लाने के लिए दिए निर्देश

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। कलेक्टर डी. राहुल वेंकट की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में साप्ताहिक समय-सीमा की बैठक आयोजित की गई। बैठक में उन्होंने नगरीय निकाय और त्रिस्तरीय पंचायत चुनावों को सफलतापूर्वक संपन्न कराने के लिए सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को धन्यवाद दिया। साथ ही, चुनाव के दौरान भरतपुर विकासखंड के दुर्गम इलाकों की स्थिति पर चर्चा की, जहां सड़क, बिजली, चिकित्सा सुविधाएं, मोबाइल नेटवर्क और पेयजल की व्यवस्था नहीं है। इन क्षेत्रों के लिए प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए गए।

कलेक्टर ने निर्वाचन कार्य के दौरान शराब सेवन कर ड्यूटी पर आने वाले अधिकारियों को निलंबित करने की जानकारी दी और सभी विभागों को सख्त निर्देश दिए कि भविष्य में यदि कोई अधिकारी-कर्मचारी नशे की हालत में कार्यस्थल पर पाया जाए तो तत्काल कार्रवाई की जाए। उन्होंने मतदान केंद्रों के सही नियोजन पर भी जोर दिया, ताकि एक ही स्कूल में दो मतदान केंद्र न बनाए जाएं। इसके लिए अलग-अलग गेट और बाउंड्रीवाल सुनिश्चित करने को कहा गया। बैठक में पीडब्ल्यूडी के टेंडर, शासकीय आवास आवंटन, मेडिकल कॉलेज, शासकीय कार्यालयों के वॉशरूम, खड़गवां मीटिंग हॉल और जनकपुर में सड़क निर्माण संबंधी प्रस्तावों की जानकारी देने के निर्देश दिए गए। एकलव्य विद्यालय में कक्षा 6वीं में प्रवेश परीक्षा के लिए मनेंद्रगढ़, बेलबहरा और भरतपुर में परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। वहीं विधायक मद से संचालित कार्यों के टेंडर जारी करने, एसईसीएल की भूमि आवंटन प्रक्रिया, खड़गवां और भरतपुर में सीसी रोड व नाली निर्माण के लिए आवश्यक निर्देश दिए गए।

इसके साथ ही राजस्व मामलों की समीक्षा करते हुए, कलेक्टर ने विवादित और अविवादित नामांतरण, सीमांकन, खाता विभाजन, समय-सीमा के प्रकरणों को शीघ्र निराकृत करने पर जोर दिया। वहीं सिरौली हनुमान मंदिर को ट्रस्ट के माध्यम से संचालित करने की बात कही गई। बरतुंगा निर्माण कार्य के लिए अतिरिक्त बजट का मूल्यांकन करने के निर्देश दिए गए। इसके अलावा पेयजल समस्या और जन चौपाल में प्राप्त आवेदनों के निराकरण, धान खरीदी केंद्रों की समीक्षा, कैंटीन आवास में बिजली और पेयजल सुविधा सुनिश्चित करने के लिए निर्देश दिए गए। अप्रैल में प्रस्तावित आर्थिक गणना के लिए अधिकारी-कर्मचारियों की ड्यूटी लगाने, जन्म प्रमाण पत्र और शून्य से 5 वर्ष तक के बच्चों के सर्वेक्षण की प्रक्रिया को तेज करने के निर्देश दिए गए। जेम पोर्टल की ट्रेनिंग कराने, एनएच पर अवैध कब्जा, हाउसिंग बोर्ड की पुरानी इमारतों को तोड़ने और नए भवनों के निर्माण कार्य शीघ्र पूरा करने पर जोर दिया गया।

जमीन विवाद में रिश्तेदारों ने जलाया घर

2 घंटे की मशक्कत के बाद बुझी आग, दूसरों के यहां बर्तन धोकर गुजारा करता था परिवार

मीडिया ऑडीटर, बालोद (एजेंसी)। बालोद जिले के दल्लीराजहरा में एक महिला के घर पर उसके ही रिश्तेदारों ने आग लगा दी। करीब दो घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। घटना में घर में रखा सारा सामान जलकर राख हो गया। मामला राजहरा थाना क्षेत्र का है। पुलिस के मुताबिक, ममता भुआर्य का उनके बुआ के बेटों से जमीन को लेकर विवाद चल रहा था। बुधवार को महिला थाने में रिपोर्ट लिखवाने गई था तभी उन लोगों ने ही पेट्रोल डालकर घर को आग के हवाले कर दिया। पीड़िता ने बताया कि इस घटना के बाद आरोपी खुलेआम कह रहे थे कि जो करना है कर लो। वहीं ममता ने कहा कि वे लोग बहुत गरीबी में जी रहे थे। उनकी मां दूसरों के घरों में बर्तन मांजकर किसी तरह घर चलाती हैं।

पेट्रोल डाल जलाया घर: पीड़ित महिला ममता भुआर्य गुरु घासीदास वार्ड क्रमांक 27 की रहने है। थाने में शिकायत कर जब ममता और उनका परिवार शाम 4 बजे घर पहुंचा, तो चारों तरफ धुआं भरा था और अंदर रखा सारा सामान जलकर राख हो चुका था।

किश्तों पर खरीदा सामान भी जलकर राख: ममता ने बताया कि आग से लाखों का नुकसान हुआ है। उन्होंने टीवी, कूलर और अलमारी किस्तों में खरीदे थे, जिनकी किश्तें अभी बाकी थीं। लेकिन अब सब जल चुका है। घर में रखा टीवी, कूलर, अलमारी, सोफा सेट, पलंग, सिलाई मशीन, बिजली के उपकरण और मजदूरी के लिए रखे 20 हजार रुपए भी खाक हो गए। जिससे करीब 1.20 लाख रुपए का नुकसान हुआ है।

दो आरोपी पकड़े गए: पुलिस ने इस मामले में पीड़िता ममता के बुआ के बेटे भूतेश बाघ और मनीष बाघ को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया। जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया।

60 म्यूल खातों से 3 करोड़ का ट्रांजेक्शन

25,000 से 1 लाख लेकर अकाउंट, सिम कार्ड की डील, बिलासपुर में 97 लाख कराया होल्ड

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में साइबर ठगों के बड़े नेटवर्क में शामिल आरोपियों को पुलिस ने पकड़ा है। ये आरोपी साइबर ठगों के लिए म्यूल बैंक अकाउंट उपलब्ध कराते थे। इसके साथ ही साइबर ठगों को मोबाइल सिम भी उपलब्ध कराते थे। इनके ऐसे 60 बैंक अकाउंट की पहचान की गई है, जिसमें 3 करोड़ से अधिक का ट्रांजेक्शन हुआ है। पुलिस ने जांच के बाद बैंक कर्मी, कारोबारी सहित 19 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। साथ ही उनके खातों में जमा 97 लाख रुपए को होल्ड कराया। बैंक खाता और सिम कार्ड उपलब्ध कराने के लिए साइबर ठग उन्हें 25 हजार रुपए से 1 लाख रुपए तक कमीशन देते थे। ऑनलाइन लोन, केवाइसी अपडेट, नौकरी, शेयर ट्रेडिंग का झांसा देकर और सेक्सटॉर्शन के जरिए लोगों से ठगी हुई। नेटवर्क दिल्ली, अलवर तक फैला था।

केस वन:- रेंज साइबर पुलिस ने 48 लाख 42 हजार रुपए की ऑनलाइन ठगी करने वाले गिरोह के सरगना समेत 3 आरोपियों को दिल्ली से गिरफ्तार किया। गिरोह के सदस्य लैप्स बीमा पॉलिसी और निवेश में फंसे पैसे दिलाने के बहाने अपना शिकार बनाकर ऑनलाइन पैसे ट्रांसफर कराते थे। सारंगढ़ के सुभाष चंद्र (62) ने रेंज साइबर थाने में धोखाधड़ी की शिकायत की। उनके मोबाइल पर अनजान नंबर से कॉल कर इंश्योरेंस पॉलिसी का पैसा वापस दिलाने का झांसा दिया। इस दौरान अलग-अलग फॉर्मेलिटी कराने के साथ ही अनापत्ति प्रमाणपत्र के नाम पर 48 लाख 42 हजार रुपए ऑनलाइन ट्रांसफर कराए। जिस पर केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू की और तकनीकी जांच के बाद आरोपियों तक पहुंच गई।

केस टू:- साइबर रेंज ने ठगी का खुलासा करते हुए गिरोह के मास्टरमाइंड को पकड़ा है। मास्टरमाइंड चिराग ठाकोर को गुजरात से गिरफ्तार किया है। गिरोह के सदस्यों ने शेयर ट्रेडिंग के बहाने रायगढ़ जिले के व्यापारी से 42 लाख रुपए की ठगी की थी। धरमजयगढ़ निवासी आनंद अग्रवाल (45) को स्टॉक एक्सचेंज में शेयर खरीदने पर 3 करोड़ 48 लाख रुपए कमाने का झांसा दिया गया था।

केस थ्री:- बिलासपुर में रिटायर्ड तहसीलदार का न्यूड वीडियो वायरल करने की धमकी देकर ठगों ने 10 लाख रुपए वसूली कर ली, जिसके बाद सेक्सटॉर्शन के शिकार रिटायर्ड तहसीलदार ने पुलिस में केस दर्ज कराया। 2 माह बाद अब पुलिस ने इस केस में राजस्थान के 3 ठगों को गिरफ्तार किया। आरोपियों के पास से मोबाइल, बैंक पासबुक भी जब्त किया गया। मामला कोनी थाना क्षेत्र का है।

केस फोर:- ऐसे ही बिलासपुर में बटालियन का एक आरक्षक फेक वीडियो कॉल में फंस गया और तीन लाख 16 हजार रुपए की ठगी का शिकार हो गया। उसके मोबाइल पर किसी लड़की के नाम से वीडियो कॉल आया, जिसे रिसीव करने के बाद उसे न्यूड होने के लिए बहकाया गया। इसके बाद कथित युवती ने उसका न्यूड वीडियो बना लिया और उसे वायरल करने की धमकी देने लगी। इसके बाद सोशल मीडिया में वायरल वीडियो डिलीट करने के बहाने उससे साइबर क्राइम के अफसर बनकर ठगों ने तीन लाख 16 हजार रुपए वसूल लिए। फिलहाल आरक्षक की शिकायत पर पुलिस ने धोखाधड़ी का केस दर्ज किया है। मामला कोनी थाना क्षेत्र का है।

नेशनल साइबर क्राइम पोर्टल के जरिए निगरानी: दरअसल, साइबर फ्रॉड के केस पर नेशनल साइबर क्राइम पोर्टल के जरिए निगरानी की जा रही है। जिसकी जांच में 300 से ज्यादा फर्जी बैंक अकाउंट और सिम कार्ड का पता चला है। जिसे नेशनल साइबर क्राइम पोर्टल पर संदिग्ध पाए गए बैंक खातों की पहचान कर उसे म्यूल बैंक अकाउंट बताया गया। रेंज से संबंधित ऐसे बैंक खातों की जांच के दौरान पीड़ितों से संपर्क कर घटना के संबंध में जानकारी ली। इसके बाद मनी म्यूल बैंक अकाउंट्स और फर्जी सिम कार्ड बेचने वाले पीओएस एजेंट के जरिए आरोपियों तक पहुंचने की योजना बनाई गई।

10 टीमों ने 20 जगहों पर एक साथ की छापेमारी: साइबर अपराधियों की मदद करने वालों को पकड़ने के लिए आईजी डॉ. संजीव शुक्ला की मॉनिटरिंग में एसपी रजनेश सिंह के निर्देशन में ऑपरेशन चलाया गया, जिसमें 10 टीमों ने 20 स्थानों पर एक साथ छापेमारी की। रेंज साइबर थाने और एसीसीयू टीम ने संयुक्त रूप से कार्रवाई करते हुए फर्जी बैंक खातों को सीज किया। इस दौरान टीम ने पीओएस फर्जी सिम बेचने वाले दुकानदार, कोटक महिंद्रा और एक्सिस बैंक के कर्मचारी समेत 19 लोगों को गिरफ्तार किया है।

अमन-अमित को रोज मिलता था टारगेट: पुलिस की पूछताछ में पता चला है कि ठगों को बैंक खाते उपलब्ध कराने वालों में सबसे ज्यादा एक्टिव कोटा का अमन तिवारी और जयरामनगर का अमित पाल था। इन दोनों को रोज सुबह वॉट्सएप मैसेज के माध्यम से बैंक खाते और सिम कार्ड के लिए टारगेट दिया जाता था। इसके एवज में दोनों को बैंक अकाउंट ब्लॉक होते तक एक खाते के हिसाब से हर दिन दो हजार रुपए मिलते थे।

कारोबारी के परिवार को बंधक बनाकर 30 लाख की लूट

कट्टे-तलवारों से लैस 3 नकाबपोश घर में घुसे, लूट ले गए जेवरात-कैश

मीडिया ऑडीटर, सरगुजा (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के सरगुजा जिले में 3 नकाबपोश हथियार बंद बदमाशों ने किराना कारोबारी के परिवार को बंधक बनाकर 30 लाख की लूट की है। बदमाश 25 लाख के जेवरात और ढाई लाख कैश लूट ले गए। घटना सीसीटीवी में कैद हो गई। मामला सीतापुर थाना इलाके के नवापारा का है।

जानकारी के मुताबिक, रिटायर्ड डिप्टी रेंजर राधेश्याम गुप्ता का परिवार बुधवार की रात खाना खाने के बाद घर पर सो रहा था। उनका बेटा अजय गुप्ता किराना दुकान चलाता है। रात करीब 1:30 बजे कट्टे और तलवार से लैस 3 नकाबपोश बदमाश छत का गेट तोड़कर घर में घुस गए।

घर के सदस्यों को बंधक बनाकर लूट: बदमाशों ने राधेश्याम गुप्ता समेत उनके दो बेटों के कमरे को खटखटाकर खुलवाया। उसके बाद पूरे परिवार को बंधक बनाकर जान से मारने की धमकी दी। उनके अलमारी में रखे कैश और सोने-चांदी के जेवरात निकलवा कर लूट लिए। महिलाओं से पहने जेवर भी उतरवा लिए।

मोबाइल बाहर फेंका, घर बंद कर भागे: इतना ही नहीं बदमाशों ने परिवार के सभी सदस्यों के फोन छीन लिए। जिसे जाते समय घर के बाहर फेंक दिया। पूरे परिवार को कमरों में बंद कर दिया। फिर भाग गए। राधेश्याम गुप्ता के पोते का कमरा बाहर से बंद नहीं होता था। उसे लुटेरों ने वैसे ही छोड़ दिया।

जिसके बाद पोते ने घर में बंधक बने परिजनों को दरवाजा खोलकर बाहर निकाला। उन्होंने आवाज देकर पड़ोस में रहने वाले राधेश्याम गुप्ता के भाई के परिवार को उठाया। भाई ने मेन गेट खोला, तब सभी लोग बाहर निकल पाए।

घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद: लूट की सूचना रात करीब 3 बजे सीतापुर पुलिस को दी गई। सूचना मिलने पर पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। हालांकि घटना किराना दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। पुलिस लूटे गए कैश और सोने-चांदी का आकलन कर रही है। वहीं, पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही है। लेकिन अभी तक आरोपियों का कोई सुराग नहीं मिला है।

विचार

बेटे निशांत कुमार की लॉन्चिंग को तैयार हैं नीतीश कुमार

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार लगातार अपने बयानों से यह संकेत दे रहे हैं कि वे बिहार की सक्रिय राजनीति में उतरने को तैयार हैं। निशांत के बयानों पर नीतीश कुमार की चुप्पी भी यही संकेत दे रही है कि बिहार के मुख्यमंत्री अपनी राजनीतिक विरासत और अपनी पार्टी- जनता दल यूनाइटेड दोनों को अपने बेटे के हाथ में सौंपने की तैयारी कर रहे हैं। नीतीश कुमार की चुप्पी और निशांत कुमार के बयानों के कई मतलब और मायने भले ही निकाले जा रहे हो लेकिन राजनीति को सही ढंग से समझने वाला कोई भी जानकर यह बता सकता है कि पिता-पुत्र के मन में क्या चल रहा है। नीतीश कुमार शुरू से ही परिवारवाद की राजनीति के खिलाफ रहे हैं। कई बार तो वह सार्वजनिक मंच से परिवारवाद की राजनीति करने के लिए लालू यादव पर निशाना साध चुके हैं। यहां तक कि दशकों तक नीतीश कुमार किसी भी सार्वजनिक मंच पर अपने बेटे निशांत कुमार को अपने साथ नहीं ले गए। लेकिन पिछले कुछ दिनों से नीतीश कुमार और उनके बेटे निशांत कुमार की तस्वीरें लगातार सामने आ रही है। निशांत कुमार की राजनीति में एंट्री को लेकर जेडीयू नेताओं के बयान भी लगातार आ रहे हैं। दूसरी तरफ, जिन निशांत कुमार की तारीफ में यह बताया जाता था कि वह बहुत सादगी से रहते हैं, मीडिया की चकाचौंध से दूर रहते हैं। वही निशांत कुमार आजकल लगातार मीडिया के सामने आ रहे हैं। सबसे अधिक गौर करने वाली बात यह है कि वह मीडिया को गंभीर राजनीतिक मसलों पर बयान देकर, हंगामा भी खड़ा कर रहे हैं। एक पल के लिए यह माना जा सकता है कि अपने पिता को फिर से बिहार का मुख्यमंत्री बनाने के लिए वह बिहार के मतदाताओं से अपील कर रहे हैं लेकिन एनडीए गठबंधन को लेकर भी उनका बोलना यह दर्शाता है कि नीतीश कुमार उन्हें राजनीति में उतारने का फैसला कर चुके हैं, निशांत कुमार भी इसके लिए अपने आपको तैयार कर रहे हैं और अब लॉन्चिंग के लिए सही मौके का इंतजार किया जा रहा है। जो बात नीतीश कुमार स्वयं अपनी जुबान से नहीं बोल पा रहे थे, उन्होंने वह बात अपने पुत्र निशांत कुमार की जुबान से बुलवाकर एक बड़ा राजनीतिक दांव खेल दिया है। निशांत कुमार ने एनडीए गठबंधन के सबसे बड़े दल भाजपा को नसीहत देते हुए कहा कि, एनडीए भी नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री का चेहरा घोषित करे। जेडीयू के तमाम नेता और कार्यकर्ता सभी मिलकर सीएम फेस घोषित करें। ताकि उनके नेतृत्व में विकास कार्य जारी रहे एक तरफ निशांत कुमार ने बीजेपी को एनडीए गठबंधन का नेता घोषित कर, विधानसभा चुनाव लड़ने की नसीहत दी तो वहीं दूसरी तरफ इशारों-इशारों में वह चिराग पासवान और प्रशांत किशोर जैसे नेताओं पर भी बड़ी बात कह गए। निशांत कुमार के शब्दों पर गौर कीजिएगा। उन्होंने कहा कि, वे मीडिया के माध्यम से राज्य के तमाम युवाओं से आह्वान करते हैं कि पिताजी ने विकास किया है तो, उनके लिए वोट करें।

महाशिवरात्रि व्रत रखने से पापों का होता है नाश

भगवान शिव के प्रति श्रद्धा और भक्ति व्यक्त करने का विशेष अवसर है महाशिवरात्रि, जो भगवान शिव और माता पार्वती के मिलन का दिन माना जाता है। मान्यता है कि इस दिन भगवान शिव की पूजा करने से भक्तों की समस्त मनोकामनाएं पूरी होती हैं और महाशिवरात्रि का व्रत रखने से पापों का नाश होता है, मानसिक शांति, आध्यात्मिक ऊर्जा और सुख-समृद्धि की प्राप्ति होती है। प्रतिवर्ष फाल्गुन मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि को मनाया जाने वाला यह पर्व इस वर्ष 26 फरवरी को मनाया जा रहा है। महाशिवरात्रि को भगवान शिव का सबसे पवित्र दिन माना गया है, जो सकारात्मक ऊर्जा का स्रोत भी है। भारत में धार्मिक मान्यता के अनुसार महाशिवरात्रि का बहुत महत्व है। यह आध्यात्मिक चरम पर पहुंचने का सुअवसर है। महाशिवरात्रि को शिव तत्व को आत्मसात करने, नकारात्मक ऊर्जाओं को समाप्त करने और आध्यात्मिक उत्थान प्राप्त करने का सबसे उम अवसर माना जाता है।

महाशिवरात्रि के दिन भगवान शिव का जलाभिषेक करना बहुत पुण्यकारी माना जाता है। इस दिन शिवलिंग का जलाभिषेक, दुग्धाभिषेक, बेलपत्र, धतूरा, भांग एवं शहद अर्पित करने से विशेष फल प्राप्त होता है। मान्यता है कि इस दिन जलाभिषेक के साथ भगवान शिव की विधि-विधान से पूजा-अर्चना करने और व्रत रखने से वे शीघ्र प्रसन्न होते हैं और उनकी विशेष कृपा प्राप्त होती है। दाम्पत्य जीवन में प्रेम और सुख शांति बनाए रखने के लिए भी यह व्रत लाभकारी माना गया है। इस रात्रि को जागरण करने वाले भक्तों को अक्षय पुण्य की प्राप्ति होती है और उनकी सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। शिवपुराण के अनुसार, इस दिन विधिपूर्वक व्रत रखने और रात्रि जागरण करने से समस्त पापों का नाश होता है और भक्तों को मोक्ष की प्राप्ति होती है। शास्त्रों में कहा गया है कि महाशिवरात्रि की रात्रि में चार प्रहर की पूजा का विशेष महत्व है, जिसमें हर प्रहर में शिवलिंग का अलग-अलग द्रव्यों से अभिषेक किया जाता है, पहले प्रहर में जल, दूसरे प्रहर में दही, तीसरे प्रहर में घी और चौथे प्रहर में शहद से अभिषेक करने का विधान है।

धर्मग्रंथों में भगवान शिव को 'कालों का काल' और 'देवों का देव' अर्थात् 'महादेव' कहा गया है। एक होते हुए भी शिव के नटराज, पशुपति, हरिहर, त्रिमूर्ति, मृत्युंजय, अर्द्धनारीश्वर, महाकाल, भोलेनाथ, विश्वनाथ, ओंकार, शिवलिंग, बटुक, क्षेत्रपाल, शरभ इत्यादि अनेक रूप हैं। देवाधिदेव भगवान शिव के समस्त भारत में जितने मंदिर अथवा तीर्थ स्थान हैं, उतने अन्य किसी देवी-देवता के नहीं। आज भी समूचे देश में उनकी पूजा-उपासना व्यापक स्तर पर होती है। सर्वत्र पूजनीय शिव को समस्त देवों में अग्रणी और पूजनीय इसलिए भी माना गया है क्योंकि वे अपने भक्तों पर बहुत जल्दी प्रसन्न होते हैं और दूध या जल की धारा, बेलपत्र व भांग की पत्तियों की भेंट से ही अपने भक्तों पर प्रसन्न होकर उनकी समस्त मनोकामनाएं पूर्ण करते हैं। वे भारत की भावनात्मक एवं राष्ट्रीय एकता तथा अखण्डता के प्रतीक हैं। भारत में शायद ही ऐसा कोई गांव मिले, जहां भगवान शिव का कोई मंदिर अथवा शिवलिंग स्थापित न हो। यदि कहीं शिव मंदिर न भी हो तो वहां किसी वृक्ष के नीचे अथवा किसी चबूतरे पर शिवलिंग तो अवश्य स्थापित मिल जाएगा। हालांकि बहुत से लोगों के मस्तिष्क में यह सवाल उमड़ता है कि जिस प्रकार विभिन्न महापुरूषों के जन्मदिन को उनकी जयंती के रूप में मनाया जाता है, उसी प्रकार भगवान शिव के जन्मदिन को उनकी जयंती के बजाय रात्रि के रूप में क्यों मनाया जाता है? इस संबंध में मान्यता है कि रात्रि को पापाचार, अज्ञानता और तमोगुण का प्रतीक माना गया है और कालिमा रूपी इन बुराईयों का नाश करने के लिए हर माह चराचर जगत में एक दिव्य ज्योति का अवतरण होता है, यही रात्रि शिवरात्रि है। शिव और रात्रि का शाब्दिक अर्थ एक धार्मिक पुस्तक में स्पष्ट करते हुए कहा गया है, ''जिसमें सारा जगत शयन करता है, जो विकार रहित है, वह शिव है अथवा जो अमंगल का ह्रास करते हैं, वे ही सुखमय, मंगलमय शिव हैं। जो सारे जगत को अपने अंदर लीन कर लेते हैं, वे ही करूणासागर भगवान शिव हैं। जो नित्य, सत्य, जगत आधार, विकार रहित, साक्षीस्वरूप हैं, वे ही शिव हैं। महासमुद्र रूपी शिव ही एक अखंड परम तत्व हैं, इन्हीं की अनेक विभूतियां अनेक नामों से पूजी जाती हैं, यही सर्वव्यापक और सर्वशक्तिमान हैं, यही व्यक्त-अव्यक्त रूप से 'सगुण ईश्वर' और 'निर्गुण ब्रह्म' कहे जाते हैं तथा यही परमात्मा, जगत आत्मा, शम्भव, मयोभव, शंकर, मयस्कर, शिव, रूद्र आदि कई नामों से संबोधित किए जाते हैं।'' शिव के मस्तक पर अर्द्धचंद्र शोभायमान है, जिसके संबंध में कहा जाता है कि समुद्र मंथन के समय समुद्र से विष और अमृत के कलश उत्पन्न हुए थे। इस विष का प्रभाव इतना तीव्र था कि इससे समस्त सृष्टि का विनाश हो सकता था, ऐसे में भगवान शिव ने इस विष का पान कर सृष्टि को नया जीवनदान दिया जबकि अमृत का पान चन्द्रमा ने कर लिया। विषपान करने के कारण भगवान शिव का कंठ नीला पड़ गया, जिससे वे 'नीलकंठ' के नाम से जाने गए। विष के भीषण ताप के निवारण के लिए भगवान शिव ने चन्द्रमा की एक कला को अपने मस्तक पर धारण कर लिया। यही भगवान शिव का तीसरा नेत्र है और इसी कारण भगवान शिव 'चन्द्रशेखर' भी कहलाए। धार्मिक ग्रंथों में भगवान शिव के बारे में उल्लेख मिलता है कि तीनों लोकों की अपार सुन्दरी और शीलवती गौरी को अर्धांगिनी बनाने वाले शिव प्रेतों और भूत-पिशाचों से घिरे रहते हैं। उनका शरीर भस्म से लिपटा रहता है, गले में सर्पों का हार शोभायमान रहता है, कंठ में विष है, जटाओं में जगत तारिणी गंगा मैया हैं और माथे में प्रलयंकर ज्वाला है। बैल (नंदी) को भगवान शिव का वाहन माना गया है और ऐसी मान्यता है कि स्वयं अमंगल रूप होने पर भी भगवान शिव अपने भक्तों को मंगल, श्री और सुख-समृद्धि प्रदान करते हैं।

ज़हर उगलने वाले क्या जानें उर्दू की मिठास

.अपने छात्र जीवन में उर्दू कभी भी मेरा विषय नहीं रहा। हाँ हिंदी में साहित्य रत्न होने के नाते मेरा सबसे प्रिय विषय हमेशा हिंदी ही रहा। और आज भी मैं प्राय: हिंदी में ही लिखता पढ़ता हूँ। परन्तु शेर-ओ-शायरी का शौक़ बचपन से ही था। इसके तथा कुछ पारिवारिक व सामाजिक परिवेश के चलते उर्दू से ख़ासकर उसके शब्दों के उच्चारण के आकर्षक तौर तरीक़ों से बहुत प्रभावित रहा। और जब बचपन और जवानी में बड़े मुशायरों में शिरकत करने का मौक़ा मिलता और कुंवर महेंद्र सिंह बेदी सहर जैसे अज़ीम शायर को यह कहते सुनता कि उन्हें उर्दू ज़बान से मुहब्बत है ,इश्क़ है क्योंकि यह ज़ुबान आब ए हयात(अमृत) पीकर आई है तो यक़ीनन यह एहसास ज़रूर होता कि आख़िर कुछ बात तो है कि भारत में पैदा होने वाली तथा फ़ारसी व हिंदी के मिश्रण से तैयार उर्दू को हमारे देश के क्रांतिकारियों से लेकर बड़े से बड़े कवियों, साहित्यकारों,राज नेताओं,बुद्धिजीवियों ने न केवल अपनाया बल्कि उसे पाला पोसा और संवारा भी। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी भी उर्दू को भारतीय भाषा कहते थे। मुगल शासक भी उर्दू भाषा को हिंदी या हिंदवी कहते थे। परन्तु चूँकि उर्दू के लिखने में फारसी लिपि का उपयोग होता है इसलिये लोग इसे मुसलमानों की भाषा कहने लगे। शायद यही वजह है कि आज हिंदी व उर्दू भाषा रुपी दो बहनें एक दूसरे में इतनी रम चुकी हैं कि यदि आप इन दोनों को एक दूसरे से अलग भी करना चाहें तो संभव नहीं। उदाहरण के तौर पर केवल चंद ऐसे अल्फ़ाज़ पेश हैं जो आम तौर पर हिंदी भाषा में बोले जाते हैं परन्तु दरअसल इन शब्दों का स्रोत अथवा उद्भव फ़ारसी अथवा उर्दू से ही हुआ है। जैसे हिन्दोस्ताँ, अदालत, वकील, इंसाफ़, मुंसिफ़,पाएजामा,पेशाब,पंजाब,दरवाज़ा, ख़िलाफ़,मुख़ालिफ़त शराब, किताब, इंक़ेलाब ज़िंदाबाद, शाही(स्नान), डाकख़ाना, दवा,ईलाज, वज़ीर, शाह, बादशाह, हकीम, हाकिम, हुक्म, सब्ज़ी, मकान जैसे अनगिनत शब्द हैं जो प्रत्येक भारतीय रोज़ाना दिन में कई कई बार इस्तेमाल करता है परन्तु शायद उसे इस बात का एहसास भी नहीं होता कि वह उर्दू के शब्द बोल रहा है। इसके बावजूद उर्दू जैसे मीठी व अदब साहित्य से सम्बन्ध रखने वाली भाषा का हमारे देश में दशकों से विरोध होता आ रहा है। विरोध तो समय समय पर अंग्रेज़ी का भी हुआ परन्तु दक्षिण भारत व पूर्वोत्तर में अंग्रेज़ी की व्यापक स्वीकार्यता व उसे मिलने वाले समर्थन के चलते राष्ट्रीय स्तर पर उसका विरोध नहीं हो सका। परन्तु उर्दू का विरोध करने का ठेका उसी विचारधारा के लोगों के पास है जो देश को एक रंग में रंगना चाहते हैं। बड़ी आसानी से इस भाषा को मुसलमानों की भाषा या विदेशी भाषा बताते हुये उर्दू का विरोध शुरू हो जाता है। जैसा कि पिछले दिनों उत्तर प्रदेश में बजट सत्र के दौरान प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मुंह से सुनने को मिला।

नेशनल हाई-वे के साथ पेड़ों का संरक्षण भी हो

केंद्र में भाजपा सरकार आने के बाद देश में नेशनल हाई-वे और एक्सप्रेस वे का निर्माण बड़ी तेजी के साथ शुरू हुआ। यह कार्य अनवरत जारी है। 2014-15 में जब केंद्र में भाजपा की सरकार बनी तो देश में कुल 97,830 किमी लंबे राष्ट्रीय राजमार्ग थे। मार्च 2023 तक देश भर में अलग-अलग 145,155 किमी लंबे राजमार्ग हो चुके थे। ये कार्य निरंतर जारी है। राजमार्ग के साथ ही तेजी से जगह जगह स्टेट हाई वे और जिला मार्ग भी बन रहे हैं। इन मार्ग के बनाने के लिए भारी संख्या में सड़क के किनारे के पेड़ कट रहे हैं। कटने वालों पेड़ के मुकाबले लगने वाले वृक्षों की संख्या कम है। सरकारी आंकड़े हैं कि लगने वाले वृक्षों लगभग 24 प्रतिशत मर जाते हैं। ऐसे में आज जरूरत है कि किसी भी तरह का मार्ग बनाया जाए उसके किनारे के बड़े और पुरान पेड़ न काटें जाएं। उन्हें दूसरी जगह शिफ्ट कर दिया जाए।

लोकसभा में 22 जुलाई 2019 को दी गयी जानकारी में बताया गया था कि 2014 से 2019 के पांच साल के अंतराल में 1.09 करोड़ पेड़ काटने की अनुमति दी गई। सबसे ज्यादा अनुमति 2018-19 में 2691028 पेड़ काटने की दी गई। यह संख्या तो अनुमति लेकर काटे गए पेड़ों की है। मानना है कि इससे भी कई गुना पेड़ प्रति वर्ष बिना अनुमति लिए कट जाते हैं। ये काम उन अधिकारियों से मिलकर होता है, जो पेड़ों के कटान रोकने के लिए जिम्मेदार है। 13 दिसंबर 2021 को संसद में पेश किए गए एक लिखित जवाब के मुताबिक वित्त वर्ष 2016-17 से 2020-21 के बीच देश भर में वन (संरक्षण) अधिनियम, 1980 के तहत जितने पौधे लगाए गए थे, उसमें से 4.84 करोड़ पौधे खत्म हो गए।

उन्होंने दावा किया कि इन पांच वर्षों में कुल 20.81 करोड़ पौधे लगाए गए इसमें से 15.96 करोड़ पौधों को ही बचाया जा सका है। इस आधार पर यदि राष्ट्रीय औसत देखें तो प्रतिपूरक वनीकरण के तहत वन कटाई के बदले जितने पौधे लगाए जा रहे हैं, उसमें से 24 फीसदी पौधे तमाम कारणों से खत्म हो जाते हैं। एक पेड़ की कीमत जानने के लिए सुप्रीम कोर्ट द्वारा गठित कमेटी की रिपोर्ट के मुताबिक, किसी भी एक पेड़ की कीमत 74 हजार 500 रुपये प्रति सालाना हो सकती है। हर हर साल बीतने के साथ ही उसकी कीमत में ये राशि जुड़ जाती है। इस एक पेड़ की कीमत से हम अनुमान लाग सकते है कि प्रतिवर्ष लाखों पेड़ काट कर देश की कितनी बड़ी संपदा का हम दौहन कर रहे हैं।

विकास के लिए जहां पेड़ों का कटना जरूरी है वहीं समय की जरूरत कुछ और है। वनों का तेजी के साथ दोहन होने से पर्यावरण बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। जलवायु बदल रही है। सासों पर संकट बढ़ रहा है। पोल्यूशन बढ़ने के कारण आक्सीजन मिलना दुर्लभ होता जा रहा है। इसी से महानगरों में आदमी की आम आयू कम हो रही है। इसीलिए आज जरूरी हो गया है कि विकास के लिए पेड़ों को न काटा जाए। इन पेड़ों को काटने की जगह यदि इन्हें दूसरी खाली जगह पर ले जाकर लगाया जाए तो समस्या का निदान हो सकता है। कुछ जगह पर यह कार्य हुआ भी है। गाजियाबाद-दिल्ली ऐलिवेटेड रोड को बनाते समय 64 पेड़ उठाकर दूसरी जगह लगाए गए। उत्तराचंल में भी कई साल पहले यह कार्य हुआ। इसके लिए हम यह कर सकतें हैं कि छोटे पेड़ काट दिए जाएं किंतु बड़े पेड़ दूसरी जगह लगा दिए जाएं। पेड़ का लगाना बहुत सरल है। उसे देखरेख करना बड़ा करना बहुत ही कठिन है।

पेड़ों के दोहन में सरकारी नीति भी जिम्मेदार है। नियम है कि पेड़ के काटने के आवेदन के साथ-सा?थ यह वायदा कराया जाता है कि आज कटे एक पेड़ की जगह दो पेड़ लगाएंगे। प्रति पेड़ काटने के लिए वन विभाग को दो सौ रुपया प्रति पेड़ सुरक्षा धन जमा करना होता है। पेड़ लगाकर वन अधिकारी को आप दिखा देंगे कि पेड़ लगा दिए तो सुरक्षा धन वापस हो जाएगा। आज के समय में दो सौ रुपये कोई मूल्य नहीं रखता । इसलिए कोई पेड़ लगाता नहीं। वन अधिकारी ये दो सौ रुपया सुरक्षा राशि जब्त कर लेते हैं। इस राशि से विभाग बरसात में वृक्षारोपण करता है। पेड़ लगवाने हैं तो हमें यह दो सौ की सुरक्षा राशि बढ़ाकर कम से कम पांच हजार करनी होगी। यह भी आदेश करना होगा कि दस साल से बड़े पेड़ कटेंगे नहीं। दूसरी जगह स्थानांतरित कर दिए जाएंगे।

एक बात और अवैध रुप से पेड़ कटान का दंड पांच हजार रुपया है। न पकड़े गए तो कुछ भी नहीं। पकड़े जाने पर वन अधिकारी खेल कर लेते हैं। कटते सौ पेड़ हैं दिखाते दस है। इसी तरह से कम पेड़ की अनुमति लेकर ज्यादा पेड़ काटे जाने का प्राय: चलन है। किसान को जरूरत के लिए अपनी भूमि से वृक्ष काटने की अनुमति हो किंतु अवैध रूप से पेड़ काटने पर एक पेड़ पर कम से कम 50 हजार रुपया जुर्माना और छह माह की सजा का प्रावि?धान होना चाहिए। कोई भी सड़क या उद्योग का प्रोजेक्ट पास करने से पहले पूछा जाना चाहिए कितने पेड़ हैं? दस साल से ज्यादा आयु के पेड़ की संख्या और उससे बड़े इन पेड़ों को किस जगह लगाया जाएगा इस योजना और बजट की जानकारी भी दें। ऐसा करने से हमको ज्यादा पेड़ नहीं लगाने पड़ेंगे। हमारी भूमि भी हरी भरी रहेगी।

पर्यावरण के संरक्षण के लिए काम कर रहे जानकार बताते हैं कि पौधारोपण के नाम पर आमतौर पर सजावटी और विदेशी पौधे रोप दिए जाते हैं जो कम समय में बड़ा आकार ले लेते हैं लेकिन वे किसी भी दृष्टि से पर्यावरण के लिए लाभकारी नहीं होते। इस बात की निगरानी होनी चाहिए और साथ ही जिम्मेदारी भी तय होनी चाहिए कि काटे गए पेड़ों के स्थान पर ईमानदारी से पौधारोपण कर हरियाली को बरक़रार रखने की कवायद हो। पेड़ फलदार हों या परम्परागत भारतीय पेड़ लगे। पीपल, वटवृक्ष, नीम, पिलखन, साल, शीशम, जामुन और आम जैसे वृक्ष प्रमुखता से लगाए जाएं।

सीधी के 20 मजदूर आंध्रप्रदेश में बंधक, प्रशासन से मदद की लगाई गुहार

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सीधी जिले से मजदूरी करने गए दर्जन भर से अधिक मजदूरों को आंध्र प्रदेश की एक निजी कंपनी द्वारा बंधक बनाए जाने का मामला प्रकाश में आया हैं। करीब दो महीने से इन मजदूरों को ना तो उनकी मजदूरी दी जा रही है और ना ही उन्हें खाने के लिए पर्याप्त खाना मिल रहा हैं। ऐसे में मजदूर भूखों मरने की कगार पर हैं। इन मजदूरों ने सोशल मीडिया में एक वीडियो वायरल कर शासन और प्रशासन से मदद की गुहार लगाई है और कंपनी के चंगुल से छुड़ाकर घर भेजने की मांग की है। दरअसल मामला आंध्र प्रदेश की एक निजी कंपनी का है जहां मजदूरी करने गए सीधी जिले के 20 से अधिक मजदूर बंधक बनाकर रखे गए हैं।

जानकारी के मुताबिक उक्त सभी मजदूर आंध्र प्रदेश की ईश्वर नंदा इंफ्रा कंपनी में काम करते थे और यह कंपनी नेशनल हाईवे की सड़क का निर्माण कार्य करती है। मजदूरों द्वारा जारी किए गए वीडियो में बताया गया कि उन्हें कंपनी द्वारा बीते दो महीने से ना तो उनकी मजदूरी दी गई है और ना ही खाने के लिए खाना दिया जा रहा है। ऐसे में वह भूखों मरने की कगार पर है। मजदूरों ने फिलहाल शासन और प्रशासन से मदद की गुहार लगाई है और वापस घर भेजने की मांग की है।

सरसों तेल से बनी पूड़ी-सब्जी खाने से 9 लोग बीमार

दो परिवारों के सदस्य अस्पताल में भर्ती, तेल के सैंपल जांचे के लिए भेजे

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सीधी जिले के मुख्यालय से 10 किलोमीटर दूर ग्राम डाड़ी और हड़बड़ो में बुधवार रात को दो परिवारों के 9 लोग फूड प्वाइजनिंग का शिकार हो गए। बीमार हुए सभी लोगों ने सरसों के तेल से बनी पूड़ी और सब्जी खाई थी, जिसके बाद उनकी तबीयत अचानक बिगड़ने लगी।

बीमारों में यादव और सोनी परिवार के सदस्य शामिल हैं। यादव परिवार के राजरखन यादव, रवेंद्र यादव, सुमन यादव, इंद्ररानुआ यादव और शकुंतला यादव ने खाने के कुछ ही देर बाद पेट दर्द, उल्टी और चक्कर आने की शिकायत की। इसी तरह सोनी परिवार के मोनू सोनी, शायमकाली सोनी, विद्या सोनी और निधि सोनी की हालत भी बिगड़ गई।

डॉ. ने कहा- सभी को फूड प्वाइजनिंग: परिजनों ने तुरंत सभी को जिला अस्पताल सीधी पहुंचाया, जहां सिविल सर्जन डॉ. दीपा रानी इसरानी ने मामले की पुष्टि करते हुए इसे फूड प्वाइजनिंग बताया। डॉ. इसरानी ने कहा कि सभी की हालत फिलहाल स्थिर है और डॉक्टरों की टीम उनकी लगातार निगरानी कर रही है।

किराना दुकान से लिया था सरसों तेल: जानकारी के मुताबिक, दोनों परिवारों ने सरसों का तेल गुप्ता किराना स्टोर से खरीदा था। किराना दुकान की मालकिन कुसुम कली गुप्ता हैं। स्वास्थ्य विभाग की टीम अब यह जांच कर रही है कि तेल मिलावटी था या नहीं। सैंपल लेकर लैब टेस्ट के लिए भेज दिए गए हैं। फिलहाल, ग्रामीणों को सतर्क किया गया है।

165 लोगों के गुम हुए 15 लाख के मोबाइल मिले, पुलिस ने छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र सहित कई राज्यों से किए बरामद

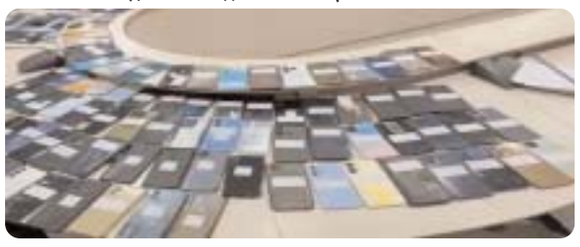

मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)। शहडोल पुलिस ने मोबाइल चोरी और गुम होने के मामलों में बड़ी सफलता हासिल की हैं। पुलिस ने साइबर सेल की मदद से करीब 15 लाख कीमत के 165 मोबाइल फोन बरामद किए हैं।

इन मोबाइल फोन को छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र सहित कई राज्यों से बरामद किया गया है। जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में लोगों ने मोबाइल गुम होने की शिकायत दर्ज कराई थी। पुलिस ने साइबर सेल की मदद से इन मोबाइल की लोकेशन ट्रेस की। जहां-जहां मोबाइल की लोकेशन मिली, पुलिस ने वहां पहुंचकर बरामदगी की।

सीबीआई ने एनसीएल के दो आधिकारियों से पूछताछ की

20-25 लाख में ऑपरेटर की नौकरी देने का आरोप, फाइलें जब्त की

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। सिंगरौली स्थित नॉर्दर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एनसीएल) के मुख्यालय पर जबलपुर सीबीआई की टीम ने छापेमारी की। गुरुवार को टीम ने भर्ती घोटाले के संबंध में दो वरिष्ठ अधिकारियों से पूछताछ की हैं।

मामला 2020-21 में हुई ऑपरेटर पदों की भर्ती से जुड़ा हैं। शिकायतकर्ता अनीता वैश्य के अनुसार, एनसीएल के अधिकारियों ने 88 ऐसे लोगों को ऑपरेटर पद पर नियुक्त कर दिया, जो दसवीं की परीक्षा भी ठीक से पास नहीं कर पाए थे। इन उम्मीदवारों को भर्ती परीक्षा में 99% अंक दिए गए।

पैसे लेकर नियुक्ति करने का आरोप: शिकायत में आरोप लगाया गया है कि अधिकारियों ने प्रति उम्मीदवार 20 से 25 लाख रुपए की रिश्वत लेकर नियुक्तियां कीं। इस मामले में सीबीआई ने एनसीएल के तत्कालीन महाप्रबंधक चार्ल्स जस्टिस और प्रबंधक कार्मिक भर्ती हर्षवर्धन मिश्रा के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

सीबीआई ने आधिकारिक जानकारी नहीं दी: जबलपुर से आई पांच सदस्यीय सीबीआई टीम ने दोनों अधिकारियों से पूछताछ की। सूत्रों के अनुसार, टीम ने भर्ती से संबंधित कुछ महत्वपूर्ण फाइलें भी जब्त की हैं। हालांकि, एनसीएल और सीबीआई दोनों ने ही इस संबंध में कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है।

उमा महेश्वर नाथ गुरु गायत्री मंदिर का हुआ भव्य प्राण प्रतिष्ठा और विशाल भंडारे का आयोजन

मीडिया ऑडीटर, जवा (निप्र)। चिल्ला रोड जवा में उमा महेश्वर नाथ गुरु गायत्री मंदिर का भव्य निर्माण कर देवताओं का पूरे विधि-विधान से पूजा अर्चना कर प्राण प्रतिष्ठा किया गया और विशाल भंडारे का भी आयोजन रखा गया। मंदिर भूमि दान दाता स्वर्गीय पंडित रामनाथ भरद्वाज द्वारा दिया गया था, लम्बे समय से निर्माणाधीन मंदिर में देवी देवताओं के प्राण प्रतिष्ठा का इन्तजार लोगों को था, स्वर्गीय रामनाथ भरद्वाज के नाती, वरिष्ठ समाजसेवी विश्व हिन्दू परिषद के पूर्व जिलाध्यक्ष राजकुमार द्विवेदी के अथक प्रयास से मंदिर का भव्य निर्माण एवं देवी देवताओं का प्राण प्रतिष्ठा संपन्न हुआ और विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। मंदिर के गर्भगृह में महेश्वर भोलेनाथ नाथ, नंदी भगवान, बजरंगबली हनुमान जी की विशाल मूर्ति साथ ही गायत्री माता को विराजमान किया गया, मंदिर के चारों दिशाओं में बारह ज्योतिर्लिंग की प्रतिमा,लगाई गई है, जिसके मुख्य जजमान उमाशंकर भरद्वाज और मुख्य स्थापना पुजारी पंडित बद्री प्रपन्नाचार्य जी पियारिया रामबाग रहे। द्विवेदी ने बताया कि पंडित अजय कुमार द्विवेदी दलापुर उप्र द्वारा शिव-परिवार प्रतिमा में सतीश दुबे दलापुर उप्र द्वारा 6 फिट बजरंग बली की प्रतिमा व प्रोफेसर वीरेंद्र मिश्र सितलहा द्वारा गायत्री माता की प्रतिमा में विशेष सहयोग रहा। मुख्य सहयोगी साथी तरुणेन्द्र द्विवेदी, विकास द्विवेदी, ध्रुव द्विवेदी रहे।

पटवारियों ने 13 महीने का वेतन समेत कई मांगें रखीं

शहडोल में कहा- हम भी पुलिस की तरह 24 घंटे काम करते हैं

मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)। शहडोल में पटवारी संघ ने गुरुवार को कलेक्टर के माध्यम से प्रमुख सचिव राजस्व और आयुक्त भू-अभिलेख को ज्ञापन सौंपा।

पटवारियों का कहना है कि पिछले कुछ सालों से छुट्टी के दिनों में भी सामान्य कार्यों के लिए उन्हें बुलाया जा रहा है। उन्होंने मांग की हैं किया तो यह व्यवस्था बंद की जाए या फिर पुलिस विभाग की तरह उन्हें भी 13 महीने का वेतन दिया जाए।

काम के लिए मोबाइल फोन हुई खराब, नए की मांग: सार्थक ऐप और ई-डायरी अटेंडेंस को लेकर भी पटवारियों ने अपनी परेशानी बताई। उनका कहना है कि उन्हें उचित संसाधन और मोबाइल नहीं दिए जाते। छह साल पहले मिले सस्ते मोबाइल अब बेकार हो चुके हैं। दुर्गम पहाड़ी क्षेत्रों में नेटवर्क की समस्या के कारण ऐप का इस्तेमाल व्यावहारिक नहीं है।

पटवारियों ने प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री सम्मान निधि योजना को लेकर भी समस्या उठाई। उनका कहना है कि योजना में पैसा सीधे किसान के खाते में आता है। पटवारी का काम सिर्फ किसान का रजिस्ट्रेशन करना है। लेकिन पैसा नहीं आने पर उन पर सीएम हेल्पलाइन के निराकरण का दबाव बनाया जाता है।

राजस्व निरीक्षक के खाली पदों पर पटवारियों के प्रमोशन की मांग: पटवारियों ने पदोन्नति की मांग भी रखी। उन्होंने कहा कि राजस्व विभाग में तहसीलदार, नायब तहसीलदार और राजस्व निरीक्षक को वेतन उन्नयन और पदोन्नति का लाभ मिला है। लेकिन पटवारियों को यह सुविधा नहीं दी गई। उन्होंने मांग की कि राजस्व निरीक्षक के खाली पदों पर वरिष्ठ पटवारियों को पदोन्नति दी जाए।

कोयला परिवहन से बढ़ा प्रदूषण

एनसीएल का जीरो प्रदूषण का दावा फेल, सड़कों पर उड़ रही कोयले की धूल

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। सिंगरौली में कोल इंडिया की मिनी रत्न कंपनी एनसीएल की ओर से जीरो प्रदूषण का दावा फेल साबित हुआ है। सड़कों पर उड़ती कोयले की धूल लोगों की सेहत को प्रभावित कर रही है।

एनसीएल के दस्तावेजों में सड़कों पर पानी का छिड़काव और नियमित सफाई का उल्लेख है। लेकिन जमीनी स्तर पर इसका पालन नहीं हो रहा है। जिले में कई ओपन कास्ट कोल माइंस हैं, जिनसे कोयला सड़क मार्ग से परिवहन किया जाता है।

पीआरओ बोले- सड़कों पर पानी का होता है छिड़काव: एनसीएल के पब्लिक रिलेशन अधिकारी राम विजय सिंह का कहना है कि प्रदूषण रोकने के लिए सड़कों पर नियमित पानी का छिड़काव किया जाता है। कोयला वाहनों के मार्ग पर सफाई कर्मचारी तैनात हैं। वर्तमान स्थिति की जांच कर व्यवस्था में सुधार किया जाएगा।

प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अधिकारी आर एस बेहरा ने बताया कि उन्हें इस संबंध में कोई शिकायत नहीं मिली है। बोर्ड एनसीएल सहित सभी प्रतिष्ठानों में प्रदूषण नियंत्रण के लिए नियमित कार्रवाई करता है।

पशु विभाग ने लगाया शिविर, वितरित की गई दवाई

मीडिया ऑडीटर, त्योथर (निप्र)। शासकीय पशु औषधालय गढी क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत तुर्कागोदर मे पशु विभाग द्वारा शिविर आयोजित किया गया पशुओं का उपचार एवं किसानों को आर्थिक रूप से मजबूत होने के लिए खेती के साथ दुधारू पशु पालने को प्रेरित किया गया पशु विभाग द्वारा चलाई जा रही योजना को जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास सहायक पशु चिकित्सा क्षेत्राधिकारी उमाशंकर कोल द्वारा किया जा रहा है साथ ही पशु विभाग के कर्मचारियों द्वारा शिविर लगाकर पशु पालकों को जागरूक और योजनाओं का लाभ लेने के लिए समझाइश दिया जा रहा है दवाई का विवरण और बीमार पशुओ की उपचार किया गया उक्त शिविर में मुख्य रूप से ग्राम पंचायत सरपंच निर्मला भोला कोल, सहायक पशु चिकित्सा क्षेत्राधिकारी उमाशंकर कोल, पशु संजीवनी 1962के कर्मचारी लखन पाण्डेय, शाशक शुक्ला, शिवा गौसेवक मैत्री रामदयाल हरिजन सहित काफी संख्या में पशु पालकों की मौजूदगी रही।

बच्चों ने बड़े उल्लास से मनाया महाशिवरात्रि पर्व

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। स्वामी विवेकानंद आवासीय योग शोध संस्थान नागौद में सभी बच्चों ने बड़े उल्लास से महाशिवरात्रि पर्व मनाया। शिव की कृपा प्राप्त की। शिव परम योगी हैं और जगत में समाकर भी जगत से निर्लिप्त रहते हैं। वे बड़े दयालु हैं और क्षणिक सेवा से भी प्रसन्न हो जाते हैं। इसी कारण इन्हें भोलेनाथ भी कहा जाता है। शिव ही रूद्र है और जब रौद्र रूप धारण करते हैं तो कल स्वरूप हो जाते हैं। जगत के कल्याण हेतु शिव कालकूट विष पी जाते हैं और नीलकंठ कहलाते हैं। शिव की महिमा बड़ी विचित्र है लीलाएं बड़ी लोमहर्षक।

24 सूत्री मांगे लेकर सरपंच सड़क पर उतरे, ग्रामीण विकास में बाधक नियमों के खिलाफ कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

मीडिया ऑडीटर, छतरपुर (निप्र)। राष्ट्रीय सरपंच संघ के जिला अध्यक्ष शैलेंद्र कौशिक के नेतृत्व में गुरुवार को दर्जनों सरपंचों ने मुख्यमंत्री के नाम कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। यह ज्ञापन पंचायती राज व्यवस्था में मौजूद कमियों के समाधान के लिए दिया गया। जिला अध्यक्ष कौशिक ने कहा कि राष्ट्रीय सरपंच संघ के आह्वान पर यह राष्ट्रव्यापी आंदोलन चल रहा है। उन्होंने बताया कि ग्रामीण विकास को बाधित करने वाले नए सरकारी नियम लगातार लागू किए जा रहे हैं।

'मनरेगा में मजदूरों की फोटो अनिवार्य हो': मनरेगा में मजदूरों की फोटो अनिवार्य करने का मुद्दा भी उठाया गया। कौशिक ने कहा कि ग्राम पंचायत एक छोटी निर्माण एजेंसी है। केंद्र और राज्य सरकार की बैठकों की कोई फोटो या वीडियो जनता को नहीं दिखाई जाती। लेकिन कैबिनेट स्तर के नियम मजदूरों पर लागू किए जा रहे हैं।

'ग्राम पंचायत के कार्यों में बाधा न डालें': सरपंच संघ ने मुख्यमंत्री और पंचायत राज अधिकारियों से आग्रह किया है कि वे ग्राम पंचायत के कार्यों में बाधा न डालें।

छेड़खानी से परेशान छात्रा ने उठाया आत्मघाती कदम

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सीधी जिले में छेड़खानी से परेशान होकर छात्रा द्वारा जान देने का मामला सामने आया है। [20] छात्रा ने आत्मघाती कदम उठाने से पहले अपने पिता के नाम एक सन्देश भी छोड़ा है। जिसमे उसने लिखा है कि "अगर हम मरते है तो उसे मत छोड़ना पापा" छात्रा ने सन्देश में अपनी मौत का ज़िम्मेदार आकाश सिंह उर्फ़ मोहित नामक शख्स और उसकी माँ को ठहराया है। जिन्हे किसी भी हालत में न छोड़ने की बात लिखी है। बतादें कि ज़हर का सेवन करने के बाद गंभीर हालत में रीवा के संजय गांधी अस्पताल में भर्ती कराई गई छात्रा की मौत हो गई है। ये मामला सीधी जिले के चोरहट थाना क्षेत्र के ग्राम गढ़िया का है।

10वीं की हिन्दी विषय की परीक्षा शांतिपूर्ण तरीके से सम्पादित हुई, कुल 66 केन्द्रों में परीक्षा आयोजित हुई

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। माध्यमिक शिक्षा मंडल भोपाल द्वारा हाईस्कूल परीक्षा का आयोजन 27 फरवरी से किया जा रहा है। आज हाईस्कूल कक्षा 10वीं की हिन्दी विषय की परीक्षा जिले के 66 परीक्षा केन्द्रो में आयोजित हुई जिसमें से 18247 दर्ज छात्रों में से 17879 विद्यार्थी परीक्षा में उपस्थित रहे, 368 विद्यार्थी परीक्षा में शामिल नही हुये। परीक्षा में कानून व्यवस्था एवं परीक्षा की पवित्रता बनाये रखने एवं विश्वसनीयता सुनिश्चित करने के लिये कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी द्वारा 16 पैनल गठित किये गये है। एस.डी.एम. मझौली आर.पी. त्रिपाठी द्वारा परीक्षा केन्द्र मझौली का निरीक्षण किया गया। एस.डी.एम. कुसमी प्रिया पाठक ने कुसमी, भदौरा एवं टमसार परीक्षा केन्द्र का निरीक्षण किया गया।

जिला शिक्षा अधिकारी डॉ पी.एल. मिश्रा द्वारा परीक्षा केन्द्र मोहनिया, चुरहट एवं पनवार का निरीक्षण कर केन्द्राध्यक्ष एवं सहायक केन्द्राध्यक्ष को बोर्ड के निर्देशानुसार परीक्षा संचालित कराये जाने के निर्देश दिये गये। प्रवीण शुक्ला ए.डी.पी.सी. द्वारा कंधवार, रामपुर नैकिन, नागेन्द्र सिंह जिला आपूर्ति अधिकारी द्वारा हटवाखास, सुडवार, हिनौती का निरीक्षण किया गया। राजेश पटेल द्वारा हडबड़ो, पोखरा, तरका का निरीक्षण किया गया। डॉ सुजीत कुमार मिश्र द्वारा गिजवार, पथरौला, खाम्ह एवं चौफाल का निरीक्षण किया गया। कन्ट्रोल रूम प्रभारी रामकृष्ण तिवारी ने जानकारी देते हुये बताया कि जिले में परीक्षा शांतिपूर्ण तरीके एवं व्यवस्थित रूप से संचालित है किसी भी परीक्षा केन्द्र में बाहरी दबाव नही है।

केनरा बैंक मैनेजर ने दिव्यांग बच्चों के लिए वाटर कूलर प्रदान किया

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। केनरा बैंक रीवा के मैनेजर अमित राजन मिश्रा ने राजरानी सेवा संस्थान को अपने बेटी की जन्मदिन पर दिव्यांग बच्चों के लिए ठंडा एवं शुद्ध पेयजल के लिए एक वाटर कूलर प्रदान किया। इस नेक पहल से संस्थान में रहने और पढ़ने वाले विशेष आवश्यकता वाले बच्चों को शुद्ध व ठंडा पेयजल उपलब्ध होगा जिससे बच्चों को गर्मी में ठंडा एवं शुद्ध पेयजल पीने का आनंद प्राप्त होगा। संस्थान के संस्थापिका रानी सिंह, अध्यक्ष अजय सिंह, सचिव संजय, संचालिका दीप्ति सिंह, फिजियोथैरेपिस्ट डॉ दिलीप दीपांकर, शिक्षिका नीता रजक, सहायक शिक्षिका साधना पांडे, पूनम पांडे, रंजना सिंह, तरन्नुम निशा, राजेश सिंह, निर्मला सिंह एवं दिव्यांग बच्चों के अभिभावक और दिव्यांग बच्चों ने इस सहयोग के लिए केनरा बैंक के मैनेजर अमित राजन मिश्रा का धन्यवाद एवं आभार व्यक्त किया।

सरकार बोली- दागी नेताओं को ताउम्र बैन करना ठीक नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार आपराधिक मामलों में दोषी ठहराए जाने वाले राजनेताओं पर आजीवन प्रतिबंध लगाने के खिलाफ है। केंद्र ने बुधवार को सुप्रीम कोर्ट में इसका विरोध किया। कहा कि 6 साल के लिए डिसक्वालिफिकेशन पर्याप्त है। इस तरह की अयोग्यता लागू करना पूरी तरह से संसद के अधिकार क्षेत्र में आता है। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट में दोषी नेताओं के खिलाफ आजीवन बैन लगाने वाली याचिका पर सुनवाई हुई। केंद्र ने कहा, %याचिका की मांग कानून को दोबारा लिखने या संसद को किसी खास तरीके से कानून बनाने का निर्देश देने के जैसी है। ये पूरी तरह से न्यायिक समीक्षा की शक्तियों के विपरीत है। वकील अश्विनी उपाध्याय ने 2016 में जनहित याचिका लगाई थी, जिसमें जनप्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा 8 और 9 की संवैधानिक वैधता को चुनौती दी गई। उन्होंने पूछा था कि राजनीति पार्टियों को यह बताना चाहिए कि आखिर वे अच्छे छवि वाले लोगों को क्यों नहीं खोज पाते हैं। इसमें कहा गया कि देश में सांसदों-विधायकों के खिलाफ क्रिमिनल केसों को जल्द खत्म किया जाए और दोषी राजनेताओं पर आजीवन प्रतिबंध लगाया जाए।

उद्धव की शिवसेना के मुखपत्र में मोदी-फडणवीस की तारीफ

मुंबई (एजेंसी)। शिवसेना उद्धव के मुखपत्र सामना में प्रधानमंत्री मोदी और महाराष्ट्र सीएम देवेंद्र फडणवीस की तारीफ की गई है। लेकिन डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे पर निशाना साधा गया है। मुखपत्र में महाराष्ट्र के इंफ्रॉस्ट्रक्चर, भ्रष्टाचार और पॉलिटिक्स पर लिखा गया है। मुखपत्र में लिखा गया- एकनाथ शिंदे का पैसे जमा करने वाला मुख्य व्यक्ति 10 हजार करोड़ लेकर दुबई भाग गया। क्योंकि फडनवीस ने राज्य में गलत काम करने वालों को साफ करने का फैसला लिया है। शिंदे के सीएम रहने के दौरान हुए काले कारनामों को खत्म करने का पवित्र कार्य शुरू हो गया है। सामना में लिखा गया है कि सीएम फडणवीस ने मंत्रियों ने उनके ओ एसडीऔर पीएस नियुक्त करने का अधिकार छीनकर उचित कदम उठाया है। डिसिप्लिन लाने के लिए सख्त कदम उठाए हैं। सीएम फडणवीस ने जो काम हाथ में लिया है वह आसान नहीं है। क्योंकि फसल पर का दाढ़ी वाला दीमक कह रहा है- मुझे हल्के में मत लो। फिक्सरों के मारे सिक्सर को रोकना ही होगा। देवेंद्र फडणवीस ने शासन में अनुशासन लाने के लिए सख्त कदम उठाए हैं। पिछले 3 सालों में भ्रष्टाचार का गटर बहता रहा। जिसके चलते महाराष्ट्र जैसे राज्य की राजनीति सड़ गई। आर्थिक अनुशासनहीनता चरम पर पहुंच गई।

महाशिवरात्रि पर हजारीबाग में 2 समुदायों में झड़प, कई घायल

हजारीबाग (एजेंसी)। झारखंड के हजारीबाग में बुधवार को महाशिवरात्रि पर दो समुदायों के बीच हिंसक झड़प हो गई। दोनों ओर से जमकर पत्थरबाजी और आगजनी की गई। इस घटना में दोनों पक्षों से कई लोग घायल हुए हैं। उपद्रवियों ने तीन बाइक, एक दुकान और एक कार को आग के हवाले कर दिया। एक ऑटो में भी तोड़ फोड़ की गई है। वहीं, प्रशासन ने स्थिति को नियंत्रित करने को लेकर हल्का लाठीचार्ज भी किया। घटना इचाक प्रखंड के डुमरौन गांव की है। वहीं, घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित करने में जुट गई। फिलहाल, स्थिति नियंत्रण में है। बताया जा रहा है कि शिवरात्रि पर लाउडस्पीकर लगाए जा रहे थे। इस दौरान दूसरे समुदाय के लोगों ने इसका विरोध किया। इसके बाद झड़प शुरू हो गई। प्रशिक्षु आईएएस सह सदर अनुमंडल पदाधिकारी लोकेश बारंगे, प्रशिक्षु आईपीएस श्रुति अग्रवाल सहित पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी इचाक प्रखंड के पदाधिकारी और भारी संख्या में पुलिस बल घटनास्थल पर मौजूद है।

सामाजिक समरसता बढ़ाने के लिए संत समाज हरसंभव प्रयास करे-राष्ट्रपति मुर्मु

भोपाल (एजेंसी)। राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु, राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल तथा मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की गरिमामय उपस्थिति में बागेश्वर धाम में 251 जोड़ों का सामूहिक विवाह महोत्सव हुआ। भव्य समारोह में राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु ने महाशिवरात्रि पर्व पर आयोजित सामूहिक विवाह में दाम्पत्य सूत्र में बंध रहे जोड़ों को आशीर्वाद प्रदान करते हुए उनके सुखमय जीवन की कामना की। राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु ने कहा कि समकालीन समाज में व्याप्त कुरीतियों को दूर करने और समाज को जागरूक करने के लिए पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री की पहल सराहनीय है। गुरूनानक देवजी, संत रविदास, कबीरदास, मीरा बाई जैसे कई संतों ने अपने उपदेशों से छुआछूत जैसी कुरीतियों को दूर करने और महिलाओं को समाज में उचित स्थान दिलाने का संदेश दिया है। समाज को सन्मार्ग दिखाने की संत परम्परा के इस उद्देश्य को बागेश्वर धाम प्रभावी रूप से आगे बढ़ा रहे है।

राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु के सम्मुख जोड़ों की वरमाला रस्म संपन्न हुई, उन्होंने प्रतीक स्वरूप 3 जोड़ों को उपहार भेंट किए। श्री बागेश्वर धाम जन सेवा समिति द्वारा आयोजित सामूहिक विवाह समारोह में शामिल हुई 251 बेटियों में से 108 बेटियां जनजातीय समुदाय की हैं। राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु के बागेश्वर धाम पहुंचने पर पंडित धीरेंद्र शास्त्री ने अंगवस्त्रम और तुलसी की माला भेंट कर उनका अभिनंदन किया। राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु को पंडित धीरेंद्र शास्त्री ने हनुमान यंत्र, बालाजी सरकार का विग्रह, धाम से जुड़ा साहित्य और स्मृति चिन्ह भी भेंट किये। इस अवसर पर धाम द्वारा आयोजित छठे सामूहिक विवाह महोत्सव पर केंद्रित लघु फिल्म का प्रदर्शन हुआ। समारोह में खजुराहो सांसद श्री वी.डी. शर्मा विशेष रूप से उपस्थित रहे।

राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु ने कहा कि देश वुमेन लेड डेवलपमेंट को लेकर अग्रसर है। ऐसे समय में बेटियों को सबल और सशक्त बनाने में सहयोग करना समाज और सरकार का कर्तव्य है। बेटियों की शिक्षा, स्वास्थ्य और सुरक्षा पर ध्यान देना उन्हें आत्मनिर्भर बनाने में सहयोग करने के लिए जन-जन को प्रतिबद्ध होना होगा। बेटियों के सशक्त होने से परिवार, समाज और देश सशक्त होगा। श्रीमती मुर्मु ने कहा कि वर्ष 2047 में स्वतंत्रता की शताब्दी तक देश को आत्मनिर्भर बनाने के लक्ष्य के साथ हम अग्रसर हैं। हम ऐसे भारत का निर्माण करें, जो न केवल आर्थिक दृष्टि से आत्मनिर्भर हो अपितु सामाजिक समरसता से भी परिपूर्ण हो। देश पर्यावरण की दृष्टि से समृद्ध हो और आध्यात्म से विश्व को राह दिखाने में सक्षम हो। ऐसे राष्ट्र निर्माण में संतों की भूमिका महत्वपूर्ण है। उन्होंने संत समाज से मानव कल्याण की भावना के साथ देश में सामाजिक समरसता बढ़ाने के लिए हरसंभव प्रयास करने का आह्वान किया।

राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु ने पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री और श्री बागेश्वर धाम सेवा समिति द्वारा कराए जा रहे सामूहिक कन्या विवाह समारोह की सराहना की। राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु ने नव दम्पतियों को उपहार दिए। श्रीमती मुर्मु ने कहा कि यह प्रसन्नता का विषय है कि समारोह में नवविवाहित जोड़ों को गृहस्थी के लिए विभिन्न वस्तुओं के साथ-साथ उन्हें स्वावलंबी बनाने के लिए सिलाई मशीन जैसी उपयोगी वस्तुएं भी उपहार में दी जा रही हैं। राष्ट्रपति ने सामूहिक कन्या विवाह समारोह को जन सहयोग से जनकल्याण का श्रेष्ठ उदाहरण बताया।

राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु द्वारा स्वयं उपस्थित होकर प्रदेश के वर-वधुओं को आशीर्वाद प्रदान करने के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत को वर्ष-2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने के संकल्प की सिद्धि के लिए सभी प्रतिबद्ध हैं। देश के विकास के लिए सामाजिक चेतना आवश्यक है।

केजरीवाल को पंजाब से राज्यसभा भेजने की अटकलें

चंडीगढ़ (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी ने पंजाब से राज्यसभा सांसद संजीव अरोड़ा को लुधियाना वेस्ट विधानसभा सीट पर होने वाले उपचुनाव के लिए कैंडिडेट बनाया है। पार्टी ने बुधवार को इसकी जानकारी दी। कांग्रेस और भाजपा का दावा है कि आप संजीव अरोड़ा की जगह अब अरविंद केजरीवाल को राज्यसभा भेजेगी। कांग्रेस विधायक सुखपाल खैहरा ने कहा कि केजरीवाल ने सांसद अरोड़ा से कैबिनेट में जगह देने का सौदा किया है। इस साजिश से पता चलता है कि केजरीवाल एक दिन भी सत्ता के बिना नहीं रह सकते। भाजपा आईटी सेल प्रमुख अमित मालवीय ने भी संजीव अरोड़ा की उम्मीदवारी पर

सवाल उठाया। उन्होंने पूछा- क्या इस कदम का उद्देश्य अरविंद केजरीवाल के लिए पंजाब से राज्यसभा में नामांकन का रास्ता साफ करना है। क्या यह बेहतर नहीं होगा कि केजरीवाल के बजाय पंजाब से कोई व्यक्ति राज्य का प्रतिनिधित्व करे। कांग्रेस और भाजपा के दावों को आप प्रवक्ता प्रियंका कक्कड़ ने खारिज कर दिया है। प्रियंका ने कहा- अरविंद केजरीवाल न पंजाब के सीएम बन रहे हैं और न ही राज्यसभा जा रहे हैं। दोनों बातें बिल्कुल गलत हैं।

अरविंद केजरीवाल आप का सबसे बड़ा चेहरा हैं। दिल्ली में चुनाव हारने के बाद अब वह सिर्फ पार्टी के संयोजक हैं। क्क ने पूर्व मुख्यमंत्री आतिशी को दिल्ली विधानसभा का नेता प्रतिपक्ष बनाया है। ऐसे में संजीव अरोड़ा के विधानसभा जाने के बाद उनकी जगह केजरीवाल राज्यसभा जा सकते हैं। राज्यसभा में जाकर वह राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाना चाहते हैं। दिल्ली के बाद आप का सबसे बड़ा फोकस पंजाब और गुजरात पर है।

महाशिवरात्रि पर 12 ज्योतिर्लिंग समेत सभी शिव मंदिरों में भीड़

नई दिल्ली (एजेंसी)। देशभर में बुधवार को महाशिवरात्रि पर्व मनाया जा रहा है। मध्य प्रदेश के उज्जैन में महाकालेश्वर (महाकाल मंदिर) के पट मंगलवार रात 2.30 बजे खुले। सुबह 4 बजे मंगला आरती की गई। अगले 44 घंटे तक भक्त बिना अनुमति के भगवान महाकाल के दर्शन कर सकेंगे। वाराणसी के श्री काशी विश्वनाथ मंदिर मंगला आरती के बाद सुबह 3.30 बजे से श्रद्धालुओं के लिए लगातार 69 घंटे के लिए खोला गया है। चारों पहर की आरती के दौरान भी श्री काशी विश्वनाथ महादेव का झांकी दर्शन चलता रहेगा। सप्तऋषि और श्रृंगार आरती नहीं होगी। गुजरात में प्रथम ज्योतिर्लिंग श्री सोमनाथ महादेव मंदिर आज सुबह 4 बजे से लगातार 42 घंटे तक श्रद्धालुओं के लिए खुला है। वहीं झारखंड के देवघर स्थित बाबा वैद्यनाथ मंदिर में 2 लाख श्रद्धालुओं के आने की उम्मीद है। यहां सुबह से भी भक्तों की लंबी लाइन लगी हुई है। तमिलनाडु के कोयंबटूर में सद्गुरु जग्गी वासुदेव के ईशा योग सेंटर पर महाशिवरात्रि को लेकर

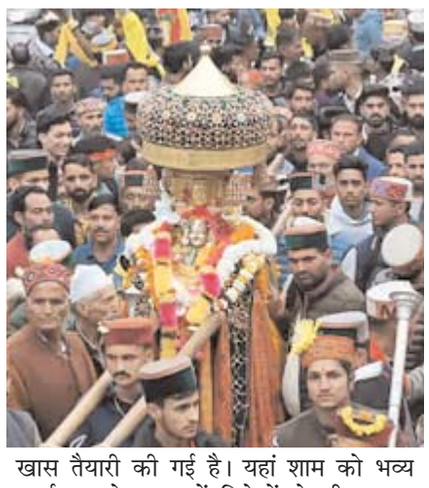

खास तैयारी की गई है। यहां शाम को भव्य कार्यक्रम होगा। इसमें विदेशों से भी श्रद्धालु पहुंचे हैं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार भी शामिल होंगे।

महाकुंभ- दुनिया के सबसे बड़े आयोजन का आखिरी दिन

प्रयागराज (एजेंसी)। महाकुंभ का आज आखिरी दिन है। पिछले 44 दिन में 65 करोड़ श्रद्धालु डुबकी लगा चुके हैं। ये आंकड़ा अमेरिका की आबादी (करीब 34 करोड़) से दोगुना है। महाशिवरात्रि पर्व स्नान के साथ ही 45 दिनों तक चले महाकुंभ का समापन हो जाएगा। एक्ट्रेस प्रीति जिंटा ने भी महाकुंभ जाने का वीडियो शेयर किया। लिखा- जो अनुभव हुआ, उसे बता नहीं सकती। आज शाम 6 बजे तक 1.44 करोड़ लोग स्नान कर चुके हैं। महाशिवरात्रि पर 3 करोड़ श्रद्धालुओं के पहुंचने का अनुमान है। यानी, कुल आंकड़ा 66 से 67 करोड़ तक पहुंच जाएगा। वहीं, महाकुंभ में ड्यूटी कर रहे एक सफाई कर्मचारी ने अपना गला काट लिया। ड्यूटी के दौरान ही वह शौचालय में गया और चाकू अपने गले में मार लिया। उसे अस्पताल ले जाया गया है, जहां उसकी हालत गंभीर है संगम में डुबकी लगाने वालों की यह संख्या 193 देशों की जनसंख्या से ज्यादा है। सिर्फ भारत और चीन की आबादी महाकुंभ आए श्रद्धालुओं से ज्यादा है। योगी सरकार ने दावा किया कि दुनिया में हिंदुओं की आधी आबादी के बराबर लोग यहां आए हैं। महाकुंभ में आखिरी स्नान को देखते हुए प्रयागराज शहर में 25 फरवरी की शाम से वाहनों की नो-एंट्री कर दी गई है।

राजौरी में सेना की गाड़ी पर आतंकी हमला

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के राजौरी में स्पष्ट के पास बुधवार दोपहर सेना की गाड़ी पर आतंकियों ने फायरिंग की। हमला सुंदरबनी इलाके के फाल गांव में हुआ। अधिकारियों ने बताया कि सेना का वाहन आतंकियों के इलाके से गुजर रहा था, इसी दौरान जंगल में छिपे आतंकियों ने कुछ राउंड फायर किए। उन्होंने बताया कि हमले में किसी जवान के घायल होने की खबर नहीं है।

पूरे इलाके की घेराबंदी कर दी गई है। एक्स्ट्रा फोर्स को मौके पर भेजा गया है। आतंकियों के लिए सर्च ऑपरेशन जारी है। अधिकारियों के मुताबिक जिस जगह पर हमला हुआ, वह इलाका आतंकियों की घुसपैठ का पारंपरिक रास्ता माना जाता है। 7 फरवरी को जानकारी सामने आई थी कि भारतीय सेना ने 7 पाकिस्तानी घुसपैठियों को मार गिराया था। घटना 4 फरवरी की रात पुंछ जिले में कृष्णा घाटी के पास हुई थी, जब पाकिस्तान की ओर से भारतीय सीमा में स्पष्ट के पास घुसपैठ की कोशिश की गई थी। सूत्रों ने दावा किया था कि भारतीय सेना की फॉरवर्ड पोस्ट पर हमले की प्लानिंग थी।

इसकी सूचना इंडियन आर्मी को मिली और उन्होंने पहले ही हमला कर साजिश को नाकाम कर दिया।

मणिपुर में 7 जिलों के लोगों ने हथियार सरेंडर किए

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लगने के बाद से ही हथियारों का सरेंडर जारी है। बुधवार को पुलिस ने बताया कि 87 तरह के हथियार, गोला-बारूद और अलग-अलग सामान लोग स्वेच्छा से सरेंडर कर रहे हैं। इंफाल ईस्ट, बिश्नुपुर, थौबल, कांगपोकपी, जिरीबाम, चुराचांदपुर और इंफाल वेस्ट जिलों में हथियार सरेंडर किए गए हैं। इधर, राज्यपाल अजय कुमार भल्ला ने मैतेई सशस्त्र समूह अरामबाई तेंगगोल के प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात की है। इसके बाद प्रतिनिधिमंडल ने कहा- राज्यपाल ने उन्हें राज्य में शांति और स्थिति को सामान्य करने के लिए मदद को कहा है। हथियारों के सरेंडर को लेकर कुछ शर्तों पर चर्चा हुई है। मणिपुर में 13 फरवरी को केंद्र सरकार ने राष्ट्रपति शासन लगाया। यह फैसला मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह के इस्तीफे के 4 दिन बाद लिया गया।

बिहार में चुनाव से 7 महीने पहले मंत्रिमंडल विस्तार

पटना (एजेंसी)। बिहार में अक्टूबर में होने वाले विधानसभा चुनाव से 7 महीने पहले बुधवार को नीतीश मंत्रिमंडल का विस्तार हुआ। 7 विधायकों को मंत्री पद की शपथ दिलाई गई। इनमें से 4 मिथिलांचल इलाके से हैं। इन्हें मिलाकर अब मिथिलांचल से 6 मंत्री हो गए हैं। आज मंत्री बनाए गए सभी विधायक भाजपा के हैं। इनमें 3 पिछड़े, 2 अति पिछड़े और 2 सवर्ण समुदाय से हैं। राज्य में एनडीए सरकार का 13 महीने में यह तीसरा विस्तार है। नीतीश सरकार में अब 36 मंत्री हैं। इनमें भाजपा के 21, जेडीयू के 13, बाकी एक हम से और एक निर्दलीय हैं। दरभंगा से भाजपा विधायक संजय सरावगी ने सबसे पहले शपथ ली। इसके बाद सुनील कुमार (बिहार शरीफ), जीवेश मिश्रा (जाले), राजू सिंह (साहेबगंज), मोतिलाल प्रसाद (रीगा), कृष्ण कुमार उर्फ मंटू (अमनौर), विजय मंडल (सिकटी) मंत्री बने।

बिहार में कुल 243 सीटें हैं। एनडीए के पास 131 सीटें हैं। इनमें से 40 सीटें मिथिलांचल से हैं। इसलिए मिथिलांचल को एनडीए का गढ़ कहा जाता है। मिथिलांचल के 6 जिलों (सीतामढ़ी, शिवहर, मधुबनी, दरभंगा, मुजफ्फरपुर, वैशाली) में 60 सीटें आती हैं। 2020 के विधानसभा चुनाव में यहां से एनडीए को 40 सीटें मिली थीं। आगामी चुनाव को देखते हुए यहां से 4 विधायक मंत्री बनाए गए हैं। कैबिनेट में मिथिलांचल के कुढ़नी से केदार प्रसाद गुप्ता और एमएलसी हरि सहनी पहले से ही मंत्री हैं। इस हिसाब से कैबिनेट में 6 मंत्री मिथिलांचल के हो गए हैं।

दिल्ली विधानसभा सत्र 3 मार्च तक बढ़ा

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली विधानसभा सत्र को 3 मार्च तक बढ़ा दिया गया है। पहले 24 फरवरी को शुरू हुआ सत्र 27 फरवरी को खत्म होने वाला था। विधानसभा स्पीकर विजेंदर गुप्ता ने कहा- हम सदन में जितनी संभव हो सके उतनी ष्टत्त रिपोर्ट पेश करेंगे। अब विधानसभा सत्र 4 दिन के लिए बढ़ गया है। आगे उन्होंने बताया कि सरकार और विपक्ष दोनों दलों के 12-14 सदस्यों वाली एक पब्लिक अकाउंट्स कमेटी बनाई जाएगी। सदन में चर्चा के बाद रिपोर्ट्स को पीएसी के पास भेजा जाएगा। कमेटी की फाइंडिंग्स मिलने के बाद सदन उचित कार्रवाई करेगा। दिल्ली विधानसभा में 25 फरवरी को नई शराब नीति पर कंप्ट्रोलर एंड ऑडिटर जनरल ऑफ इंडिया की

रिपोर्ट पेश हुई। दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता ने यह रिपोर्ट 25 फरवरी को पेश की। यह ऑडिट 2017-18 से 2020-21 तक का है। इसके मुताबिक, दिल्ली की शराब नीति बदलने से 2,002 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ। शराब नीति में कुछ थोक विक्रेताओं और निर्माताओं में 'विशेष व्यवस्था' से मोनोपॉली और ब्रांड प्रमोशन का खतरा पैदा हुआ। आप सरकार ने 10 साल से कैग की 14 रिपोर्ट सदन में पेश नहीं कीं। 71 प्रतिशत आपूर्ति 3 थोक विक्रेताओं के कब्जे में थी कैग रिपोर्ट के अनुसार, तीन थोक विक्रेताओं ने कुल शराब आपूर्ति का 71त्न हिस्सा नियंत्रित कर लिया। इनका कमीशन 5त्न से बढ़ाकर 12 प्रतिशत किया। वहीं, गैर-अनुरूप क्षेत्रों में शराब की दुकानों के लिए समय पर अनुमति न लेने से 941.53 करोड़ का राजस्व नुकसान हुआ। विधानसभा में आबकारी ऑडिट रिपोर्ट पेश की गई। इसके सात अध्याय 2017-21 की आबकारी नीति पर हैं। एक अध्याय नई आबकारी नीति पर है। दिल्ली सरकार ने पुरानी आबकारी नीति की खामियों और भ्रष्टाचार को दिल्ली की जनता के सामने उजागर किया था। उस नीति के तहत हरियाणा और यूपी से अवैध रूप से शराब लाई जाती थी। यह रिपोर्ट वही बात दोहरा रही है जो हमने कहा था कि पुरानी नीति के कारण दिल्ली की जनता को घाटा हो रहा है। इस नीति से यह स्पष्ट होता है कि पुरानी नीति को हटाकर आप सरकार ने सही फैसला लिया।

शुभमन गिल न्यूजीलैंड के खिलाफ मचाएंगे तबाही

नई दिल्ली (एजेंसी)। दुबई में खेले जाने वाले इस मैच में एक तरफ जहां भारतीय टीम मैच को जीतने की कोशिश करेगी तो वहीं दूसरी तरफ कीवी टीम की भी यही कोशिश होगी। न्यूजीलैंड को पता है कि भारतीय टीम में स्टार खिलाड़ियों की कोई कमी नहीं है, लेकिन उन्हें सबसे ज्यादा खतरा टीम इंडिया के उपकप्तान शुभमन गिल से है। जिन्होंने पहले बांग्लादेश और फिर पाकिस्तान के खिलाफ शानदार पारी खेली। वहीं गिल ने दो साल पहले 18 जनवरी 2023 को न्यूजीलैंड के खिलाफ यादगार पारी खेली थी। जिसे कीवी टीम शायद ही भूली है। शुभमन गिल का न्यूजीलैंड के खिलाफ गजब का वनडे रिकॉर्ड है और इसके बारे में हम आपको बताते हैं, लेकिन उससे पहले उन्होंने 2 साल पहले यानी 18 जनवरी 2023 को कीवी टीम के खिलाफ जो पारी खेली थी उसके बारे में बताते हैं। गिल की उस पारी को कीवी टीमशायद ही भूली होगी। गिल ने हैदराबाद में कीवी टीम के खिलाफ 9 छक्के और 19 चौकों की मदद से 208 रन की पारी खेली थी। गिल ने इस दौरान 149 गेंदों का सामना किया था। उन्होंने उस मैच में जिस तरह कीवी गेंदबाजों के फीते खोले थे वो वाकई काबिलेतारीफ थी। और इस मैच को भारत ने जीता था। ये गिल के वनडे क्रिकेट करियर का सबसे बड़ा स्कोर है साथ ही वो इस पारी के बाद वनडे फॉर्मेट में भारत की तरफ से तीसरे सबसे तेज दोहरा शतक लगाने वाले बल्लेबाज भी बन गए थे।

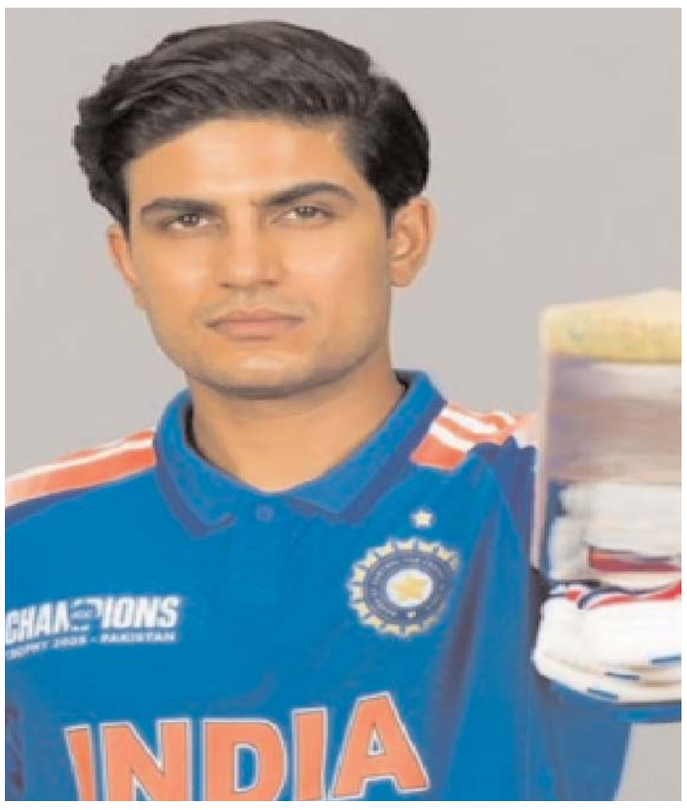

गिल ने कीवी टीम के खिलाफ इस मैच में 145 गेंदों पर ये कमाल किया था। गिल का बल्ला वनडे में कीवी टीम के खिलाफ खूब चलता है और उनका वनडे रिकॉर्ड इस टीम के खिलाफ बेहद तगड़ा है। मौजूदा भारतीय टीम में जितने भी बल्लेबाज हैं गिल का औसत उन सबमें कीवी टीम के खिलाफ सबसे ज्यादा है। गिल ने न्यूजीलैंड केखिलाफ अब तक 10 वनडे खेले हैं और इन मैचों की 10 पारियों में उन्होंने 84.28 की औसत से रन बनाए हैं। गिल नेइस टीम के खिलाफ 10 मैचों में 2 शतक व 2 अर्धशतक लगाए हैं और बेस्ट स्कोर 208 रन रहा है। 10 पारियों में वो इस टीम के खिलाफ 3 बार नाबाद रहे हैं और इस दौरान 60 चौके वो 21 छक्के भी लगाए हैं।

इंटरनेशनल मास्टर्स लीग की अंकतालिका में टॉप पर भारत

नई दिल्ली (एजेंसी)। क्रिकेट के भगवान कहे जाने वाले सचिन तेंदुलकर ने 21 गेंद में 34 रन की पारी खेली जिससे इंडिया मास्टर्स ने मंगलवार को अंतर्राष्ट्रीय मास्टर्स लीग में इंग्लैंड मास्टर्स को 9 विकेट से मात दी। डीवाई पाटिल स्पोर्ट्स अकादमी में इंडिया मास्टर्स ने 132 रन का लक्ष्य 11.4 ओवर में ही हासिल कर लिया। इस जीत के साथ ही भारत पॉइंट्स टेबल में टॉप पर पहुंच गई है। इंटरनेशनल मास्टर्स लीग में 6 टीमें हिस्सा ले रही हैं। भारत के अलावा वेस्टइंडीज, साउथ अफ्रीका, श्रीलंका, ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड की टीमें भी शामिल हैं। भारत ने अब तक दो मैच खेले हैंऔर दोनों में जीत हासिल की है। उन्होंने पहले मैच में श्रीलंका को मात दी वहीं दूसरे मुकाबले में इंग्लैंड को हराया।

इमरान ने भारत से पाकिस्तान की हार पर गहरा दुख जताया

इस्लामाबाद (एजेंसी)। जेल में बंद पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की बहन अलीमा खान के अनुसार यह पूर्व कप्तान चैंपियन्स ट्रॉफी में अपने देश की क्रिकेट टीम के प्रदर्शन से दुखी है। मेजबान पाकिस्तान कराची में न्यूजीलैंड और दुबई में भारत से बड़ी हार के बाद आठ टीमों की चैंपियन्स ट्रॉफी से बाहर होने वाली शुरुआती टीमों में शामिल रहा। इमरान से मुलाकात के बाद अलीमा ने रावलपिंडी की अदियाला जेल के बाहर मीडिया से कहा, ''पीटीआई (पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ) के संस्थापक ने भारत के खिलाफ मैच हारने पर गहरा दुख जताया है।''अलीमा ने कहा कि 1992 विश्व कप में खिताबी जीत के दौरान पाकिस्तान की कप्तानी करने वाले पूर्व करिश्माई क्रिकेटर इमरान ने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के अध्यक्ष मोहसिन नकवी की क्रिकेट संबंधी साख पर भी सवाल उठाए। अलीमा ने कहा, ''इमरान ने कहा कि जब अपने पसंदीदा लोगों को निर्णय लेने का अधिकार दिया जाएगा तो क्रिकेट अंततः नष्ट हो जाएगा।'' अलीमा ने बताया कि क्रिकेटर से राजनेता बने इमरान ने चिर प्रतिद्वंद्वी टीमों के बीच मैच देखा।

टीम इंडिया के दुबई में खेलने पर जोस बटलर ने कसा तंज

नई दिल्ली (एजेंसी)। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के अपने सभी मैच भारत हाइब्रिड मॉडल के तहत दुबई के मैदान पर खेल रहा है। पाकिस्तान चैंपियंस ट्रॉफी का मेजबान है लेकिन भारत ने सुरक्षा कारणों से पाकिस्तान जाने से इनकार कर दिया था। अभी तक टूर्नामेंट में भारत ने अपने दो मुकाबले खेले हैं जिसमें उसे बेहतरीन जीत मिली है। जिसके बाद टीम इंडिया के एक ही वेन्यू पर खेलने को लेकर सवाल उठने लगे हैं। पहले ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस और अब इंग्लैंड के जोस बटलर ने अपने मन की टीस निकाली है। इस दौरान उन्होंने तंज कसते हुए चैंपियंस ट्रॉफी को अनोखा टूर्नामेंट करार दिया। बटलर ने अफगानिस्तान के खिलाफ मैच से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा गया कि, नहीं मुझे लगता है कि पहले से ही अनोखा टूर्नामेंट है, है न। यहां एक टीम दूसरे स्थान पर खेल रही है, लेकिन मैं इसके बारे में इस समय बहुत चिंतित नहीं हूं। मेरा पूरा ध्यान आज अफगानिस्तान वर्सेस इंग्लैंड मैच की अच्छी तैयारी पर है। बता दें कि, इंग्लैंड और अफगानिस्तान के बीच लाहौर में मुकाबला खेला जा रहा है। ग्रुप-बी का हिस्सा दोनों टीमों का टूर्नामेंट में पहली जीत की तलाश है। वहीं ग्रुप-ए में शामिल भारत और न्यूजीलैंड सेमीफाइनल में एंट्री कर ली है। वहीं चोटिल होने के चैंपियंस ट्रॉफी में नहीं खेल रहे भी भारत के दुबई में खेलने पर अपनी राय दी थी। उनका मानना है कि भारत को दुबई में एक ही वेन्यू पर खेलने का फायदा मिल रहा है जबकि अन्य टीमों को हाइब्रिड मॉडल के अनुसार खेले जा रहे इस टूर्नामेंट में ग्रुप चरण के अपने मैच पाकिस्तान के कई स्थानों पर खेलने पड़ रहे हैं।

न्यूजीलैंड के खिलाफ शाहिद अफरीदी का वर्ल्ड रिकॉर्ड तोड़ सकते हैं रोहित शर्मा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के सेमीफाइनल में जगह पक्की कर ली है। भारत ने अपने पहले मुकाबले में बांग्लादेश को हराया और फिर पाकिस्तान की टीम को धूल चटाई। भारतीय टीम अब 2 मार्च को न्यूजीलैंड के खिलाफ आखिरी लीग मैच में खेलते हुए नजर आएगी। इस दौरान भारतीय कप्तान रोहित शर्मा के पास एक बड़ी उपलब्धि हासिल करने का मौका होगा। रोहित शर्मा इस टूर्नामेंय में अच्छी लय में नजर आ रहे हैं और शुभमन गिल के साथ भारत को बेहतरीन शुरुआत दिलाई है।

रोहित शर्मा वनडे में एक बड़े रिकॉर्ड के काफी करीब हैं। रोहित ने वनडे में 339 छक्के लगाए हैं। अगर वह आने वाले मैच में 11 छक्के लगाने में कामयाब होते हैं तो वह वनडे में सबसे तेज 350 छक्के लगाने वाले दुनिया के पहले बल्लेबाज बन जाएंगे। 13 छक्के लगाने से वह शाहिद अफरीदी (351) को पीछे छोड़कर वनडे क्रिकेट में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बल्लेबाज बन जाएंगे। बता दें कि, रोहित पहले से ही अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बल्लेबाज हैं, उन्होंने 632 छक्के लगाए हैं।

रोहित शर्मा हाल ही में वनडे क्रिकेट में 11 हजार रन बनाने वाले दूसरे सबसे तेज खिलाड़ी बने हैं। उन्होंने 261वीं पारी में ये उपलब्धि हासिल की। विराट कोहली पहले स्थान पर हैं, जिन्होंने 222 पारियों में 11000 रन बनाए थे।

जब दुबई के सड़कों पर घूमने निकले कप्तान रोहित शर्मा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय टीम ने चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। टीम ने अपने पहले मैच में बांग्लादेश को रौंदा और फिर पाकिस्तान को 6 विकेट से धूल चटाई। इसके साथ ही टीम ने सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली। वहीं लगातार दो मैच जीतने के बाद टीम इंडिया ब्रेक पर है। क्योंकि अब टीम का अगला मुकाबला न्यूजीलैंड से 2 मार्च को है। ऐसे में खिलाड़ी आराम कर रहे हैं और कुछ दुबई में घूम रहे हैं। इस बीच रोहित शर्मा का सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें वह दुबई की सड़कों पर घूमते हुए दिख रहे हैं। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में शुरुआती दो गेम जीतने के बाद भारतीय खिलाड़ी कुछ दिन बाद मैदान पर उतरेंगे। इस बीच कप्तान रोहित शर्मा का सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ है, जिसमें वह दुबई में फील्डिंग कोच टी दिलीप के साथ सड़कों पर दिखे। इस दौरान फैंस ने उन्हें घेर लिया और उनके साथ सेल्फी लेने की होड़ मच गई। चैंपियंस ट्रॉफी में भारत ने फील्डिंग को छोड़ दिया जाए तो अभी तक गेंदबाजी और बैटिंग धमाकेदार प्रदर्शन किया है। भारत ने दोनों मैचों में विपक्षी टीमों को ऑलआउट किया है। शुभमन गिल और विराट कोहली ने शतक लगाया है। सलामी बल्लेबाज गिल लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। वहीं श्रेयस अय्यर ने भी अहम पारियां खेली हैं।

स्टार्क ने कहा, चैंपियन्स ट्रॉफी से बाहर रहने के पीछे टखने का दर्द मुख्य कारण

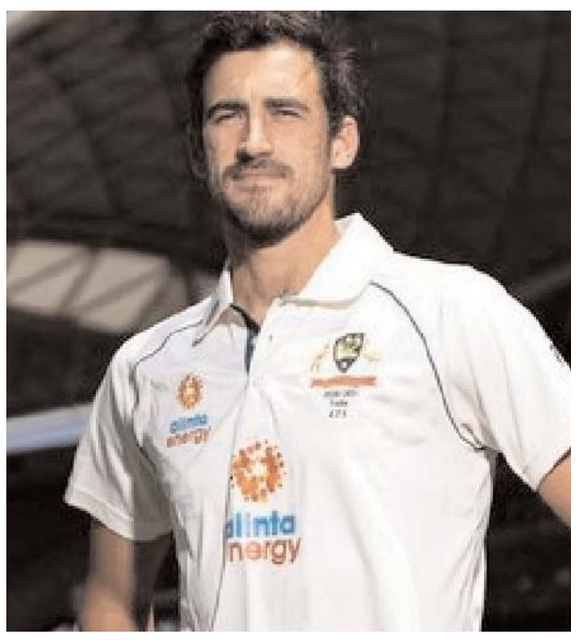

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज मिशेल स्टार्क ने स्पष्ट किया है कि पाकिस्तान में चल रही चैंपियन्स ट्रॉफी से बाहर रहने के उनके फैसले के पीछे मुख्य कारण टखने का दर्द है। हाल ही में श्रीलंका में श्रृंखला के दौरान टखने में दर्द के अलावा बाएं हाथ के तेज गेंदबाज ने यह भी कहा था कि उनके फैसले के पीछे कुछ 'व्यक्तिगत विचार' भी थे।

स्टार्क ने 'विलो टॉक पॉडकास्ट' पर कहा, ''कुछ अलग-अलग कारण हैं, कुछ व्यक्तिगत विचार हैं।'' उन्होंने कहा, ''टेस्ट श्रृंखला के दौरान मेरे टखने में थोड़ा दर्द था इसलिए मुझे बस इसे ठीक करने की जरूरत है। बेशक (विश्व) टेस्ट (चैंपियनशिप) फाइनल होने वाला है और उसके बाद वेस्टइंडीज का दौरा है। कुछ आईपीएल क्रिकेट भी है।''

स्टार्क ने कहा, ''लेकिन मेरे दिमाग में सबसे ऊपर फाइनल टेस्ट है। अपने शरीर को ठीक करूंगा, अगले कुछ महीनों में कुछ क्रिकेट खेलूंगा और फिर (डब्ल्यूटीसी) फाइनल के लिए तैयार हो जाऊंगा।'' पैंतीस वर्षीय स्टार्क ने इन गर्मियों में भारत और श्रीलंका के खिलाफ सात टेस्ट मैच खेले हैं और ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाजों में सबसे व्यस्त रहे। ऑस्ट्रेलिया के लिए आगामी कार्यक्रम काफी व्यस्त है जिसमें जून में लॉर्ड्स में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) का फाइनल होना है। उसके बाद वेस्टइंडीज का तीन टेस्ट का दौरा है। स्टार्क आगामी इंडियन प्रीमियर लीग में दिल्ली कैपिटल्स के लिए भी खेलेंगे।

जोफा आर्चर ने 50 विकेट लेकर रचा इतिहास, टूटा जेम्स एंडरसन का रिकॉर्ड

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंग्लैंड के पेसर जोफा आर्चर ने बुधवार को अफगानिस्तान के खिलाफ इतिहास रच दिया है। दरअसल, इस दौरान उन्होंने बेहतरीन गेंदबाजी की और पावरप्ले में तीन विकेट झटक लिए। आर्चर ने लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में रहमानुल्लाह गुरबाज (6), सिद्दिकल्लाह अटल (4) और रहमत शाह (4) का शिकार किया। आर्चर ने पांचवें ओवर में जैसे ही गुरबाज को बोल्ड किया तो वनडे क्रिकेट में 50 विकेट कंप्लीट कर लिए। उन्होंने नया इतिहास रच डाला है। दरअसल, आर्चर इंग्लैंड के लिए वनडे में सबसे तेज 50 विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए हैं। उन्होंने 30 वनडे मैचों में ये धांसू कारनामा अंजाम दिया। आर्चर ने पूर्व दिग्गज तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन का रिकॉर्ड तोड़ा है, जिन्होंने 31 मैचों में 50 शिकार पूरे किए थे। लिस्ट में तीसरे स्थान पर पूर्व इंग्लिश गेंदबाज स्टीव हार्मिसन हैं। उन्होंने 32 वनडे में ऐसा किया किया। उनके बाद स्टीवन फिन (33), डैरेन गफ (34) और स्टुअर्ट ब्रॉड (34) का नंबर है। वनडे इतिहास में सबसे तेज 50 विकेट लेने का रिकॉर्ड पूर्व श्रीलंकाई स्पिनर अजंता मेंडिस के नाम दर्ज है। मेंडिस ने सिर्फ 19 मैचों में ये उपलब्धि हासिल की थी। नेपाल के संदीप लामिछाने ने 22 मैचों में ऐसा किया। भारत के लिए सबसे तेज 50 वनडे विकेट पूर्व ऑलराउंडर और मौजूदा चीफी सेलेक्टर अजीत अगरकर ने चटकाए हैं। उन्होंने 23 मैचों में ये कमाल किया था। न्यूजीलैंड के मिशेल मैक्लेनाघन ने भी 23 मैचों में 50 शिकार

विराट कोहली को हुआ बड़ा फायदा, टॉप-5 में की एंट्री

नई दिल्ली। बुधवार को आईसीसी ने वनडे प्लेयर्स की ताजा रैंकिंग जारी की है। भारत के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली, तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी और स्पिनर कुलदीप यादव को ताजा रैंकिंग में एक-एक स्थान का फायदा मिला है। कोहली ने फिर से टॉप-5 में एंट्री मारी है। वह 743 अंकों के साथ पांचवें पायदान पर हैं। उन्होंने आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में पाकिस्तान के खिलाफ 111 गेंदों में नाबाद 100 रन बनाए थे, जिसमें सात चौके शामिल हैं। ये कोहली का 52वां वनडे और 82वां इंटरनेशनल शतक था।

टॉप पर काबिज हैं। उनके 817 अंक हैं। कप्तान रोहित शर्मा (757) तीसरे और श्रेयस अय्यर (679) नौवें नंबर पर बरकरार हैं। पाकिस्तान के स्टार बल्लेबाज बाबर आजम (770) दूसरे पायदान पर हैं। उन्होंने भारत के खिलाफ 26 गेंदों में 23 रन बनाए थे। भारत के विकेटकीपर बल्लेबाज केएल राहुल दो पायदान ऊपर 15वें नंबर पर आ गए हैं। भारत ने महामुकाबले में पाकिस्तान को 6 विकेट से धूल चटाई थी। भारत ने सेमीफाइनल में सीट

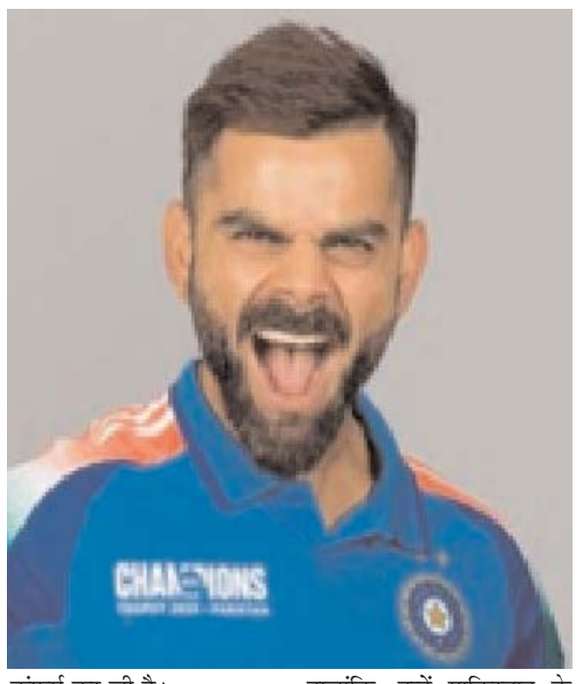

कंफर्म कर ली है।

न्यूजीलैंड के विल यंग, ऑलराउंडर रचिन रविंद्र और इंग्लैंड के बेन डकेट को शतक का लाभ मिला है। जबकि गेंदबाजों की रैंकिंग में मोहम्मद शमी 14वें स्थान पर पहुंच गए हैं। उनके 599 अंक हैं। शमी ने बांग्लादेश के खिलाफ 53 रन देकर 5 विकेट चटकाए थे। हालांकि, उन्हें पाकिस्तान के खिलाफ कोई विकेट नहीं मिला। कुलदीप बांग्लादेश के सामने खाली हाथ रहे लेकिन पाकिस्तान के खिलाफ 40 रन देकर तीन शिकार किए। वह अब 656 अंकों के साथ तीसरे पायदान पर हैं। टॉप-10 गेंदबाजों में कुलदीप यादव एकमात्र भारतीय गेंदबाज हैं।

पाकिस्तान में 100 से ज्यादा पुलिसकर्मी बर्खास्त

नई दिल्ली। पाकिस्तान में आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का आयोजन हो रहा है। इसके लिए कई पुलिस अधिकारियों को टीमों की सुरक्षा में तैनात किया गया है। लेकिन अब खबर आ रही हैं कि पाकिस्तान में 100 से ज्यादा पुलिसकर्मियों को आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के दौरान सौंपी गई सुरक्षा ड्यूटी को निभाने से इनकार करने से सेवा से बर्खास्त कर दिया गया है। पुलिस ने मंगलवार को ये जानकारी दी। बर्खास्त किए गए कर्मी पुलिस बल का विभिन्न शाखाओं से जुड़े थे। पंजाब पुलिस ने एक अधिकारी के अनुसार चैंपियंस ट्रॉफी के दौरान कई मौकों पर ड्यूटी से अनुपस्थित पाए जाने पर 100 से ज्यादा पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को उनके पदों से हटा दिया गया है। जबकि अन्य ने अपने सौंप गए कार्यों को निभाने से इनकार कर दिया है। उन्होंने कहा कि, पुलिस अधिकारियों को लाहौर में गद्दाफी स्टेडियम से निर्दिष्ट होटलों के बीच यात्रा करने वाली टीमों के लिए सुरक्षा प्रदान करने के लिए नियुक्त किया गया था।

आईपीएल के दौरान खिलाड़ियों को मिलेगा टेस्ट सीरीज की तैयारी का मौका

नई दिल्ली (एजेंसी)। टीम इंडिया मौजूदा समय में दुबई में चैंपियंस ट्रॉफी 2025 खेल रही है। इसके बाद आईपीएल 2025 का आगाज हो जाएगा। हालांकि, आईपीएल 2025 के दौरान भारतीय खिलाड़ियों को कई और जिम्मेदारियों को भी निभाना पड़ सकता है। जनवरी के पहले हफ्ते को छोड़ दें तो टीम इंडिया ने व्हाइट बॉल क्रिकेट ही खेली है, लेकिन आईपीएल 2025 के बाद भारत को इंग्लैंड दौरे पर जाना है। जहां पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेली जाएगी। इस सीरीज की तैयारी भी बोर्ड कराना चाहता है। चैंपियंस ट्रॉफी के बाद दो महीने तक आईपीएल में व्हाइट बॉल से क्रिकेट होगी। ऐसे में खिलाड़ियों को लाल गेंद वाली गतिविधियों में भी शामिल होने पड़ सकता है। क्रिकबज की रिपोर्ट के मुताबिक, भारतीय कंट्रोल बोर्ड यानी बीसीसीआई आईपीएल सत्र के दौरान खिलाड़ियों को टेस्ट क्रिकेट, लाल गेंद के प्रारूप से जुड़े रहने के लिए रणनीति पर काम कर रहा है। ये संभावना है कि खिलाड़ियों को कभी-कभार

लाल गेंद के अभ्यास सत्र में भाग लेने के लिए भी कहा जा सकता है, क्योंकि इंग्लैंड का दौरा अहम है। बता दें कि, भारतीय बोर्ड का लक्ष्य न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया से मिली टेस्ट सीरीज हार के सिलसिले को तोड़ना है। आईपीएल 22 मार्च से 25 मई तक चलेगा।

इसके करीब 25 दिन बाद से भारतीय टीम को इंग्लैंड में पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेलनी है। पहला मैच 20 जून से हेडिंग्ले में खेला जाएगा। योजना का क्रियान्वयन किस प्रकार किया जाएगा, इसका सटीक विवरण गोपनीय रखा जा रहा है, लेकिन ओवरलैपिंग सिस्टम के संबंध में कुछ प्रारंभिक बैठकें पहले ही हो चुकी हैं। बीसीसीआई योजनाओं के सहयोग से भारतीय टीम मैनेजमेंट के प्रमुख लोगों के बीच दुबई में चर्चा हुई, जहां खिलाड़ी वर्तमान में चैंपियन ट्रॉफी अभियान में व्यस्त हैं। रविवार को दुबई में भारत-पाकिस्तान मैच के बाद निर्णयकर्ताओं के बीच इन मिश्रित गतिविधियों के रोडमैप पर संक्षिप्त चर्चा हुई। 9 मार्च को चैंपियंस ट्रॉफी के समापन के बाद अतिरिक्त बैठकें होने की उम्मीद है। फिलहाल आईपीएल शुरु होने में दो हफ्ते से भी कम का समय बचा है। बोर्ड आईपीएल के दौरान खिलाड़ियों को अपनी-अपनी फ्रेंचाइजी के लिए खेलने पर फोकस करने देती है लेकिन इस बार चीजें थोड़ी सी अलग हो सकती हैं।

कलेक्टर ने पीएचई एवं जल निगम के कार्यों की समीक्षा की

योजना बनाकर हर व्यक्ति के घर तक नल से पहुंचायें पानी

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित समीक्षा बैठक में कलेक्टर प्रतिभा पाल ने लोक स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग एवं जल निगम के कार्यों की समीक्षा की। बैठक में नलजल योजनाओं की प्रगति, बंद नलजल योजनाओं को शुरू कराने तथा बिगड़े हैण्डपंपों के सुधार की विकासखण्डवार समीक्षा की गई।

बैठक में कलेक्टर ने कहा कि गर्मी के मौसम में जिले के प्रत्येक व्यक्ति को पानी की उपलब्धता सुनिश्चित कराना पहली प्राथमिकता होनी चाहिए। आमजन को पेयजल उपलब्ध कराने के लिए अधिकारियों की जिम्मेदारी तय करें। पेयजल उपलब्धता के लिए आवश्यक संसाधनों तत्काल आपूर्ति करायें। नलजल परियोजनाओं को पूरा करने में आ रही समस्याओं का शीघ्र निराकरण करें ताकि ग्रामीण क्षेत्रों में हर व्यक्ति के घर तक नल से पानी पहुंच सके। कलेक्टर ने नलजल परियोजनाओं की वर्तमान स्थिति के बारे में जानकारी लेते हुए कहा कि गांवों में हर घर में जल पहुंचाना चुनौतीपूर्ण कार्य है, जिसके लिए समुचित कार्य योजना बनाकर कार्य करें। बैठक में कलेक्टर ने निर्देश दिए कि जिले भर में स्थापित हैंडपंपों में से सुधार योग्य हैंडपंपों में सात दिवस के अंदर सुधार कार्य कराकर रिपोर्ट प्रस्तुत करें। एकल ग्राम नल जल योजना के अपूर्ण कार्यों को जनपद के सीईओ पूर्ण कराएं। घरेलू नल कनेक्शन में ब्लॉक स्तर पर आ रही समस्याओं को मीटिंग के माध्यम से समाधान कराएं और घरेलू नल कनेक्शन में प्रगति लाएं। प्रगतिरत अपूर्ण टंकियों का कार्य शीघ्र पूर्ण कराएं तथा नवीन पानी की टंकियों के लिए निर्माण स्थल का लेआउट कराएं और स्थल आवंटन का कार्य पूर्ण कर कार्य संपादित करें। ग्रामों में स्थापित सिंगल फेस मोटर पंप की निगरानी के लिए सभी जनपद सीईओ मनरेगा की टीम लगाकर मोटर पंप चेक कराएं। सभी मोटर पंप चालू हालत में रहें। जल जीवन मिशन के तहत स्कूल और आंगनवाड़ी केंद्रों में सिंगल फेस मोटर लगाने में आ रही विद्युत कनेक्शन की समस्या का शीघ्र समाधान कराएं। जल जीवन मिशन के तहत पूर्ण नलजल योजनाओं में निर्माण एजेंसी द्वारा पाइपलाइन बिछाने के लिए खोदी गयी सड़कों की मरम्मत तत्काल करायें।

समीक्षा बैठक के दौरान गंगेव और सिरमौर विकासखंड में हैंडपंप सुधार की अधिक संख्या में शिकायतें लंबित पाए जाने पर कलेक्टर ने नाराजगी व्यक्त करते हुए संबंधित एजेंसियों को पेनाल्टी लगाने के निर्देश दिए। सिरमौर में हैंडपंप सुधार की शिकायतों के निराकरण के लिए टीम बढ़ाने तथा संबंधित एजेंसी को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए। पीएचई विभाग की सीएम हेल्पलाइन में लंबित शिकायतों की समीक्षा के दौरान संतुष्टिपूर्वक कार्य संपादन न करने पर गंगेव, रायपुर कर्चुलियान और रीवा जनपद सीईओ का असंचयी प्रभाव से वेतन वृद्धि रोकने का नोटिस देने के निर्देश कलेक्टर ने दिए। उन्होंने कहा कि एल-1 में शिकायतों का जवाब फीड कर संतुष्टिपूर्वक प्रकरणों का निराकरण तत्परता से कराएं। बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत मेहताब सिंह गुर्जर, कार्यपालन यंत्री पीएचई संजय पाण्डेय, महाप्रबंधक जल निगम चित्रांशु, जनपदों के सीईओ सहित संबंधित अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

छेड़ख़ानी से परेशान छात्रा ने उठाया आत्मघाती कदम

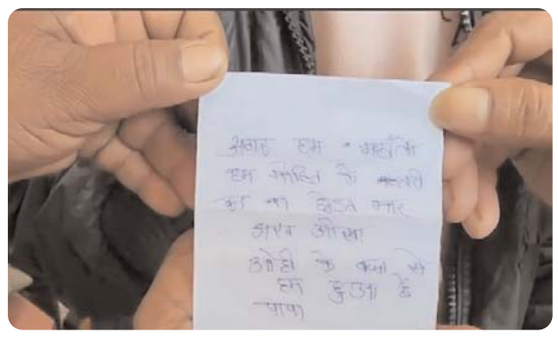

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। सीधी जिले में छेड़ख़ानी से परेशान होकर छात्रा द्वारा जान देने का मामला सामने आया है। [20] छात्रा ने आत्मघाती कदम उठाने से पहले अपने पिता के नाम एक सन्देश भी छोड़ा है। जिसमे उसने लिखा है कि "अगर हम मरते है तो उसे मत छोड़ना पापा" छात्रा ने सन्देश में अपनी मौत का जिम्मेदार आकाश सिंह उर्फ़ मोहित नामक शख्स और उसकी माँ को ठहराया है। जिन्हे किसी भी हालत में न छोड़ने की बात लिखी है। बतादें कि ज़हर का सेवन करने के बाद गंभीर हालत में रीवा के संजय गांधी अस्पताल में भर्ती कराई गई छात्रा की मौत हो गई है। ये मामला सीधी जिले के चोरहट थाना क्षेत्र के ग्राम गढ़िया का है।

किसानों के रकबे और फसल का समय सीमा में सत्यापन करें

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। समर्थन मूल्य पर गेंहू उपार्जन के लिए किसानों का पंजीयन किया जा रहा है। किसान निर्धारित खरीदी केन्द्रों अथवा ऑनलाइन 31 मार्च तक पंजीयन करा सकते हैं। कलेक्टर ने गेंहू उपार्जन के लिए पंजीयन कराने वाले किसानों के गेंहू के रकबे के सत्यापन के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर ने कहा है कि सभी एसडीएम तथा तहसीलदार ई उपार्जन पोर्टल पर किसानों द्वारा दर्ज किए गए गेंहू के रकबे का गिरदावरी से प्राप्त जानकारी के अनुसार सत्यापन करें। गिरदावरी से अलग गेंहू का रकबा पाए जाने तथा गत वर्ष के पंजीयन से 50 प्रतिशत अधिक रकबा मिलने पर किसान द्वारा दर्ज रकबे का मिलान कराएं। जिन किसानों ने पाँच हेक्टेयर से अधिक रकबे का पंजीयन किया है उनका भी सत्यापन अनिवार्य रूप से करें। वनाधिकार धारित पट्टा किसानों के फसल की किस्म का सत्यापन वन विभाग के सहयोग से करें। उपार्जन के लिए पंजीकृत सिकमी तथा बटाईदार किसान एवं कोटवार वन पट्टाधारी किसानों द्वारा दर्ज रकबे का सत्यापन भी अनिवार्य रूप से करें। ऑनलाइन सत्यापन करने के लिए खाद्य विभाग द्वारा उपलब्ध कराई गई आईडी और पासवर्ड का उपयोग करें।

बोर्ड की 10वीं की परीक्षा हुई शुरू, सुबह 9 बजे से हुआ पेपर

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। माध्यमिक शिक्षा मंडल मध्य प्रदेश द्वारा हाई स्कूल कक्षा 10वीं की वार्षिक परीक्षा 27 फरवरी यानी से आरंभ हो गई है। यह परीक्षा 21 मार्च तक आयोजित की जाएगी। परीक्षा नियमित तथा स्वाध्याय परीक्षार्थियों के लिए प्रातः 9 से दोपहर 12 बजे तक रहेगी। सभी परीक्षार्थी परीक्षा केंद्र में प्रातः 8 बजे एवं परीक्षा कक्ष में सुबह 8.30 बजे प्रवेश किए। परीक्षा कक्ष में सुबह 8.45 के बाद किसी भी परीक्षार्थी को प्रवेश नहीं दिया गया।

परीक्षार्थियों को परीक्षा प्रारंभ होने से 10 मिनट पूर्व सुबह 8.50 पर उत्तर पुस्तिका एवं 5 मिनट पूर्व 8.55 मिनट पर प्रश्न पत्र दिए गए। प्रवेश देने से पहले प्रत्येक परीक्षार्थी का उपस्थिति पत्रक की फोटो से मिलान किया गया। पहला पेपर हिंदी का हुआ। एमपी बोर्ड की कक्षा 10वीं की परीक्षा में रीवा जिले में 2379 और मऊगंज जिले में 7467 छात्र पंजीकृत है दोनों जिलों में 94 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। इस परीक्षा को शांतिपूर्ण संपन्न कराने के लिए 2143 पर्यवेक्षक नियुक्त किए गए हैं इसके अलावा कलेक्टर ने सभी एसडीएम और तहसीलदारों को निर्देशित किया है कि वह अपने क्षेत्र के परीक्षा केंद्रों में नजर रखें।

कक्षा 10वीं के नियमित तथा स्वाध्यायी परीक्षार्थियों की परीक्षा का प्रथम प्रश्न पत्र गुरूवार 27 फरवरी को हिंदी का होगा। शुक्रवार 28 फरवरी को उर्दू तथा शनिवार एक मार्च को नेशनल स्किल्स क्वालिफिकेशन फ्रेम वर्क के समस्त विषयों तथा आर्टीफिशियल इंटेलीजेंस का प्रश्न पत्र होगा। सोमवार 3 मार्च को अंग्रेजी का प्रश्न पत्र होगा। बुधवार 5 मार्च को मराठी, गुजराती, पंजाबी, सिन्धी के प्रश्न पत्र तथा मूक बधिर और दृष्टिहीन विद्यार्थियों के लिए चित्रकला, गायन वादन, तबला पखावज और कम्प्यूटर का प्रश्न पत्र होगा। गुरूवार 6 मार्च को संस्कृत, सोमवार 10 मार्च को गणित, गुरूवार 13 मार्च को सामाजिक विज्ञान तथा शुक्रवार 21 मार्च को विज्ञान के प्रश्न पत्र की परीक्षा आयोजित होगी।

जीजा ने साली के साथ किया बलात्कार, पत्नी बता रही बेगुनाह

वीडियो वायरल करने की धमकी देकर बुलाया शहर के बाहर

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जीजा ने साली के साथ गलत काम किया। साली की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी जीजा को गिरफ्तार कर लिया है, तो वहीं आरोपी की पत्नी ने पति को बेकसूर बताया है। जीजा पर आरोप है कि पहले उसने अपनी साली के साथ जबरन गलत काम किया। फिर वीडियो बनाकर उसे धमकी देकर अपने पास बुला लिया। मामले में पहले लड़की की गुमशुदगी की शिकायत परिजनों ने थाने में की थी और जब लड़की दस्तयाब हुई तो जीजा द्वारा गलत काम किए जाने का खुलासा हुआ।

दरअसल मामला रीवा शहर के सिविल लाइन थाने का है जहां साली की शिकायत पर पुलिस ने जीजा के खिलाफ केस दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार किया है। सिविल लाइन थाना प्रभारी कमलेश साहू के मुताबिक लड़की गुढ़ की रहने वाली है जबकि लड़का सेमरिया का निवासी है। पुलिस के मुताबिक लड़का और लड़की आपस के रिश्ते में जीजा-साली हैं। बताया गया कि जीजा ने शहर के ढेका स्थित घर में साली के साथ जबरन गलत काम किया। फिर वीडियो की धमकी देकर उसे अपने पास जिले के बाहर बुलाया। मामले में लड़की के परिजनों ने पहले उसके गुमशुदगी की शिकायत विश्वविद्यालय थाने में दर्ज कराई और जब लड़की को दस्तयाब किया गया तो उसने जीजा पर रेप का आरोप लगाते हुए सिविल लाइन थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने फिलहाल लड़की की शिकायत पर आरोपी जीजा को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया है। तो वहीं आरोपी की पत्नी ने पति पर लगे आरोपों को गलत ठहराते हुए बेगुनाह बताया है।

रीवा और ओंकारेश्वर हरित ऊर्जा के नए केंद्र

मीडिया ऑडीटर, भोपाल/ रीवा (निप्र)। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने उद्बोधन मे कहा जीआईएस के शुभारंभ पर मध्यप्रदेश का रीवा सोलर पार्क देश के सबसे बड़े सौर ऊर्जा पार्कों में से एक है। इसके साथ ही हाल ही में ओंकारेश्वर में देश के सबसे बड़े फ्लोटिंग सोलर प्लांट का शुभारंभ किया गया है, जिससे अक्षय ऊर्जा उत्पादन को नई दिशा मिली है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव की दूरदर्शी नीतियों और राज्य सरकार के ठोस प्रयासों से मध्यप्रदेश हरित ऊर्जा हब के रूप में उभर रहा है। वर्तमान में राज्य में 5 बड़ी सौर परियोजनाएँ कार्यरत हैं, जिनकी कुल उत्पादन क्षमता 2.75 गीगावाट (2,750 मेगावाट) है। सरकार की योजना वर्ष-2030 तक नवकरणीय ऊर्जा उत्पादन क्षमता को बढ़ाकर 20 गीगावाट (20,000 मेगावाट) करने की है। मध्यप्रदेश सरकार नवकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में 5,21,279 करोड़ रुपये का निवेश आकर्षित कर रही है, जिससे 1,46,592 नौकरियाँ सृजित होंगी।

कलेक्टर ने 14 अधिकारियों को दिया नोटिस, प्रभावित हो रही ग्रेडिंग

लंबित शिकायतों का निराकरण न करने पर दिया गया नोटिस

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। कलेक्टर प्रतिभा पाल ने 14 अधिकारियों को नोटिस जारी किया है। यह नोटिस सीएम हेल्पलाइन की 50 दिनों से अधिक समय से लंबित शिकायतों का निराकरण न करने पर दिया गया है। जारी नोटिस में कलेक्टर ने कहा है कि अधिकारियों द्वारा शिकायतों का संतुष्टिपूर्वक निराकरण नहीं किया जा रहा है जिससे जिले की ग्रेडिंग प्रभावित हो रही है। विभागों की कई शिकायतें 50 दिनों से अधिक समय से लंबित हैं।

अधिकारियों द्वारा शिकायतों को संतुष्टिपूर्वक बंद नहीं किया जा रहा है और इनके निराकरण में भी कोई रूचि नहीं दिखाई जा रही है। अधिकारियों का यह कृत्य मध्यप्रदेश सिविल सेवा आचरण 1965 में निहित प्रावधानों के विपरीत है जो कदाचार की श्रेणी में आता है। कलेक्टर ने अधिकारियों को इन शिकायतों का 7 दिवस के अंदर शत-प्रतिशत निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिये हैं अन्यथा अधिकारियों की दो वेतनवृद्धि असंचयी प्रभाव से रोकते हुए उनके विरूद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही की जायेगी।

कलेक्टर ने सीएम हेल्पलाइन की 50 दिनों से अधिक समय से लंबित शिकायतों का निराकरण न करने पर जिला कार्यक्रम अधिकारी प्रतिभा पाण्डेय, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संजीव शुक्ला, जिला आपूर्ति नियंत्रक चन्द्रभान सिंह जादौन, जिला संयोजक अनुसूचित जाति कल्याण कमलेश्वर सिंह, कार्यपालन यंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी संजय पाण्डेय, जिला श्रम अधिकारी आशुतोष सिंह, जिला शिक्षा अधिकारी सुदामालाल गुप्ता तथा अधीक्षण यंत्री ऊर्जा विभाग बृजेश शुक्ला को नोटिस जारी किया है। कलेक्टर ने सहायक संचालक पिछड़ावर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण विभाग योगेन्द्र राज, अधीक्षण यंत्री जल संसाधन विभाग मनोज तिवारी, कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण विभाग प्रमोद गोटिया, पशुपालन विभाग डॉ. राजेश मिश्रा, उपायुक्त सहकारिता ज्ञानेन्द्र पाण्डेय तथा अनुविभागीय अधिकारी वनमण्डल ह्रदयलाल सिंह को भी नोटिस जारी किया है।

सड़क निर्माण कार्यों की समीक्षा 3 को

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)।कलेक्ट्रेट सभागार में 3 मार्च को प्रातः 11 बजे से विभिन्न सड़कों के निर्माण कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की गयी है। बैठक में बेला से सिलपरा बायपास मार्ग, रीवा-सीधी तथा रीवा बायपास चौड़ीकरण मार्ग के निर्माण कार्यों की समीक्षा की जायेगी। बैठक में संबंधित अधिकारियों को उपस्थिति के निर्देश दिये गये हैं। पूर्व में यह बैठक 28 फरवरी को आयोजित की जानी थी जिसे अपरिहार्य कारणों से स्थगित कर दिया गया है जो अब 3 मार्च को होगी।

निजी भूमि के वृक्षों के क्रय निर्धारण के लिए बैठक आज

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। कमिश्नर कार्यालय सभागार में 28 फरवरी को सुबह 11.30 बजे से कमिश्नर बीएस जामोद की अध्यक्षता में बैठक का आयोजन किया जा रहा है। बैठक में राजस्व भूमि तथा निजी भूमि में स्थित वृक्षों के क्रय दर निर्धारण के प्रस्ताव पर विचार किया जायेगा। बैठक में मुख्य वन संरक्षक रीवा तथा संभाग के सभी जिलों के वन मंडलाधिकारी एवं अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहेगे।

रायपुर कर्चुलियान में हाईवे पर सड़क हादसा, कुंभ मेले से लौट रहे थे दंपति, महिला की मौत

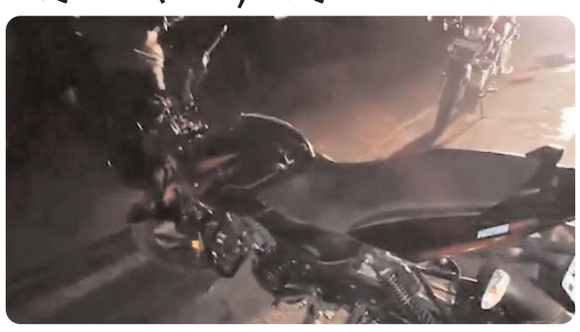

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिले के रायपुर कर्चुलियान थाना क्षेत्र अंतर्गत खीरा मोड़ पर बीती देर रात एक सड़क हादसा हो गया। इस हादसे में पत्नी की दर्दनाक मौत हो गई जबकि पति पूरी तरह से सुरक्षित बताया गया है। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पीएम के लिए अस्पताल पहुंचायाऔर मामले की जांच शुरू कर दी है। घटना के संबंध में मिली जानकारी के मुताबिक सीधी जिले के सेमरिया थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम करौंदिया निवासी रामबहोर साहू अपनी पत्नी आरती साहू को बाइक से लेकर कुंभ मेले में प्रयागराज गए हुए थे। बताया गया है कि पति-पत्नी बीती रात प्रयागराज से वापस अपने गांव जा रहे थे। इसी दौरान रायपुर कर्चुलियान थाना क्षेत्र अंतर्गत खीरा मोड़ के समीप एक मवेशी सामने आ गया, जिसे बाइक सवार ने तो बचा दिया, लेकिन मवेशी ने बाइक में पीछे बैठी उसकी पत्नी को धक्का मार दिया जिससे पत्नी बाइक से नीचे जा गिरी और पीछे से आ रहे अज्ञात ऑटो के चालक ने महिला को कुचल दिया, जिससे महिला की घटना स्थल पर ही मौत हो गई है। घटना के बाद ऑटो सहित चालक फरार हो गया। स्थानीय लोगों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची।

केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह चित्रकूट पहुंचकर दीन दयाल शोध संस्थान द्वारा आयोजित कार्यक्रम में हुये शामिल

'नानाजी राजनीति के जल कमल थे जिन्हें कोई बुराई छू नहीं सकी'

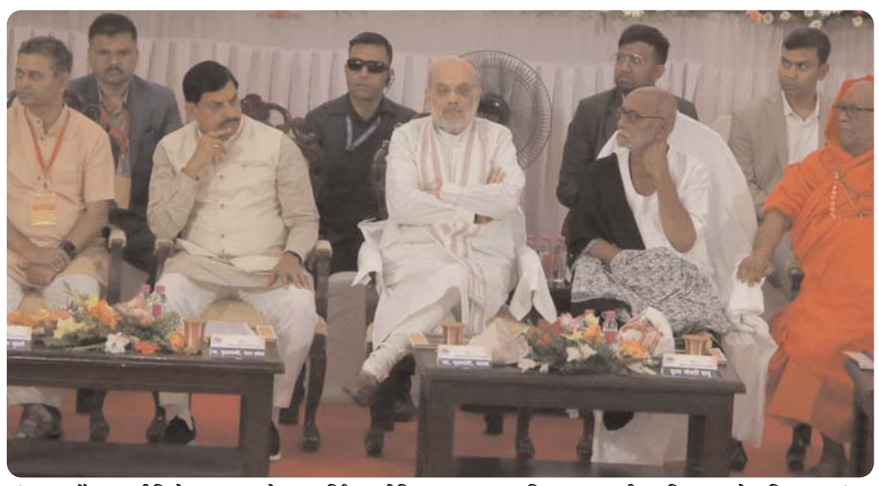

मीडिया ऑडीटर, चित्रकूट (निप्र)। केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह चित्रकूट पहुंचकर दीन दयाल शोध संस्थान द्वारा आयोजित कार्यक्रम में भारत रत्न नानाजी देशमुख को श्रद्धासुमन अर्पित किये। विवेकानंद सभागार में भारत रत्न राष्ट्रऋषि नानाजी देशमुख की 15वीं पुण्य तिथि के अवसर पर आयोजित समारोह में गृहमंत्री शाह ने कहा कि नानाजी देशमुख ने अपने सतायु जीवन में अपने जीवन का हर क्षण और शरीर का हर कण देश की सेवा को समर्पित किया। उनके जीवन दर्शन और कार्यों का प्रभाव युगों-युगों तक रहेगा। नानाजी देशमुख राजनीति के क्षेत्र में रहकर अजातशत्रु थे। उन्होंने राजनीति में रहकर भी कला, साहित्य और समाजसेवा से लगातार सरोकार बनाये रखा। नानाजी ने अपने जीवन में जो उपलब्धियां हासिल की, उसे एक जीवन में प्राप्त करना बहुत ही कठिन है।

गृहमंत्री ने कहा कि नानाजी देशमुख ने गरीबों की सेवा के लिए राजनीति छोड दी। उन्होंने समाजसेवा, व्यवहार, सनातनी संस्कार और राजनीति के समन्वय से नये सिद्धांत स्थापित किये। इन सिद्धांतों ने हम सब का मार्गदर्शन किया। देश की स्वतंत्रता के बाद जब विकास के लिए अर्थ नीति और देश नीति बनाई जा रही थी, तब पंडित दीन दयाल उपाध्याय और नानाजी देशमुख ने एकात्म मानववाद का सिद्धांत दिया। इसमें विकास की पंक्ति में अंतिम स्थान पर खडे व्यक्ति को लक्ष्य में रखकर विकास की चिंता को शामिल करते हुए आर्थिक नीति का सृजन किया। एकात्म मानववाद के सिद्धांत पर चलकर ही हमारी सरकार देश को विश्व गुरू बनाने के पथ पर आगे बढ रही है।

नानाजी देशमुख का मानना था कि जब तक गरीब और वंचितों का विकास नहीं होगा, तब तक राष्ट्र का विकास नहीं हो सकता है। इसीलिए नानाजी देशमुख ने राजनीति छोडकर चित्रकूट से अंत्योदय और ग्रामोदय की अलख जगाई। उन्होंने ग्रामीण विकास के लिए असंख्य नवाचार और सफल प्रयोग किये। हमारी सरकार ने 10 सालों में 60 करोड गरीबों को पक्के मकान, बिजली, गैस सिलेण्डर और आयुष्मान कार्ड से निःशुल्क उपचार की सुविधा देकर नानाजी के सपने को पूरा करने का प्रयास किया है। अब हमारे गांव विकसित होकर अपनी परंपरा बनाये रखते हुए गोकुल गांव बन रहे हैं। नानाजी देशमुख ने अपने जीवन के संस्कारों में तिलक जी के राष्ट्रवाद और गांधीजी के ग्राम स्वराज को समाहित किया है। इसीलिए पूर्व राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम ने नानाजी को राष्ट्रऋषि की उपाधि से विभूषित किया था। गृहमंत्री ने पंडित दीन दयाल उपाध्याय की नवीन प्रतिमा की स्थापना तथा श्रीराम दर्शन के नवीनीकृत प्रकल्प के लिए दीन दयाल शोध संस्थान को बधाई दी।

समारोह में नानाजी देशमुख को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि मैं विद्यार्थी परिषद के समय से चित्रकूट और नानाजी देशमुख से जुडा हुआ हूं। नानाजी का जीवन प्रेरणा पुंज है। नानाजी ने सामाजिक कार्यों और ग्रामोदय के माध्यम से चित्रकूट को नई पहचान दी है। यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने नानाजी को भारत रत्न देकर उनके कार्यों के प्रति सच्चा आदर प्रकट किया है। समारोह में दीन दयाल शोध संस्थान के सचिव अतुल जैन ने संस्थान के कार्यों तथा तीन दिवसीय कार्यशालाओं का सार संक्षेप विवरण दिया। समारोह में गृहमंत्री ने वर्चुअल माध्यम से दीन दयाल उपाध्याय की नवीन प्रतिमा का अनावरण किया। गृहमंत्री ने राम दर्शन के नवीन प्रकल्प का भी लोकार्पण किया। समारोह में पंडित दीन दयाल की प्रतिमा बनाने वाले शिल्पकारों को सम्मानित किया गया।

समारोह में प्रसिद्ध कथावाचक संत मोरारी बापू ने नानाजी देशमुख को श्रद्धांजलि देते हुए उनके राम राज्य और ग्राम विकास के कार्यों का स्मरण किया। समारोह में संत सेनाचार्य अचरानंद महाराज, उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल, पशुपालन एवं डेयरी राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) लखन पटेल, नगरीय विकास एवं आवास राज्यमंत्री श्रीमती प्रतिमा बागरी, सांसद खजुराहो बीडी शर्मा, सांसद सतना गणेश सिंह, विधायक चित्रकूट सुरेन्द्र सिंह गहरवार, जिला पंचायत अध्यक्ष रामखेलावन कोल, कुलगुरू ग्रामोदय विश्वविद्यालय डॉ. भरत मिश्रा, कार्यकारी अध्यक्ष डीआरआई निखल मुंडले तथा गणमान्य नागरिक, साधू संत उपस्थित रहे। समारोह का समापन संस्थान के संगठन सचिव अभय महाजन द्वारा किया गया।

टमस नदीं में नावों के जरिए किया जा रहा अवैध उत्खनन

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। टमस नदी में दिनदहाड़े नावों के जरिए रेत का अवैध उत्खनन किया जा रहा है। यह सब कुछ उस पुल के नीचे हो रहा है, जहां से रोजाना हजारों लोग गुजरते हैं। इसका एक वीडियो सामने आया है। जानकारी के मुताबिक, एक नाव दिन भर में तीन ट्रॉली से भी अधिक रेत निकाल रही है। इस हिसाब से दर्जनों नावें रोजाना लगभग 1200 घन मीटर रेत का अवैध उत्खनन कर रही हैं। नदी के किनारे जमा की गई इस रेत को ट्रैक्टरों के माध्यम से बाजार में बेचा जा रहा है, जिससे सरकार को प्रतिदिन लगभग 25 से 30 हजार रुपए के राजस्व का नुकसान हो रहा है। इस मामले को लेकर जिला खनिज अधिकारी दीपमाला तिवारी ने बताया कि अवैध उत्खनन और परिवहन सहित अवैध भंडारण को लेकर खनिज विभाग की निगरानी टीम लगातार सतर्कता के साथ सख्त कार्यवाही कर रही है। इस क्रम में इस सप्ताह खनिज विभाग के दल ने अवैध भंडारण के तहत नगरीय सीमा में स्थित शारदा ठीहा, साहू ट्रेडर्स, शिव शक्ति ट्रेडर्स, गायत्री ट्रेडर्स सहित सपना ट्रेडर्स में अवैध भंडारण के तहत कार्रवाई करते हुए 1,73,000 से भी अधिक रुपए की पेनल्टी वसूल की है। नदी में नाव के माध्यम से रेत निकाले जाने की जानकारी आपसे मिलने के बाद टीम को सूचना दे दी गई है। शीघ्र ही रेत माफियाओं के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही की जाएगी। मौके पर तत्काल टीम रवाना कर दी गई है।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक/प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया ऑडीटर पब्लिकेशन प्रा.लिमि. राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से प्रकाशित, **संपादक संदीप द्विवेदी**, आर.एन.आई नं. 69082/97, डाक पंजीयन क्र.- म. प्र./ रीवा संभाग/ 46/2023-2025, प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9589645803, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।